

॥ झो३म् ॥

प्रियं मा कृणु हे वेषु प्रियं राजंसु मा कृणु। प्रियं सर्वस्य पश्यंत उतं शुद्ध उतार्ये ॥ १ ॥ अथर्व० का० १६ स्० ६२ म० १॥

प्रिय मोहि करै। देव, तथा राज समाज में। प्रिय सब दृष्टि वाले, औ शूद्र और अर्थ में॥

अथवंबेहभाष्ट्र।

संहिताया मन्त्राणां वर्णानुक्रम-सचीपत्रम

श्रीमद्राजाधिराजविधतमहागुणमहिमधीरवीरचिरप्रतापि श्री सयाजीरावगायकवाडाधिष्ठित बड़ोदेपुरीगतश्रावणमास-दित्तणापरीज्ञायाम् ऋक्सामाथर्ववेदभाष्येषु लब्धदित्त्र्णेन

श्री पण्डित संमकरणदारु चिवेदिना

निर्मितं प्रकाशितं च।

Make me beloved among the Gods,
beloved among the Princes, make
Me dear to every one who sees,
to Sudra and to Aryanman.

Griffith's Trans. Atharva 19:62:1.

सर्वाधिकारः स्वाधीन एव भाष्यकारेण रिचतः।

श्चयं ग्रन्थः परिडत काशीनाथ वाजपेयिप्रवन्धेन

प्रयागनगरे स्रोंकारयन्त्रालये मुद्रितः।

प्रथमावृत्तौ

संवत् १८७७ वि०

१००० पुस्तकानि े सन् १६२१ ई०

मुल्यम् १-)

पता—एं क्षेमकरणदास त्रिवेदी, ५२ लूकरगंज, प्रयाग (Allahabad)

म्बानन्दसमाचार ॥ श्रयवंवेद भाष्य छप गया ॥

[आप देखिये और अपने मित्रों को दिखाइये]

१—प्राध्ववेदभाष्य—जिन वेदों की महिमा सब बड़े २ ऋषि, मुनि और योगी गासे आये हैं और विदेशी विद्वान जिनका अर्थ खोजने में लग रहे हैं। वे अब तक संस्कृत में होने के कारण बड़े कठिन थे। ऋग्वेद, यजुर्वेद और सामवेद का अर्थ तो भाषा में हो चुका था परन्तु अथवंवेद का अर्थ इभी तक नागरी भाषा में न था। और संस्कृत में भी भी सायण भाष्य प्रानहीं है। अब परमातमा की कृषा से अथवंवेद का भाष्य भी नागरी भाषा (हिन्दी) और संस्कृत में वेद, निवगद, निरुक्त, व्याकरणादि सस्य शास्त्रों के प्रमाणों सहित, प्रयाग निवासी पं० होमकरणदास जिवेदी ने संवत् १६६६ वि० में आरंभ करके संवत् १६७० वि० में श्रीमिती आर्थ प्रतिनिधि सभा संयुक्त प्रान्त और पंजाब प्रान्त तथा विद्वाद ग्राहक महाश्यों की सहायता से प्रा करितीया।

२—इस वेद के बीसो कांगडों का भावपूर्ण संचित्त छो पुरुषों के समक्षते योग्य श्रित सरल हिन्दी और संस्कृत भाष्य श्रुष मृत्य में छुपकर उपस्थित है। वेद्रमेमी महाराय सब छी पुरुष स्वाध्याय, पुस्तकालयों श्रीर पानितोषिकों के लिये भाष्य मंगाव श्रीर जगत्पिता परमात्मा के पारमार्थिक श्रीर सांसारिक उपदेश, ब्रह्मविद्या, वैद्यकविद्या, शिल्पविद्या, राजविद्यादि श्रुनेक विद्याश्रों का तस्व जानकर श्रानग्द भोगें, छपाई उत्तम श्रीरकागृज बढ़िया रायल श्रुठपेजी है।

३—पूरे भाष्य के स्थायी ब्राहकों में नाम लिखाने वाले सज्जन मृल्य में से २०) सैकड़ा छोड़कर भाष्य पाते हैं। डाकव्यय और कपड़े की पूरी जिल्द वंघवाई के दाम ब्राहक देते हैं।

कोग्ड		भूमिक हित	7	2	3	ક્ષ	ų.	દ્ધ	૭	٤	3	१०	११
मृत्य		१।)		21-1	१॥-)	२)	१॥=)	₹)	51)	(۲)	२।)	રાા)	२।)
काग्ड	१२	१३	18	१५	१६	20	9 १व	= १८	<u>६</u> २	ু দুর্ঘ হি	रे- मन ए स्र	त्र प्रव बी सूच	
मृत्य	2=)	श्ड)	(15	8-)	n-)	=	.) रा=	·) 31	0	1)	१-	-)	83-)

सब भाष्य मन्त्र शूची सहित छप गया, पद सूची और छप रही हैं। जिसके छप जाने पर यह भाष्य सब प्रकार पूरा हो जावेगा। पुराने प्राहक जिनके पास सब काएड नहीं पहुंचे और नये प्राहक भाष्य शीच्र मंगावें पुस्तक थोड़े रहे हैं, ऐसे बड़े प्रन्थ का फिर छपना कठिन है, नवीन स्थायी प्राहक बनने का नियम ३० अपरेल १६२१ तक रहेगा।

ह्वनसम्बा:—धर्म शिद्धा का उपकारी पुस्तक-बारों वेदों के संगृहीत मन्त्र ईश्वर स्तुति, स्वस्तिषाचन,शान्तिकरण,हवनमन्त्र, वामदेव्यगान सरल भाषा में शब्दार्थ सहित संग्रोधित बढ़िया रायल अठपेजी पृष्ठ ६०, मृत्य।-)

सद्धारिकपक अर्थ संस्कृत, भाषा और अंग्रेजी में बढ़िया रायल अठपेजी, पृष्ठ १४८ मृत्य ।►)

रुद्राध्याय:-मृत्तमात्र बढ़िया रायत श्रठपेजी, पृष्ठ १४ मृत्य)॥

येदिवद्यायें—कांगड़ी गुरुकुल में व्याख्यान दिया था। वेदों में विमान, नौका,मल शस्त्र निर्माण, व्यापार, गृहस्थ, श्रतिथि, सभा ब्रह्मचर्यादि का वर्णन मृत्य -)॥

पता पं० सेमकरणदास चिवेदी

१० मार्च १६२१।

५२, लुकरगंज, प्रयाग। (Allahabad)

Onkar Press, Allahabad

॥ ओश्म् ॥

ग्रयवंवेदभाष्ये॥

त्र्यथर्ववेदसंहितायाः॥

मन्त्राणां वर्णानुक्रमसूची ॥

狈

श्रकमं ते स्वपसो	an all and a second				श्चारित	स्मांक्रि	ना
	e nio	ख्॰	स०		m i	स्०	म०
अकर्म ते स्वपसी	?=	. 3	રક	अग्न आ याद्यागिन		१०३	
श्रकामा धीरो	१०	E	88	अन्म इन्द्रश्च द।	9	११०	8
अकुप्यन्तः कुपा	-	१३०	25	धानये कव्यवाह	१द	8	92
अद्यद्ध ग्धो राज	ų	₹=	- 2	ग्रम्नावद्गिश्वर	8	38	8
अत्तश्र मीमद्दत	१⊏	. 8	६१	श्रयाविष्णु महि तद्	g	3.8	8
श्रद्धाः फलवती	9	40	3	अंग्नाविष्णुमहि भाम	9	3.5	
श्रद्धितास्त उपस	8	१४२	3	अग्निमन्तश्च्छाव्	8		१४
भवितिं भूवसीम्	१८	8	२७	श्राग्तिमणिन हवि		१०१	L
श्रक्तितोतिः	२०	8,3	9	ग्रम्भिभी सिद्वाव	'	१०३	•
अज्ञीभ्यां ते ना	२	33	. 8	ग्राग्निराम्नीधात्	20	ેર	ર
श्रद्धी स्वां ते ना	२०	38	१७	ग्रामिरासीन	8	٩	38
अक्षमोपशं विततं	3	3	6	श्राग्निरिच मन्यो	8	38	
अपयो च ते मुखं	8	£	3	अग्निरिवेतु प्रति	ų		१३
अपयी३ नि	¥	28	૪	अनिनरेनं क्रव्यात्	१२		92
बद्यों नी मचुसंका	و	38		अमिन दिव आ	१२		44 To 1
ग्रगिक्द भवी	20	20	8	भारिनर्मः शत्रुन्	ą		1.4.5
सनकिन्द्र भवो	૨૦	4.9	, %	अग्निनों दूतः	3	ર	
अगन्मस्वरः स्वर	१६	8	3	श्राविन सूम्यामीष	१२	•	8.8
क्रो। देशाया गवि 🕛	₹.	84	2	श्रम्भिमों विनना	3.8		7

	STREET, STREET	STATE SECTION SECTION	Owner, and a second	
	জাত	स्र०	म०	
श्रग्निमां गोप्ता	१७	8	३०	•
अगिनमी पातु वसु	१६	१७	3	
ग्राचितर्थव इन्द्रो	8	ર	१३	
अविनर्घनस्पती	ų	२४	२	
श्रग्तिवासाः .	१२	. १	२१	
श्रानियं नः पद्वायः	¥	36	१४	
अ ग्निहें।ताध्त्रयु	₹ =	8		
श्रानिष्टं नि	~ દ્	१११	1	
श्रविनद्यात्ताः वि	१⊏	3	४४	
अग्निस्तक्षा	. Ų	२२	१	
अग्निं ते वसुवन्त	38	₹=	8.	
झरिनं दृतं चुणी	२०	१०१	1	
श्रावित व्यूमे।	११	ફ	8	
अग्निं होतारं	२०	ર,ક	३	
अग्निं होतं च	११	0	3	
अपिनः कव्याद्ध	१२	y	हर	
श्राग्निः पचन्त्रतु	45	3	રક	
अग्निः परेषु धाम	દ	38	3	
श्रग्निः पूर्वे श्रा	१	9	ક	
श्रमिनः प्राणान्त्सं	35	38	દિ	
श्रानः प्रातः	- &	80	₹.	_
श्राग्नः सूर्यश्च	· y	₹≡	3	
अग्निः स्रुचो	4	२७	ų	-
अग्नी रत्तरतपतु	. \$5	3	ઇરૂ	-
अग्नी रच्चांसि	Zm.	32	२६	
अग्नीषोमा पथि	१्ड	२	पूर्	
अग्नीघोमास्यां	१२	ક	२६	
श्रग्नीषोमावद	ques faces	3	१४	
अन्ते अक्रया	१२	₹	४२	-
अपने अच्छा वदेह	ર	२०	્ર	-
अमे चर्र्याज्ञय	११.	१	१६	-
श्चग्ने जनिष्टा	११	8	३	-
शाने जातान्यसुदा	Ġ	રૂપ્ડ	१	-
श्चाने जायस्वादि	११	े १	8	-
सागो तपस्तप्यामह	(9	. & &	, 5	-
			*.	

कां० सूत्र म० श्राने त्वचं 6 3 ઇ अग्ने देवाँ इहा 3 २० १०१ अग्ने पृतनाषाट् १४ Ton. ų अग्ने प्रेहि प्रथमो y १४ Ę श्चरने मन्युं प्रति 3. श्राने यत्तेऽर्चिस्तेन 3 २ 38 श्रम्ने यत्ते तपस्तेन ર १६ Ŕ अपने यत्तेत जस्ते 38 4 अने यसे शाचिस्ते 38 ર ક अग्नेयत्तेहरस्तेन ર R 38 अग्नेरिवास्य दह ę २० अग्ने रिवास्य उह 9 SÃ 2 श्रानेद्यां स्रापं 9 See श्चानेभागस्य 80 ও श्चारतेर्मन्दे प्रथम Ş २३ श्रुग्ने वर्म परि ર Y.Z 22 अन्ते वैश्वोनर 2 ३६ જ अग्ने शर्ध महते 50 9 80 अग्नेष्टे प्राणमम् १३ 200 अग्ने समिधमाहा 33 દ્દશ ξ श्राने सपतानध ٤ą. 8 38 अग्ने सहस्वान Ş 88 દ્દ अग्ने स्वाहा y ૨૭ १२ श्रग्नेः प्रजातं परि 39 २६ १ अग्नेः शरीरमसि ~ **25** 2 マニ झग्नेः स्रांतपनस्था દ २ 30 श्रग्नो तुषानावप Ş 88 39 अग्नौ स्यँचन्द्रम ११ y \$3 श्रम्याधेय 88 6 9 श्रममेष्येषधीनां છ 38 Ę ग्रचद्विष्टा R 9 ę श्रवमस्त्वघ 80 Ŷ. अधिषा निपत १२ ₹6 श्रघशंस दुःशंसा १२ 2 2 श्रघायतामपि 8.0 8 ę अधाश्वस्येदं 80 8 80

	कां०	स्०	Ho	•	कांo	स्०	Ho
श्रघोरचचुरपति	१४	૨	१७	त्रजोद्यर्ग्नेरज	ક	१४	१
श्रघं पच्यमाना	રે વ	فع	३ २	श्रजो३स्यज	3	y	१६
श्रघ्ये पद्वीभंव	१२	ų	38	श्रजं च पचत	3	·tg	३७
श्रघ्ये प्रशिरो ज	१२	. y	ફ૦	श्रजः पकः खर्गे	8	¥	१८
अङ्गभेदमङ्गज्यरं	3	Speed .	ų	श्रञ्जते व्यञ्जते	१=	3	8=
श्रङ्गभेदो शङ्गज्व	ų	ર્ફ	3	अतन्द्रो यास्यन्	83	·2	₹=
श्रद्धात् प्र	१०	ક	સ્પૂ	श्रतिथीन्प्रति	8.8	$\xi(\Psi)$	Zan.
श्रङ्गादङ्गाद्वय	१४	્ર	33	अतिद्रव श्वानौ	१=	ર	११
अक्रिप्सा नः	१८	શ્	YE	अ ति धन्वान्यत्य	9	કશ	१
श्रक्षरसामयनं	16	હ	<u> </u>	श्रतिधावताति स	ų	6	8
श्रक्तिरोभिर्य विये	१ =	१	3.4	श्चितिनहों अतिस्	?	Ę	y
श्रक्ते अङ्गे लोमिन	२०	33	२३	अ तिमात्रमवर्थन्त	લ	58	१
अङ्गेअङ्गे लोग्नि	२	इ३	٠ رو	द्यांत विश्वान्यर	१६	ક્ટ	₹
ग्रङ्गग्रङ्गे शोचिषा	. १	१२	्र	श्रतिसृष्टो श्रपां	१६	. 8	⊬ 8્
अङ्गेभ्यस्त उदरा	११	્ર	દ	श्रतीदु शक श्रोह	50	8२	११
अचि कित्वां	. 8	8	· •	श्रतीवयो मस्तो	२	१२	8
श्रचिक्रदत्स्वपा	3		१	श्रतो वै वृहस्पति	६५	१०	8
श्रच्छ त्वा यन्तु	. 3	ુ	इ	अतो वे बृहस्पति	80	१०	Ą
भ्रच्छा हि त्वा सह	20	१०३	ર	श्रतो वे ब्रह्म	र्त	१०	₹
अ च्छायमेति	ų	ર	હપૂ	श्रत्यर्धर्चपरस्व	२०	१३१	88
श्रच्छा न इन्द्रं यश	६	३६		अतःपरिज्मन्ना	२०	. 90.	-1
श्रच्या महन्द्रं मत	२०	१७	१	अत्राह गोरमन्व	२०	धर	
श्रच्युतच्युत सम	y	२०	१२	ञ्चित्रवद् वःक्रिमयो	=	33	₹
श्रजमनिजम	ક	१४	દ	अत्रिवद्यः किमयो	4	२३	१०
श्रजस्मिनाके त्रि	3	ų	१०	श्रत्रेनानिन्द	ų	E	8
श्रजागार केवि	₹0	१२६	१७	अध य एवं विदुषा	80	१२	
ग्रजाता भासम्	१ २	54	ų	श्रधयस्याज्ञात्यो	8,00		११
श्रजारोह सुकृतां	3	Ų	. &	अथर्वाणी श्रवध	१०	લ	२०
श्रजिराधिराजी	૭	(90	રૂ	श्रधवीणं पितरं	9	#	ર્
अजैषं त्वा संति	9	yo	. ų	अथर्वापूर्णा चम	१८		48
श्रजेष्माद्यासना	१६	દ્	8		२०		
श्रजो अग्निरज	3		9		् ३०		
श्रजो भागस्तप	१व	ર	T.	श्रथोश्वाश्रस्थि		\$30	
अजो वा इदमश्रे	8	ų	্ ২০			5,50	
श्रजोद्य (ग्नेरज	3	y	ं १३	श्रथोइबिशिति	२०	१३०	१म

	mention and the second second		DEPENDENCIA MATERIAL	Control of the Property of the Control of the Contr			
	ফাঁ০	सु०	Ho		es lo	Ø.	म ०
त्रश्रो पदान भग	3.8	3 8	THE STATE OF THE S	श्रधि स्कन्द	ų	24	Z
अया पर्ता नग अयो वानि च	3.8	ar.	१	बधीतीरधगा	2	8	Ą
अया यान च अधो सर्वश्वापदं	88 202	3	१०	श्रध्यद्यो वाजी	3	२	O
भ्रया लवरवापय श्रद्दित त्वा पिपी	3	પૃક્	Ġ	श्रध्वर्यवोऽरुणं	२०	E/S	१
अदारत त्वा १५५१ अद्बंधो दिवि पृ	રુ૭	8	१२	श्चनच्छ्येतुरगातु	£	१०	E
श्चद्या दाव प्र श्चदाच्यान्त्सोमपा	,3	źñ,	` ?	श्रनडु द्र्यस्वं	E	48	8
श्रदार ख द्भवतु	٠ و	20	ક	श्रनड्वातिन्द्र	8	११	8
अद्रितः श्मश्रु	દે	Spin 1	्२	ग्रनड्वान्दाधार	8	११	8
श्रदितिद्यौरिद	ی ا	Ę	,	श्रनड्वान्दु हे	格	११	8
अदितिमा <u>ं</u> दित्यैः	ृश्≖	á	રક	अनड्वाहं सव	. १२	ą	82
श्रदिते ई स्तांसु	११	ફ	5.4	ग्रनन्तं विततं	१०	T	१२
भादतहरतासु श्रदृहमित्यां पूषक	20	१३१		श्चनपत्यमल्पप	१२	8	34
अदूहामत्या पूर्य	१३	347	₹=	अनभ्रयः खनमा	88	२	3
भ्रदश्रमस्य केत	20	80		श्रनमित्रं नो	É	80	2
भ्रद्रभस्य कत भ्रदेवृद्ध्यपति	રક	رب ج		अनयाहमीपध्या	ક	१=	¥
श्रदो यसे हदि श्रि	, g		•		१०	8	*
अदा यस धार प	ં ર			श्चनवद्याभिः समु	ર	વ	3
श्रद् । यद्यपायाता श्रद् । यद्वरोचते	B.	ی		अनवद्यरभिद्य	२०	90	8
अदो यदेवि प्रधमा	ં શ્રે	۶		2 0	૨૦	స్టిం	₹
श्रद्धिरन्नादीभ	ર્ પૂ			2	२०	. YE	₹.
श्रद्धार्या राजा	-	ર ર		i .	ષ્ટ	ં રૂપ્ડ	ર
श्रदाशे श्रद		•	•		१६		80
भ्रदा मुरीय	=		_		१ व	ę	ર&
श्रध ते विस्वमनु		० १५	_		હ	ES	8
श्रधत्यं द्रप्तं	१ः		શ્ ૨૧		¥	ও	G
अध द्रव्से। अंशुम	ع د		-		ų	L દ્	३
श्चधराङ्चं प्र	٩			1 00	२०	१२६	२०
श्रध रात्रि तृष		8 8		-	१८	y.s	¥
ग्रथ रात्रि दृष्ट		Y Z		भनु गच्छनित	· १ =		२ ७
भघरोधर उत्तरे		१ १३		२ अनु च्छ्रय श्यामे	. 4	ñ	¥.
अधावधा नः					2	= 8	8
अधा हीन्द्र गिर्घ	4	o {o		१ अनुते शुष्मं		० १०५	3
अवा हान्य ।		૦ ર		३ श्रनु त्वाग्निः	মূ (110	
श्राध तो व्रतं पृत				श्रनुत्वा रोद्सी		0 %	
श्राधि घृहि मा		gain (he)		७ अनु त्वा हरियो		3	
Marie Marie Al		~~	. T				

CONTRACTOR STATE OF THE PROPERTY OF THE PROPER	Principle of the Party Con-		1				
	ario	स्०	He	• • • • • • • • • • • • • • • • • • •	क्रां०	£0	स०
अनुपूर्ववस्तां -	8	Ų	२&	मन्तर्घेहि जात	११	१०	8
श्रत्र प्रत्नस्योक	२०	२६	3	अ स्तश्चरतिरो	E	夏夏	ર
अनु पत्नस्यीक	*0	8ર	१५	ग्रन्तश्चरति रो	२०	8=	ų
अनुमतिः सर्वमिदं	ூ.	२०	દ્દ	बन्तिसन्तं न	१०	- Service	33
श्रनुमते स्विदं	É	१३१	ર	ऋषाद्येन यशसा	१३	8	५६
अ जुभन्यताम्	9	२०	રૂ	द्यन्नाचेन बशखा	१३	8	88
श्रनुवतः पितुः	3	३०	ર	ग्रन्नं पूर्वा रास्सां	88	8	8
श्रद्धवता सेहिसी	१३	8	२२	ग्रन्मुष्ठ	१व्य	?	१६
ग्रतु स्टर्यमुद्वतां	₹	२२	ર	अम्यदोत्रे न रम	ų	25	
श्रनुस्पष्टो भवत्ये	२०	\$3	8	अन्यत्रास्मन्नुष्यतु	દ	₹8	ş
श्रनुहवं परिह्थं	१६	TI,	. 8	श्रन्येभ्यरत्वा	१२	ર	१६
अनुद्वतः पुनरेहि	تع	३०	ও	ग्रन्वग्नि देवसाम्म	ও	53	४
शर् णाश्चिमका	દ્	११७	Ą	श्रन्वग्निक्षना	ई द्य	2	₹@
अनुत्रा ऋज	શ્કે	Š	३४	श्रन्वच नो ऽनुमित	G	ર્	. · १
अनेनेन्द्रो मिणना	25	y	3	अन्वांडयं शीर्षयम	२	३१	8
श्चनतकाय स्त्यवे	. 4	. 8	₹.	श्रन्वारभेषा	8	१२२	3
अन्तके।सि	१६	y.	§.	श्रन्विद्नुमते त्वं	9	२०	₹
श्चन्तके।सि	१६	12	. २	श्रन्होग्रत्थक् त्रा	१५	ર	ś
अन्तर्वे द्यावा	E	¥	६	श्रन् <u>श</u> ेचत्वारात्रये	S.M.	१	. 3
द्यासरा यां च	8	. 3	र्म	श्रगःससुद्रा	8	e 9	8
अन्तरिंच आसां	ર	३२	ર	ग्रपका र्भस्य न्द्मा	3	१३	8
अन्तरिकाय स्वादा	ų	8	Ą	भ्रपकामति	१२	y	Ę
बन्तरिक्षाय स्वाहा	· y	8	8	अपकामन् पीरावे	9	१०५	१
अन्सरिक्षेण पतति	ę	ez ;	. 8	अपकाम नानद्	१०	?	१४
अन्तरिक्षेश सह	٤	}	E	श्रपकीताः	X	9	११
श्रन्तरिक्षेय सह	٤	g Z	9	अपितां खोहिनी	. 0	<u> જ્ય</u>	- 8
अन्तरिचे वायवे		38	3	अपचितः प्रकतत	S.	E-3	8
अन्तरिश्वं जात		: 4	ų y	अपस्योतिषा त	२०	88	A
भाग्तरिकं दिशं	१०			अप तस्य हतं तथे।	१०	. 9	80
अन्तरिक्षं धेतु	. \$	85 8	8	अप त्ये तायवे।	१३	?	\$00
श्रन्तरेमे नभसी		1 20	ও		२०	83	88
अ न्तर्गर्भरच	. १	દ ક	२०	श्रवधेनाजभाषेणुं	ų		
ं अग्तद्वि जुहुता	4	दे ३२	. ૧		¥	\$ \$ \$. 8
धन्तर्देशा अव	ę	o 8	. ?&		8.8	50	8
अन्द्रियंदें वानी	8	ર ક	88		१्र	1 4	4
• • •		1					

	কাঁ০	ল্বত	स०		কাঁ০	Æ.	Ho
अयमित्यमप्रतीत्तं	Ę	११७	ર્	त्रापां रसः प्रथ	상	ક	y.
अवस्टव योत्	હ	. १ व		श्रपाः पूर्वेषां हरिव	२०	३२	\$
अ परिमितमेव	3	ų.	२२	अधिवृश्च पुराग	O	03	8
भ्रवदासे नदात्राणां	3	9	g	अपिनहामित	9	90	¥
अप्यादग्यास	38	ųų	ų	झपूपचानसर्वा र च	{ 22	않	२१.
अन्त्यं गोपा	3	१०	११	अपूपवानपवांश्च	£ 255	8	28
श्रपश्यं युवतिं	200	ą	ess	अपूपवान सीरवां	१८	યુ	१६
श्चवस्त श्रोपधी	88	१ व्	ફ	अपूगवान् धृतवां	8=	용	१८
बग स्तेनं वास	38	yo	y	अपूगका न्द्रप्सवां	१८	8	१ ==
अगस्तवं धुवं	१०	१०	dine.	शापूपवास् द्वि	85	છ	१७
यवाग्ह्सन्यतां	8 ===	Z.	24	अपूपवान्म धुमां	१स	8	२२
अगांङ् प्राङेति	3	१०	१६	अपूरान् मोतनां	१८	. 8	२० .
अपाञ्चीत उभी	. 9	90	ઇ	अप्वान् रसवांश्च	१८	ક	₹3
अपार्थे सम	90	C	२१	अपूराचिहितान्	8 व्य	35	६=
श्रपादिन्द्रो श्रपा	२०	હર	Sura No.	अपूरागिहितान	82	૪	રપ
अपादेति प्रथमा	ઢ	१०	२३	अपूर्वेशिवता	80	(SEL) Chross	33
अवानति प्रसति	११	ક	१४	अपेत चीत	E m	3	. yy
अपानाय ज्यानाय	Ę	83	२	अपेतो वाये।	8	રપૂ	૪
अगमग्ति स्तनृभिः	と	₹ %	१०	अपेन्द्र हिपती	٤	₹ ₹	ઇ
अगमयमिस समु	१६	₹,	É	घपेन्द्रपाचो मघ	२०	રૂરપ	8
ञ्चपामह दिव्या	28	₹	8	अपेमां मार्चा	35	₹.	४०
त्रपाससमें वज	१०	y	yo	अपेमं जीवा	१८	. 2	₹.9
श्रपामार्ग क्रोत्रघी	ક્ર	१७	100	अपेयं राष्ट्यु व्ह	२	- tun	?
अपामानी प्रमार्षे	હ	१व	G	शपेहि मनजस्पत	२०	$\mathcal{E}_{\mathcal{E}}$	ર્
अपामिदं	Ę	१०६	ર	अपे ह्यारेरस्य	S	EC	8
श्रपामूर्ज थोजसे	ફે ફે	ક્ષેત્ર	3	जपैतेना रा त्ली	1	· 8	9
: अपासृर्मिमंद्षिव	२०	₹घ	8	अपो दिन्या अचा	S	3.23	3
श्रपास् भिर्म द्विष	૨૦	ર્વહ	y	अयो दिव्या अवा	१०	¥.	
अपामह दिन्याना	१8	~	ક	अपो देवीदपहरे	१		34
अपाबुत्य गोर्ह प	१२	∘ ₹	રેઇ			8	
अपास्मस्यम .	१४		E.				१२
श्रपां तेजने ज्ये।ति		36	2		₹0		a .
श्रगां फेलेन तसुचे	२०	35	C S S S				(e) &
श्रवां सापान	4	35	En		dan)	506	ર) ર્•
अपां या अन्ने प्रतिमा	3 1	ક	ર	श्रपो बूत्रं विवर्ग	40	ଓଡ	9

श्रमत् ह	٠.	()	, 48:		ZA1	वास्य	9
	क्षीं० ह	Zo i	70	•	क्लं०	ন্ত্ৰ :	To.
अवजारत्वं तार्त	- con	E.	२६	असि द्युरनानि व	ই @	Ę	O
श्रप्रपाणा च वेसन्ता	२० १	₹≅	J.a	समि जगोपति	२०	93	ર્દ
श्रद्राणैति प्राचीन	- C 253	3	.8	अभि म गोपतिं	२०	२२	છ
अप्तरतः सवमादं	ও १	o& .	23	अभि व वः सुराध	20	तेर्	. ?
ग्रन्त्सःसधमादं	88	5	इड	अभि बेहि द्चि	병	३२	9
.अप्सु ते जन्म	હ	Z0	ર	अभि प्रेहि माप	ક્ષ	(Sec.	2
अध्युते राजन्वरु	`.9	ZZ.	3	ग्रमिभूर्यज्ञोसि	. 54	શકુ	१
अप्तु धृतस्य	२०	33	१	श्रभि वर्धतां पय	E	3 E	. २
अच्छ में सोमो	Q	Ę	2	अभिन् स सप्तना	8	રહ	2
श्रप्सु स्तीमासु	११	tina tina	રેઇ	ग्रमिवृष्टा श्रोप	88	ક	દ્
श ब्सन्तर	হ্	*	8	अभिश्यावं नक्	. २०	5,8	११
श्रप्यासीनमा	१०	E.	80	श्रमि हि सत्यसे।	२०	83	₹
सवीध्यसिः स	83	E.	ક્ષ્ક	अभीवतेन मिला	१	રક	Ę
श्रमयं चावापृथि	· E	80	8	अभीवतें। श्रमि	१	રક	ક
श्चभयं नः करत्य	કુ હ	54	ų.	ग्रभीवस्वः १ प	₹0	१२७	१०
श्रमयं मित्राद्म	ર્ઠ	24	ફ	असीवृता ंहर	१०	१०	88
श्रभयं भित्रावरणा	Ę	32	93(अभीशुनामेया		१३७	ેર
ચાલા લ: સ્વયત	23	22	٠,	अमीषुणःसंखी	. ર		
अभि कन्द् स्तन	ક	84	Ę	अमीहि मन्या	ય	*	
श्रमिकन्द्न् स्तन	· १३	Ų.	83	अभुत्युप्रे दंदया		र्धर	ş
स्रभि गोत्राणि	8,9	97	(3)	अभूतिरुपहिम	१३	¥.	şų
श्रमि तिष्टामि	E	ટર	203	अभृह्तःपहितो	. 81		હ્યુ
अभि तेऽघां	3	275	Ŧ,	श्रम्बकाका	१०		ર્પ
अभि तं निर्द्धिति	હ.	36	80	श्रभ्य १न्य देति	१३		8ક
अभि त्यं देवं	9	ર્કે ક	8	श्रभ्यंजनं सुर	\$	१२४	32
श्रमि त्या जरि	13	११	Haring Basin	ग्रस्यचंत सुप्रतिं	g	ंटर	?
श्राभि त्वा देवः		98	3	अभ्यावर्तस्व	११		२२
श्रभि त्वा पूर्वपीत	२०	33	. 🤻	अम्रातृब्दी वरु	१ध		६२
श्रभित्वा यसुद्रा	Q	Q O	8	अ आतृब्यो		११४	
् अभि त्वा वर्चसा	२०	왕신	. 2	अभिये दिख्य	ą		ક
श्रिभ त्वा वर्चसा	8	22		1	8		
श्रभित्वा चुपभा	् २०	द्य				११६	ર
श्रभित्वा शूर ने।	- २०	१२१		श्रमाजुत्यापा	હ		
श्राप्त त्वेन्द्रचरि	Ę	88	१	1	११		
श्रसि त्योगोधि	E inc.	ź	45	असावास्या च	<i>ช</i> ี คื	. ર	१४

•	কাঁ০	Ø.	Ho		Tie	स्र	IJ.
ग्रमाचारचेन	٩	30	8	अयामि घोष इन्द्र	२०	१२	ર
धमासिमात्रां	ई इद	2	34	स्रयाविष्ठाजनव	9	3	ş
अभित्रसेनां सब	ર	8	3	श्रवाहत्यं माय	**	28	ક્
ब्रमीयेग्नुध	É	१७	રૂ	अयुक्त सप्तश्	१३	२	२४
ग्रमीषां चित्तानि	Ę.	२	ų	अयुक्त अप्तशु	२०	ઇઉ	२१
श्रमुक्यावस्माह् हु	ર	१०	Ę	भ्रयुतोहमयुतो -	3,8	पृष्	\$
असुत्र भ्याद्धि	હ	ЛŹ	8	अयोजाता अ	28	६६	8
श्रमुत्रलक्षिह	१३	१	36	श्रयामुखाः सूची	११	१०	2
अमुत्रैनमागच्छ	8	3	१०	अवादं ष्ट्रोग्रचि	X	3	ર
श्रम् सश्वत्थ	6	6	3	अयं प्रावापृथुह	१२	2	१४
श्रम्नहेतिः पति	- 8	₹ 8	8	अयं जीवतुमा		₹.	ų
अस् येदिवि	3	৩	ં જ	अयं त इन्द्रसोमो	ξ,		ų
असूर्याडप	3	8	२	श्रयं तेश्रस्युप	ષ્ટ	३२	8
श्रमूर्या धन्ति	१	१७	8	अधंते कृत्यां	. १०	3	8
अमृ:पारेषुरा	. ?	२७	8	अयं तेये।नि		20	
श्रमोतं वासे।	8	¥	१०	अ यंद्भोविमन्यु	Ę	83	?
अमो दमस्मि	१४	ર	७१	अयंदेवाइहैवास्त्व	-	. १	१ट
श्रस्ययो यस्य	१	8	3	श्रयंदेवानामसुरो		१०	
अ स्भोत्रमोमहः	१३	ક	Go	श्रयंनी नगस्पती	*	38	8
श्रमोधर्ष	१३	૪	पृष्	श्र यं पन्थाः कृ त्ये	१०	3	१पू
अविद्योदतव	१२	ą.	3.9	श्रयं पिपानः	8	8	٠ <u>٠</u>
श्रयनमहाते धर्चा	२०	१२६	११	श्रयं प्रतिसरो	Ξ	وع	8
श्रयमद्भिः सत्पति	٩	६२	?	श्रयंमिखःसपत्न	=	ų,	ંર
अ यमग्निरम्बह द्	ą	Ĩ.	२०	अयंमिणिर्वरणो	१०	ą	3
अयमग्निद्धपत्त्व च	Ą	ão.	११	श्रमं मेव रण	₹•	3	११
श्रयमस्तु धनपतिः	8	२२	र	अयंमे वर्गा।	१०	ą	, ,
अयमायात्यर्यमा	દ	६०	१	श्रमं में हस्ते।	8	१३	É
अयमि हेपति	T	y	१६	अयं ये। अभिशोच	,	20	r B
अयमिन्द्र नृपा	२०	१२६	१८	अयंषे।भूरिमृतः	ફ	8ફ	ર ૨
अयमु ते समतसि	२०	84	ঽ	अयं या वको	Ś	પુદ્	8
भयसुत्स विचर्ष	२०	¥	ę	अयं ये। विश्वान्	ų		3
शयमें मि विश्वाक	₹0	१२६	१8	अयंलोक:प्रिवत	ų.	30	१७
अ यमीदुम्बरो	89	₹१	રહ	अयंताको जालं	- 6	~ T	۷,
अयस्मये हुपहे	É	43	3	अयं रज्ञास्तर्पयता	દ્	१३%	. १
अवस्थाये हुएये	_	, E.A.	8	श्रवं बहने गर्भ	23	7 -7 -	\$ 8

	कio	सु॰	म०		₹io	सु०	Ac
अयं वा ड अग्निर्व	- १५	१०	ی	अर्यमणं यजामहे	१४	₹	१७
अयं वां घमीं अ	२०	१३६	ક્ષ	अर्थमाणं वृह	33	२०	9
श्रयं विष्कन्धं	ঽ	ક	રૂ	अर्वागन्य इते।	१ १	Q	११
श्चयं सदेवो अप्	१३	3	શ્યુ	श्चर्यागन्यः परा	११	Y.	80
भ्रयं सशिङ्के	3	१०	و	अवांङेहि से।म	२०	22	₹
भयं सहस्रमानो	ی :	२२	8	ब र्वाङ् परस्तात्	१३	ર	३ १
श्रयं सहस्रमृषि	२०	१०४	૨	श्रवींचीनं सुते	२०	38	ર
श्रयं स्तुवान	. ৪	=	ર	श्रवीञ्चमिन्द्रममु	y	ર	38
अयं साको मणि	=	¥	8	श्रविद्यं त्वा सुखे	२०	२३	3
श्चरदुपरम	ર ં	१३१	र्य	श्रवीवता न आग	२०	\$	=
श्ररसस्त इषो	ક	હ	દ્	श्चर्वावते। नआग	૨૦	२०	성
अरसस्य शकोंट	S	પૃદ્	وم	अर्वावतोन्श्राग	२०	तै ७	9
अरसास इहाह	१०	8.	3	श्रतसातासि	. દ્	१६	성
श्ररसंक्रत्रिमं ना	38	રુક	3	अलाबुकं निखा	२०	१३२	5
श्ररसं प्राच्यं	ક	9	ચ	श्रलावृति पृषा	२०	8 317	• ₹
श्ररातीयोर्भ्रातृ	१०	ફ	१	ञ्चलिक्कवा	११	8	3
अरात्यास्त्वा	१०	3	O	श्रहगग्रह्स-हन्मि	2	38	₹
अरायज्ञयण्म	ર	१८	રૂ	ध्यवकत्तिणं वृषभं	२०.	=y	₹
अरायमसुक्वा	ર	२५	3	अचकादानभिशो	8	३७	१०
श्ररायान्व्रमो	११	દ્દ	१६	अवकोल्वा उदका	_ =	9	8
श्ररिमा श्रापो श्र	१०	ų	રહ	अव जहि यातुचा	ų	१४	2
ग्रारिवा ग्रापो ग्र	१६	१	१०	श्रव ज्यामिव	E	કર	8
अ रिष्टोहमरिष्ट	१०	3	१०	श्रव दिवस्तारय	9	१०७	. 8
श्रहस्राणमिदं	ેર	174	y.	अव द्रप्ता अंशुम	30	१३७	0
धारंकामाय हर	े २०	32	२	श्चवघीतकामा ,	8	२	११
अरंगरा वावदी	२०	१३५	१३	श्रवं पद्यन्तामे	22	- See	20
श्ररंघुपोनिम	१०	ક	ક	अव वाघे द्विष	ક	34	9
श्चर्वत प्रार्चत	হ0	કર	Ä	श्रव मन्युखायता	E	દ્વપુ	8
श्रर्वामि वां	86	. 8	३१	अव मा पाप्मन्तस्		रद	. 5
अर्जु [°] नि पुनर्वो	. ২		9	अवर्तिरश्यमाना	१२	4	30
श्रर्धमर्घेन	ų	१	8	अवश्ला	દ	81	3
यर्थमासाश्च	११	9	२०	श्चवश्वेतपद्गज	१०	8	3
अबु दिर्नामये।	88		ક	अव श्लवणिमव	२०	१३३	E
ऋबुंदिश्च त्रिपं	११	8	२३	अव स्ज पुनरस	१=	₹	१०
श्वमं के। न कुमार	₹०	83	१२,	भव सृष्टा परा	3	88	es.

		Series and the Control of the Contro	ninger regulation of the second	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	\$		garanteen en
	জা০	सु०	स०		কাঁত	स्	Ho
अब स्प ग्रूराध्वनी	50	60	ঽ	श्राश्वत्था देव	T.	8	35
श्र वस्वरातिगर्ग	₹0	82	Ę	श्राश्वत्थे। देवसद्	\$ 43	* §A	. 8
ग्रवाचीनानव ज	१३	8	३०	अश्वत्था देवसद्	88	36	\$
श्चवायन्तां पद्मि	११	१०	E	अश्वस्य यारी	₹.	१२८	Ęĸ
श्रवास् तुमेनमस्य	१२	ų	Añ	अ श्वस्याश्वतरस्य	8	8	E
श्रविवेनाम	१०	Alexander of the second	32	अश्वस्यास्नः ः	A	4	8
अविः कृष्णा भाग	१ २	ঽ	५३	अश्वायन्ता गह्य	20	38	¥
षावीरामिच माम	२०	१२६	3	ग्रश्वावति	२०	२५	8
भवैतेनाराहसी	y	Ę	٠ ٤	श्रश्वावतीर्गोमती	Ą	१६	O
श्रवेरहत्यायेदमा	E	3.5	3	श्चावतीं प्रतर	१=	૨	38
अवे। द्वाभ्यां पर	२०	8.8	8	श्रश्वाः कगा	११	3	A
अवःपरेण पर	3	3	१७	अश्विना त्वामे	3	ં જ	8
अवःपरेण पर	१३	१	88	श्रश्विना बहाचा	q	२६	१्२
स्रवःपरेण पितरं	8	3	१द	अश्वना सारवेण	*	8,8	ş
ध हपचसर्च	3.8	23	१	अधिवना सारघेण	8	8	28
अशिता लोका	१२	ų	3=	अवाड्हमुत्रं पू	२०	82	88
द्यशितावत्य	8	६(३)	Ton Ton	अप्र जाता भृता	-	8	२१
अशीति भिस्ति	ર	ફર	ક	श्रष्टचमेऽशीति	tą	१५	7
अश्नापिनम् मधु	રુ ૦	१६	. 222	अष्धा युक्तो वह	१३	જ્	38
भ्र श्मन्वतीरीयते	१२	२	२६	ग्रष्टचेंभ्यः स्वाहा	85	.२३	ų
अश्मवर्भ मेऽसि	¥	१०	Ş	अष्टोचका नवद्वारा	१०	२	\$ 8
श्रश्मवर्ममे ऽसि	ų	80	२	श्रप्राचक वर्तत	११	8	२२
अश्मवर्म मेऽसि	y	१०	35	श्रष्टादशर्चे भ्यः	38	રરૂ	१५
अश्मवर्म मेऽसि	¥	१०	8	श्रष्टापद्येचतुरस्री	ų	88	₹ ५ .७
अश्मवर्म मेऽसि	ď	१०	ų	श्रष्टाविंशानि शि	₹ €	4	२
ग्रश्मवर्ममे ऽसि	y	१०	. &	श्रप्टेन्ड्स्य	. E	8.	२३
अश्मवर्म मेऽसि	ď	१०	9	श्रसच्छाखां प्रति	१०	. 9	. २१
अश्रमिद्यमर्य	હ્	80	्२	श्रसति सत्प्रति	१ ७	*	<i>ई ह</i>
अश्रान्तस्य त्वा .	3.5	રપૂ	٠ ٧	श्रसद्ग् गाव	9	8 &	१
अभूणि क्रपमाण	ų	38	१३	असद्भाः	8	38	8
अश्रेष्माग्रो	3	3	ું સ્	असन्मंत्राष्ट्	8	8	ફ
भश्लीलातन्भे	१४	8	ર ૭	भसपत ने।	~	y.	१ऽ
भ्रश्व इव रजे।	१२ ~	2	y o	असपकः पुरस्ता	8.8	₹ €	*
अश्वतथ खदिरो	२०	१३१	. 58	असपसं पुरस्ता	3.9	२७	્ર કુજ
अवन्थो दभी		9	२०	असर्ववीरवचरतु	ε.	2	१्र
		-				•	. · ·

	ক্ষাত	र्ख	म०		कां	स्र	Ħo
श्रसितस्य ते	१	શ્ક્ર	ક્ર	अस्मा इंडु प्रभरा	૨૦	ЗЛ	१२
असितस्य तैमात	· ų	१३	. &	श्रस्मा इंदु प्रय	२०	રૂ બ	2
श्रसितं ते प्रतय	१	રફ	ą	अस्माइडु सप्तिमि	२०	३५	y
असि हि चीर	ર ૦	पृ६	2	अस्मा इदु स्तो मं	२०	34	છ
श्रसुन्व। सिन्द्र	२०	39	ų	अस्मा किमन्द्रः	88	१३	११
श्रह्णराखां दुहिता	ક	१००	73	श्रस्मान्तसु तत्र	२०	७१	१२
श्रमुरास्त्वान्यख	8	808	3	श्रस्मित्रिन्द्रो	Z	Cq.	२१
श्रस्तिका रामाय	8	63	ર	श्रस्मिन्मग्रावेक	38	४६	¥
अख्यमिन्द्र ते	२०	હશ્	१०	अस्मिन्वयं संक	38	्र	१३
श्रसी में स्मरता	É	130	ર	श्रस्मिन्वसु	\{	3	१
असी या सेना	3	ર	દ્	श्रसमे घेहि श्रवो	२०	ও	१४
असी यो अधराद्	સ્	18	. રૂ	ग्रस्मै चत्रमग्नीषो	દ્	તૈક	3
असी हा रहते	Śĸ	ક	६६	ग्रस्मै सत्राणि	9	OT.	, 3
घसंबा गन्धेन	१२	y	રેઇ ્	अस्मै ग्रामाय	६	80	२
षसंतापे सुतपसी	8	३६	3	अस्मै द्यावापृथि	8	२२	જ
मसंतापं में हद्व	१६	્રે	8	श्रस्मै भीमाय नम	२०	१५	3
शखंवाधं बध्यतो	१२	ş	ે ર	श्रस्मे मणिं वर्म	En ·	¥	१०
असंबाधे पृथि	१ दा	२	२०	असमें स्रयोश्रधि		2	æ
श्रस्तंयते नमे।	र्⊛	₹	२३	अस्य देवाः	१	a	2
स्राचि मन्म पू	२०	388	१	श्रस्य पीत्वा शत	२०	६स	
अस्तेव 😮 प्रतरं	२०	ટડ	R	सस्य वामस्य	8	. 8	Ą
शका नीलशिख	११	₹	ં	अस्येदिन्द्रो	२०	83	3
ग्रस्थाद् चौरस्थात्.	8	ક્રક	٠ ١	श्रस्येदु त्वेषसा	. ၃၀	34	११
श्रखद्दीरस्थात्	8	60	3	अस्येदुप्रबृह्	२०	3ª	१३
अस्थि इत्वा समि	88	C	38	व्यस्पेद्ध भिया	20	રૂપ	१४
ब्रस्थिजस्य	· §	२३	8	श्रस्येदु मातुः	२०	સ્પૃ	(9
श्चस्थिभ्यस्ते	ર	\$3	8	श्रस्येदेव प्ररिरि	२०	34	å
ग्रस्थिभ्यस्ते	રં	ક્ક	२२	ग्रस्येदेव शबसा	२०	34	१०
ग्रह्थिसं परः	Ş	१४	१	ग्रस्येन्द्र कुमारस्य	y	२३	२
ग्रस्थीन्यस्यपीड	१२	y	90	झस्येदेवताबा उद्	१५	१३	१३
ग्रस्मा इतुःना	-20	34	7	अस्नामस् त्वा	१	३१	3
शस्मा रहुत्यदन्त	₹.	34	وم	ग्रस्वगता परि	१२	ધ્યૃ	80
श्रस्मा इतु त्यसुपमं	२०	રૂપ્	३	ग्रहन्नहिं	२	ų	Ę
अस्मा इड्ड त्वष्टा	20	34	દ	अहमास्मि सहमान	१२	8	สัล
अस्मा ब्हु प्रतक्ते	20	£4	१	श्रहमस्मि सहमाना	35	82	¥

	कांo	सृ०	Пo		कांo	Яo	Ħo
श्रहमिद्धि पितु	૨૦	ક્ ર યુ	۶	श्रहं गुभ्णामि	દ	દુષ્ઠ	?
अहमेनाबुदतिष्ठि	9	84	ર	ग्रहं जजान पृथि	६	६१	3
श्रहमेव वात इव	૪	३०	=	श्रहं पचाम्यहं	१२	3	ઇ૭
श्रहमेव स्वयमिद्	ષ્ઠ	३०	ą	श्रहं पश्रनामधिपा	38	३१	É
श्रहमेवास्यमावा	9	30	ર '	श्रहं प्रत्नेन मन्म	२०	११५	२
श्रहलकुश्व त्तीक	२०	१३१	દ્	श्रहं राष्ट्री संगम	8	३०	ર
अहश्च रात्री च	કુ લ્	ં ર	२०	ग्रहं रुद्राय धनुरा	8	30	y
अहा अरातिमवि	. २	१०	9	अहं रुद्रे भिर्वसु	૪	३०	8
ग्रहीनां सर्वेषां	१०	ઇ	२०	श्रहं वदामिनेत्त्वं	9	3 =	8
अहोरात्रा स्यां	દ્દ	१२=	77	श्रद्दे विवेच	હ	६१	ર
अहोरात्रे,श्रन्वेपि	१२	२	88	श्रहं वि प्यामि म	१४	8	40
श्रहोरात्रे इदं	११	દ્	ų	श्रहंसुवे पितर	ક	३०	9
श्रहोरात्रे नासि	१५	ξŒ	ક	श्रहं से।ममाहनसं	ક	३०	E
श्रहोरात्रैर्विमितं	१३	ર	T	श्रह्नेच त्वा	- 64	ş	२०
अहं गुभ्णामि	3	24	ફ	श्रहा प्रत्यङ्	१५	१८	ų

					um to a term to see the		eskinten
श्राकृतिं देवीं	28	8	3	श्राचार्यो सृत्युर्वेष	१११	. Cq	१४
आकृत्या नो वृहस्प	8	300	= 2	श्राच्छद्विधानेर्गु	१४	8	y
आकृत्या ने। बृहस्य	38	ક	3	अ ःच्याजानुद्	१्ट	3	पुर
श्राक्तन्त्य धनपते	२	३६	દ્ધ	श्राजनाय दुह्वणे	२०	રેલ્	6
श्राक्रन्द्य बलमो	દ્	१२६	२	श्राजामि त्वा	3	<u> </u>	نو
श्राद्वैकं मणिमे	3.8	ક્ષપ્	Ų	श्राजुह्वान ईड्यो	y	१२	3
श्रागच्छत श्राग	દ્	. 62	ર	ब्राज्यस्य परमेष्ठि	8.	9	3
द्यागन् रात्री	9	ક્રેશ	32	श्राज्यं विभर्ति	8	8	9
श्रागा दु दगाद्यं	२	8	ર	ं ग्राञ्जनस्य मदुघ	8	१०२	3
आ गावो अगमञ्ज	ક	२१	8	्त्राञ्जनं पृथि .	28	88	3
शागृह्णीतं सं	११	3	११	श्राग्डेव भित्त्वा	२०	१६	E
आ घ त्वावान्	२० ,	१२२	ેર	श्रातन्वाना	*	६६	२
श्राव।गमद्यदि	२०	२६	2	आतिष्ठन्तं परि	8	6	3
श्राघा ता गच्छा	86	Ś	११	श्रा त्न इन्द्रमद्य	२०	રરૂ	8
ब्रा ङ्गिरसानामा	38	२२	8	या तू सुशिष	२०	53	१३
श्राचार्य उपनय	११	ં પ્	3	श्रा ते ददे वत्तगा 🐇	S	११ध	8
श्राचोर्यस्ततत्त	. ११	y	Œ	आ तेन यतु सचिता	?	38	G
आचार्यी अहाचा	88	¥,	१६	का ते प्राणं छुचाम	9	84	2
			,				

COLPANIES CONTROL OF COLUMN C							
	কাত	सू०	Ho		कां०	स्र०	Ho
श्रा ते योनि गर्भ	3	२३	२	श्राद्तिपश्याम्यु	\$	ર્ કે	Ę
आ ते राष्ट्रमिह	१३	१	१५	श्रादित्या रुद्रा वस	११	Ex	83
श्रा ते सिञ्चामि	२०	8	2	श्रादित्या रुद्रा वस	२०	१३५	3
आ ते स्तोत्रा	c,	११	3	श्रादिला रदा वस	3.9	58	ક
आ तौ दिनौ	9	E (4.	ą	श्रादित्या ह जरि	२०	१३५	હ
श्चात्मन्वत्युर्वरा	१ध	२	१४	श्राद्त्येभ्यो	१२	े ३	ક્ષક
श्चात्मानं पितरं	3	¥	30	ञ्चदि त्यैरिन्द्रःस	२०	६३	ર
श्रा त्वागन् राष्ट्रं	3	ક	१	ब्रादित्येरिन् <u>द्रः</u> स	२०	१२४	ų
श्रा त्वागमंशं	ક	१३	·ų	श्राद्तिवं प्रति	(9	१०=	8
श्रा त्याग्न इधीम	१्ट	ક	EE	आ देवानामपि	१६	38	રૂ
श्रा त्वा चृतत्व	eq	२८	१२	श्रा देवेषु इश्चते	१५	१२	१०
भा त्वा ब्रह्मयुजा	२०	ર	3	आधीपर्णा	ર	સ્પુ	२
आ त्वा ब्रह्मयुजा	२०	3=	ર	आनन्दा मोदाः प्र	११	9	२६
श्चा त्वा ब्रह्मयुजा	२०	୧୭	9000 6000	श्रानन्दा मोदाः	११	4	રક
आ त्वाखरोह	१३	. १	१५	श्रानयैतमा	3	્ષ	8
श्रात्वा विशन्तु	ર	1	ક	श्रानूनमहिवना	२०	१३६	8
श्रात्वा विशन्त्वा	२०	83	, ¥	आनूनमश्चिनो	२०	१४०	
श्रात्वा हर्यन्तं	२०	३२	२	श्रानृनं यातमश्वि	२०		ध
श्रा त्वाहार्षमन्तर	ે દ્વ	୯ଓ	१	आनूनं रघुवर्तनि	२०	-	3
आ त्वेता निषीद	२०	६=	११	श्चात्नृयतःशिख	ક	३६	9
श्रा थर्वजानां	38	२३	१	आ नो छम्ने सुम	?	-	₹
श्राथर्वणीरांगि	११	8	१६	श्रानोभरमापरि	Ä	9	₹.
आदङ्गा कुविद ङ्गा	ঽ	ą	२	आ नो यशंभारती	ų		ć
आदक्षिरा प्रथमं	२०	२५	ક	श्रा नो यातंदिवो		885	ų.
भा इत्सॅजिनतां	१२	8	पृह	श्रानो याहि सु	२०	,	8
श्राददानमांगिर	१२	3	પુર	त्रा नो विश्वासु	२०	~	3
श्रा द्धामि ते	2	83	, Com	आन्त्राणि जत्रवो	११		१०
श्राद्लाबुकमेक	२०	१३२	१	श्रान्त्रे भ्यस्ते	२०	-	२०
आदह स्वधामनु	२०	೪೦	ર	आन्त्रभ्यस्तेगुदा	ર		
ब्राद्ह खधामनु	२०	ફ્ટ	१२	3	દ		
आ दानेन संदाने	હ	१०४	१		* \$		
श्राद्धाय जीतं	१२	.4	y o			• 7,	
ग्रादित्ते अस्य	20	<u>ey</u>	ર	भा प्राथ महिना			
श्राद्सा चत्तुरा	وم	२ १	१०				
आदित्य नावमा	१७	१	સ્પૂ	आपश्चित्विष्यु	२०	१२	S
and the second of the second		•					×

OCHER, TANNE PROGRAM TANKS AND VALUE OF THE PROGRAM THE PROGRAM OF		Company of Party	M. T. MARKETON CONTRACT
	কio	सु०	Ho.
आ पश्यति प्रति	ક	२०	\$
म्रा पस्पुत्रालो	१२	3	ક
श्रापृक्षे श्रस्य	२०	7100 634	R
ञ्चापो असि म	{ =	. ୪	80
श्रापो अमे विश्व	ક	ર	ું જ્
श्रापो अमं दिव्या	700	৽৩	3
श्रापो अस्मान्मा	દ	'પૂર્	२
श्रापो न देवीकप	२०	२५	ર્
श्रापो न सिन्धुम	२०	१७	9
श्रापो निषिश्चन	ક્ષ	રે	१५
आयो भद्रा वृत	R	१३	eq
आपो मौषधी	8,8	१७	દ
श्रापो यहस्तप	२	२३	8
आपो यहस्तेज	ર	२३	y
आपो यद्घोऽर्चि	ેર	२३	R
श्रापो यद्वो हरस्ते	-2	२३	્ર
आपो यदः शोचि	ર	द३	૪
श्रापो वत्सं जनय	ક	२	700
श्रापो विद्युद्धं	8	શ્ પુ	3
आपो हिष्ठा मयो	8	Ų	8
श्रापः पृणीत भेषजं	. 8	ફ	3
श्रापप्रेतीमं लोक	3	६(६)	१३
आ प्र च्यवेथा	₹=	ું ક	ક્ષ
आ प्रत्यक्षं दाशुषे	O	80	3
आ प्र द्रव परमस्या	3	8	· y
श्राप्रवायन्मधुन	२०	१६	ક
आवयो अनावयो	६	१६	१
श्राभ्रया सहजा	ક	38	દ્
आमलको मल	२०	१३०	- &
या मध्वो सस्मा	२०	इथ	9
श्रामन्द्रैरिन्द्र	O	११७	8
थ्यामा पुष्टेच 🛝	33	१०	9
या मारुवत् पर्ण	1833	A	A
आ माउत्तद्वेव	(grap	ů.	२०
आमिमोनिति	२०	१३१	8

कio सू० Ho आ मे धनं सरस 98 38 १० आमे महच्हतभि 38 9 ų आ में सुपके y 38. É श्रायत्पतन्त्येन्य 53 20 9 श्रायदूदुवः शत २० १२२ Ę श्रायनंते परायगे इ १०६ Ą श्रायन्ति दिवः १२ ર્ इंह श्रायमगन्त्संवत्**सरः** 3 १० Sunt. **आयमगन्त्सविता** ६८ १ श्रायमगन्पर्ण 3 y Ş श्रायमगन्युवा QY. १० 8 श्रा ययाम सं ã 3 3 **धायवनेनते**जनी २० १३१ Treat Early श्रायात पितरः ६२ 22 श्रायतु मित्र Ą 8 Parts Barts श्रायात्विन्द्र 83 Ş २० श्रायादि छुपुमा १ 3 २० श्रायाहि सुधुमा . 8 20 3 == श्रायाहि सुपुमा 80 आयुरस्मे घेहि ું સ્ २६ 3 **या**युर€यायुर्मे 2 813 8 आयुद्दं પુર 33 आयुद्धि अय 2 १३ Z आयुर्यत्ते अति पू३ 9 1 **बायुर्घि १घायुः** 28 Z цų श्रायुध रूपं च १२ ų 4 श्रायुषायु**ष्**रुतां 88 .२७ Z, आयुषे रवा वर्चसे 38 38 3 आयुषोऽसि पत 8 38 ક્ષ आयुष्मतामायु 32 3 990 आयूथेव जुमात \$ 22 33 २३ आया धर्माण 3 Ų 2 आयं गौः पृश्निर 38 ξ श्रायं गौः पृक्षिर 20 8 4 8 आयं विशन्ती 2 2

आरमस्य जातव				-
	কাঁ০	The Control of the Co	म०	
श्रा रभस जातवे	₹		E	4
आ रमख जातवे	१८	13	७१	
शा रमस्वेमा	. 6	7	হ্ -	٠
श्चाराच्छत्रुमप वा	२०	33	Ö	.,
आ रात्रि पार्थिवं	3.8	ઇક	१	
श्चाराद्रा तिं	E	२	१२	
आरे अमृद्धिपमः	१०	&	२६	
श्रारेश्लावस्मद्स्तु	8	२६	१	
आ रोदसी हर्य	२०	३२	१	
श्रारोह चर्मोप	१४	ર	રક	-
आरोहत जनित्री	१८	8	. 8	-
आरोहत दिव	१८	3	દ્ધ	
श्रारोह तल्पं	१४	ર	३१	-
ब्रारो हतायुर्जर	१२	२	રષ્ઠ	-
श्रारोह न्छुको	१३	2	४२	-
आरोहन्द्याम मृ	१३	\$	४३	-
ब्रा रोहोरुमुप	१४	ર	38	Contract of the last of the last
आर्तिरवर्ति	१०	ঽ	•१०	
आर्पेयेषु निद्धे	88	१	३३	
श्रातापाश्च.	११	gues, Tuess	સ્પૃ	
श्रालिगां च	¥.	१३	9	
श्रावित्त देवाँ इह	२०	ए इ	4	
श्रावतस्त श्रावतः	ų	३०	ર્	
आ वात वाहि भपः	નં ૪	१३	73	•
श्रावामगन्तसु म	१४	ર	¥	
श्रावां प्रजां जनय	१४	?	૪૦	
आविरात्मानं	१२	ક	३०	
श्राविष्कुगुष्व क	ક	२०	ď	
श्राविष्टिताघवि	Ų	१स	. 3	
आविः कृष्णा	१२	२	२	
श्राघिः सनिहितं	50		E	
श्रा वीरामिव	२०	8	१२६	

६ १०१

आ वृपायस्व

1 (2) 1 (2) ক্ষতি सु० Ho मा वो वहाँ त ₹ં. 20 १३ **28. 38** आश्ररीकं विश्ररी १० ग्राशसमें विश 8 36 88 3 ३१ - श्राशीनामाशा १५ आशामाशां श्रांशासानासौ म 88 ξ. કર श्राशिषश्च प्रशि ११ 6 29 आशीर्ण ऊंज **ર**ું 3 ર श्राग्रः शिशानी १३ 33 ब्राभ्रुग्वन्तं यवं ६ १४२ Ş श्राप्टेलाइ गि 8 8 38 20 श्रासत्यो यातुम 99 20 श्रासीनासी अरु 83 श्रासुरी चके 28 त्रा सुष्ययन्ती १२ 30 ब्रासुस्रसः सुस्रसो Epole 1 80 श्रासो बलासो श्रासंयतिमन्द्र 36 १० 20 25 99 6 **आ**स्तेयीश्चवा आस्नस्ते गाथा 20 80 आस्यै ब्राह्मणाः १ . ३६ १८ ग्रा हरयः ससृज्ञि २२ y २० श्रा हरयः सस्त्रि 3 83 ब्रा हरामि गर्वा y 2 ₹६ ब्राह्वनीयस्य च १५ 817 **ब्राहा**र्पमिवदं 20 श्राहार्पमचिदं त्वा 33 २० श्राहुतास्यभिहुत દ શ્રેફર आहुत्याना १५ १४ श्राइं खिदामि ते ६ १०२ श्राहं तने।मि ते श्राहं तने।िम ते € 808 ब्राहं पितृन्त्सु

Q

				The control of the co		-	Addition of the last of the la
A TO A CAST OF CAST CAST CAST CAST CAST CAST CAST CAST	কাত	सू०	Ho		कां०	सु०	Ho
इच्छन्ति देवाः	२०	१=	3	इदं तद्युज उत्तर	3	118	१
इच्छुन्नश्व स्य	२०	८१	२	इदं तद्र्यं। यदवस्त	१४	. 8	YE,
इटस्य ते वि	3	ર	१=	इदं तमीत सृजामि	१६	8	ક
इडया जुहतो	3	१०	११	इदं तृतीयं सवनं	६	ઇ૭	ર
इडायास्प र्द	જ્ઞ	१०	É	इदं ते हब्यं घृतव	g	€=	2
४डैवास्माँ श्रनु	9	२७	२७	इदं देवाः श्रुणुत	२	१२	२
इत ऊती वो अजरं	२०	801	ંરૂ	इदं पितृभ्यः प्र	१स	8	48
इत पत उदारहन्	. १८	१	इ१	इदं पितृभ्यो नमा	१=	8	धह
इतर्च मामुतर्चा	१द	3	3 =	इदं पूर्वमपरं	१=	8	કક
इतश्च यद्मुतश्च	र्	२०	ર	इदं पैद्धो अजायते	१०	ક્ર	9
इतिहासस्य च ये	१५	Ę	१२	इदं घापमुत्तमं	१२	Ę	84
हतो जयेतो वि जय	Z	-	રક	इदं महां मदृरिति	२०	१३१	१०
इतो वा सातिमीमहे	२०	ଓଡ଼	É	इदं में ज्ये।तिरमृतं	११	१	२⊏
इत्थं श्रेया मन्यमा	C	3	२२	इदं यत्कुच्ला	ও	ફક્ષ	ę
इदमकर्म नमो	२०	१६	१२	इदं यत्कृष्णः शु	9	દ્દસ	ર
इद्महमामुष्याय	१६	9	(joe)	इदं यत्परमेष्टिनं	38	3	8
इदमहं रुशनतं	१४	8	3=	इदं यत्र्रेणयः	۶	3=	Ą
इद्माज्यं घृत	8	२	. 25	इदं व आपो हद्य	•3	१३	9
इदमादानमकरं	ફ	१०४	२	रदं वर्ची अग्निना	3.8	₹ ७	۶
इद्माप प्रवहता	9	35	ą	इदं विद्वानाञ्जन	8	3	9
इद्मिद्मेवास्य	3	ų	રક	इदं विष्कन्धं	Ą	१६	ą
इद्मिद्धा उ भेषज्	દ	0,0	. 8	इदं विष्णुर्विचकमे	Ġ	'રફ	ક
इद्मिद्धा उ नापरं	१=	ş	40	इदं सदो रोहिणी	१३	۶	રરૂ
इदिमहा उ नापरं	\$ E	ર	์ นิ่ง	इदं सचितर्विजा	१०	tons fort	4
इदमिन्द्र शृशुहि	ર	१२	ą	इदं सु मे नरः	ર્ક	૨	3
इदमुत्राय वस्रवे	9	308	१	इदं इवियातुषाना	ş	=	8
इदमुछे, याऽवसा	3,8	१४	१	इदं हिरएयं	રે	३६	(S)
इदा वत्सराय	8	ųų	3	इदं हिरएयं	१≖	સ	પુર્
इदं कसाम्बुचव	१८	્ક	30	इध्मेन त्वाजातवे	१६	દ્દેશ	
इदं खनामि भेष	9	32	१	इच्मेनास इच्छुमा	્ર	24	સ્
इदंजना उपश्रुत	२०	१२७		इन्दुरिन्द्राय	20	१३७	-
इदं जनासा विद	Ŗ	३२	8	इन्द्र आशाभ्यस्प	२०	20	9
इदं त एकं पर	१ ह्य		9	इन्द्र आशास्य	30	y's	
ing the second s				- 11 K - 1 H - 4N A - 1 A	* . W. so.	**	, १०

AND THE PROPERTY OF THE PROPER			WINNESSEE SECRETARY	CTI THE RESERVE THE PROPERTY OF THE PROPERTY O	PRODUCTION OF THE PROPERTY OF	NORTH CHARLES AND A STREET	establement annua
*	erio.	स्०	Ho	·	o jo	सू०	म०
इन्द्र इद्धर्याः	२०	₹€	ų	इन्द्रवायू उभावि	3	२०	8
इन्द्र इद्धयोः सचा	20	છુક	ધ	इन्द्रवकार प्र	દ્	EU	13
रन्द्र इड्याः सचा	२०	90		इन्द्रश्च मृतयाति	२०	२०	દ્
इन्द्र उक्धामदान्	ų	२६	ঽ	इन्द्रश्च मृलयाति	120	ণূত	`&
इन्द्र एतमदीधरदु	ક્	29	રૂ	इन्द्रश्च सामं	२०	१३	8
रन्द्र पतां सस्जे	२	्रह	9	इन्द्र सेनां मे।हयामि	त्रा ३	2	ď
इन्द्र पर्वा नेता	३१	१३	3	इन्द्र सेामाः सुता	२०	Ę	ક
इन्द्र श्रोपधी	२०	११	१०	इन्द्र से।माःसुना	२०	ર⊌∘	ų
रन्द्र कतुं न आ भर	₹ =	3	ક્.૭	इन्द्रस्तुजो बहुण	२०	88	A
इन्द्र कतुंन आ भर	२०	30	१	इन्द्रस्तुराषाड्	२	Ä	3
इन्द्र ऋतुविदं सुतं	₹0	દ્	ঽ	इन्द्रस्रातीत वृत्र	3.8	१५	3
इ न्द्र ऋतुविद्ं सुतं	ঽ৹	Ġ	ક	इन्द्रस्थातर्हरी	२०	ह्र	ų
इन्द्र चत्रमभि	૭	28	२	इन्द्रस्य कुद्तिरसि	. 9	१११	8
इन्द्र चित्तानि	3	2	ૠ	इन्द्रस्य गृहोसि	Ą	8	8 8
इन्द्र जठरं नव्यो	. 5	y	२	इन्द्रस्य त्वा वर्म	१८	86	ક
इन्द्र जहि पुनांसं	=	8	રૃષ્ઠ	इन्द्रस्य नाम गृह	88	34	₹.
इन्द्र जीव सूर्य जीव	38	90	?	इन्द्रस्य नु प्रा	?	Ų	¥
इन्द्र जुपस्य प्र	ર	ų	Ą	इन्द्रस्य प्रथमा	१०	8	8
इन्द्र ज्येष्ठं न आ	२०	50	. 🤋	इन्द्रस्य बाह्	१६	१३	2
इन्द्र त्रिधातु शरणं	२०	=३	Ę	इन्द्रस्य भागस्थ	१०	Ã	Span Span
इन्द्रत्वा वृषमं वयं	२०	Ę	१	इन्द्रस्य मन्महे	ક	રક	8
इन्द्र त्वा वृषभं वय	र २०	. 8	8	इन्द्रस्य या मही	ર્	38	8
इन्द्र त्वोतास आ	२०	90	१६	इन्द्रय व इन्द्रिये	१६	8	٤
इन्द्रन्ते महत्वन्त	१६	38	700	इन्द्रस्य वचसा	. &	ΞŲ	ે ર
इन्द्र पुत्रे से।म	3	१०	१२	हन्द्रस्य वक्थम	¥	E	१ध
इन्द्र प्र गो धिता	२०	É	3	इन्द्रस्य बुष्णो वरु	१8	१३	. १०
इन्द्र प्रेहि पुरस्त्वं	20	ų	Ą	इन्द्रस्य वर्मासि	¥	8	१३
इन्द्रमहं विणिजं	ર	१५	ે ફ	इन्द्रस्य शम्मांसि	·¥	દ્દ	१२
इन्द्रमित्केशिना	२०	રક	ર	इन्द्रस्यीज स्थेन्द्र	१०	¥	१
इन्द्र मित्था	२०	રક	₹	इन्द्रस्योज•	१०	¥	2
इन्द्रमिद् गाथिना	20	Ę	ષ્ઠ	इन्द्रस्योज॰	१०	ų	
इन्द्रमिद् गाथिनो	२०	કહ	છ	-		_	35
इन्द्रमिद् गाथिना	20	90	g	इन्द्रस्यौज०	80	¥	8
र न्द्रमिद्देवतातय	२०		ą	इन्द्रस्यीज•	१०	¥	. 4
हम्द्र वाजेषु ने।	૨૦	90	80	इन्द्रस्योज स्थेन्द्र	80	. y	8
Fedi all all	et ro	(J) (J	de Zur	Sath Later and Lough	1 00	* **	đ

			der in the state of the state of	Whitevers of a famous mention of an analytic interesting that a famous famous for a contract of an analysis of	ON MACHINE THE STATE OF STREET	***************************************	
	erio	स्०	Ho		কাঁত	स्०	Ho
इन्द्रस्पीजो मर्यता	હ્	१२५	3	इन्द्रेमं अतरं	E.	4	= 2
इन्द्रस्योजा वरु	3	છ	deres green	इन्द्रे लोका इन्द्रे	१०	Ġ	30
इन्द्राञ्ची काम	3	ર	ઢ	इन्द्रे हि मत्स्यन्ध	२०	७१	9
इन्द्रासी चाचापृ	१४	१	ภัጸ	इन्द्रो शङ्ग महद् भय	२०	૨૦	Ą
इन्द्राणी भसद्रा	3	9	Z	इन्द्रो अङ्ग महद्भय	२०	yo	(See
इन्द्राणी मासु	२०	१२६	११	इन्द्रो जघान	१०	ક્ષ	१८
इन्द्रादिन्द्रः स्रो	११	gen Gas	8	इन्द्रो जयाति	É	23	8
इन्द्राय गाव श्रा	२०	२२	ફ	इन्द्रो जातो मनु	ક્ષ	११	2
इन्द्राय गाव द्या	२०	६२	ą	र न्द्रोतिभिर्वहुता	9	35	१
इन्द्राय भागं परि	8	ų	ં ૨	इन्द्रो दधीचो अ	२०	८१	8
इन्द्राय मद्वने सुतं	२०	११०	१	इन्द्रो दिवोऽधिप	ų.	્રસ્ક	११
इन्द्राय साम	२०	દ્વ	ų	इन्द्रो दीर्घाय चक्तस	२०	3=	Ę
इन्द्राय साम	દ્	ર	₹	इन्द्रो दीर्घाय चत्तस	२०	8.0	E
इन्द्रा याहि चित्र	२०	ES	१	इन्द्रो दीर्घाय चत्तस	२०	90	8
इन्द्रा,याहि तूतुना	२०	८४	3	इन्द्रो बलं रिचता	20	88	É
इन्द्रा याहि धिया	२२	ES	ર	इन्द्रो ब्रह्मा ब्राह्म	२०	5	રૂ
इन्द्रा याहि मे	L	6	२	इन्द्रो मन्थतु	Gairen	Speig Speig	8
इन्द्रावरुणा सुत	9	4=	ર્	इन्द्रो मदाय	२०	પૃદ્	8
इन्द्रावरुणा मधु	ુ	45	२	इन्द्रो महा महतो	२०	१३	१२
इन्द्रासामा तपतं	Sur.	ક	8	इन्द्रो महा रोदसी	२०	११८	ક
इन्द्रासोमा दुष्क	. 2	ક	રૂ '	इन्द्रो मा मरुत्वा	१्द	3	સ્પૃ
इन्द्रासेगमा परि	6	8	8	इन्द्रों मा मरुत्वा	38	१७	6
इन्द्रासोमा वर्तय	Section 1	8	8	इन्द्रो मेन्द्रियेखा	28	84	9
इन्द्रासामा वर्तय	(inc)	8	ų	इन्द्रो मेहिम	१०	8	१६
इन्द्राक्षामा समघ	E	ક	२	इन्द्रो मेडिम	१०	ક	\$ (B.
इन्द्रियाणि शत	२०	२०	2	इन्द्रो यज्वने	ક	58	२
इन्द्रियाणि शत	२०	y9	· Ce	रन्द्रो यात्नाम	Sparts Sparts	ક	38
इन्दुरिन्द्राय पव	२०	3	8 3 9	इन्द्रो युनक्तु	y	३६	88
इन्द्रेगे दत्तो	२	35	8	इन्द्रो राजा जगत	38	Ą	8
इन्द्रेण सन्युना	. (9	દક	\$	इन्द्रो रूपेणा क्रि	8	११	0
इन्द्रेश रोखना	२०	₹.=	3		१&	१८	3
इन्द्रेण रोचना	20	88	ક	इन्द्रो वुत्रमवृशे	२०	११	Ę
रन्द्रेण सं हि हस्तरे	20	क्ष	8	इन्द्रो ह चक्रे त्वावा	२	२७	ર
इन्द्रेण सं हि हक्तसे	२०	90	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	इन्द्रं ते मरुन्वन्त	३६		di sa
इन्द्रेन्द्र मसुष्याशः	**3	8	6	इन्द्रं तं शुक्स पुरुद	20	\$\$	80
•							

	mio ·	स्०	Ho		কাত	स्०	Ho
इन्द्रं तं शुस्भ पुरुह	२०१	oy	ų	हमा नु कं भुवना	२०	१२४	૪
इन्द्रं मित्रं वरुणम	8	१०	२=	इमा ब्रह्म वृहिद्यः	२०	१०७	११
इन्द्रं वयमनूराधं	38	१५	સ્	इमा ब्रह्म बृहद्दिवः	ų	2	Ton.
इन्द्रं वयं महाधन	20	90	११	रमा ब्रह्म ब्रह्म हवाः	२०	२३	3
इन्द्रं वृत्राय हन्तवे	२०	38	ų	इमामग्ने शर्रां	ą	१पू	8
इन्द्रं वो विश्वतस्प	२०	રૂક	8	इमामेषां पृथिवीं	१०	- Contraction of the Contraction	३६
इन्द्रं वे। विश्वतस्प	२०	७०	\$8	इमा या देवीः	ેર	१०	ક
इन्द्रं सामस्य पीत	€0.	રઇ	ક	इमा या ब्रह्मणस्प	18	6	ક્
इन्द्रः कारुम	२०	१२७	११	इमा बास्तिस्रः	É	२१	8
इन्द्रः पूर्भिद्।ति	२०	११	१	इमा यास्ते शतं	' '9	ર્પ	२
इन्द्रः प्राङ् तिष्ठ	3	9	२०	रमा याः पञ्च	3	58	3
इन्द्रः स दामने कृत	२०	ઇહ	૨	इमास्तिस्रो	y	3 E	१०
इन्द्रः स दामने कृत		१३७	१३	इमां भूमिं पृथिवीं	११	ų	3
इन्द्रः सीतां निगृ	3	१७	ક	इमां मात्रां मिमी	ξŒ	ર	\$Z
इन्द्रः सुत्रामा स्व	ં ૭	88	8	इमां शालां	3		8
इन्द्रः सुत्रामा ख	२०	१२५	દ્	इमे गृहा मयोभुव	. 9	६०	ર
इन्द्रः सेनां मोहयतु	રૂ	१	ફ	इमे जीवा वि	- १२	२	२२
इन्द्रः स्वर्षा जनयन्	२०	११	ક	इमे त इन्द्र से वयं	२०	१५	ક
इम उप्ता मृत्युवाशा	e	E	१६	इमे मयुखा	१०	9	88
इममग्न श्रायुषे	२	સ્ટ	ų	इमौ युनजिम ते	् १=		પૃદ્
इममग्ने धमसं	26	3	पुरु	इमं कव्यादा	१२		४३
इममादिखा	وم	२=	ં ક	इमं गावः प्रजया	. 18		३३
इममिन्द्र गवाशि	२०	२४	O	इमं गोष्ठं पशवः	ર	•	3
इममिन्द्र वर्धय	ક	२२	8	इमं जीवेभ्यः परिधि			રફ
इमिनदं चहि	१२	२	89	इमं बध्नामि ते	8.8		१
इममोद्नं नि द्धे	8	રુષ્ટ	=	इमंबिभर्मि वरण	१०		१२
इसा छापः प	3	१२	8	इमंबिमर्मि सुकृतं	₹0		
इमा श्रापः प	8	ર	२३	इमं में अग्ने पुरुषं	\$		
इमा उत्या पुरव	२०	१०४	. 8	इमं में कुष्ठ प्रवं	ų		
इमां खनाभ्योषधि	3	१द	१	इमं यम प्रस्तरमा	र्		
इमां धियं सप्त	२०	88	१	रमं यवमष्टा		\$ 88	
इमा नारीरविधवाः	१२	ર	38			8 2	
इमा नारीरविधवाः	१८	\$	yo			दे हर	
इमानि यानि	१८	8	دم			E \$3	
रमा चुकं भुवना	२०	83	१	मं स्तोममहते	3	० १३	1 3
				•			

dispersion for the control of con	T io	सु०	मंo	higher reserved and a Libertus II 2 (3) majorate and on the libertus and the libertus II 2 (4)	কাঁ০	सृ०	Ho
इमं होमा यज्ञमवते	88	₹	ę	रह पुष्टिरिह	Ą	२ ह	ય
इयमन्ते नारी	૨	३६	જ	इह प्र ब्रहि यतमः	Z	3	700
इयमन्तर्वदति	ч	30	३६	इह प्रियं प्रजाये	१४	8	२१
इयमेव पृथवी	११	ą	28	इह ब्रबीतु य	\$	3	4
इयमेत्र साया प्रध	3	१०	ક	इहा यन्तु प्रचेतसो	dina	9	O
इयमेव सा या प्रध	٤	3	१ १	इहेत्थ प्रागपागुद	२०	१३४	१
इयं कल्याएया	१०	7	2,6	इहेत्थ० वरसाः	२०	१३४	ેર
इयं ते घीतिरिदमु	११	۶	११	इहेत्थ० स्थाली	२०	१३४	ર્
इयं नारी पतिलोकं	१=	7 4	۶	इहेत्थ० स वै पृथु	२०	१३४	ક્ષ
इयं नार्युप ब्रूते	१४	२	દ્ધરૂ	इहेत्थ० ग्राष्ट्रेला	२०	१३४	4
इयं पिच्या राष्ट्रे	8	१	ર	इहेत्थ० श्रदिल	२०	१३४	8
इयं मही प्रति	११	१	. 25	इहेदसाथ न परी	3	19100 1614	88
इयं या परमेष्ठिनी	3.5	3	જ્	इहेदसाथ न परो	१४	Ą	३२
इयं वा उपृथिवी	१पू	१०	६	इहेम।विन्द्र सं नुद्	र्ध	२	£83
इय वीरुन्मधुजाता	१	રૂપ્ઠ	१	इहेह यद्वां समना	20	१४३	9
ऱ्यं वीचन्मधुजाता	9	પૂદ્	२	इहैचि पुरुष	4	30	Ę
इयं वेदः परो	3	१०	્રંક	इहैच गाव एत नेही	ঽ	१४	8
इयं समित्पृथिवी	११	¥	્ છ	इहैच धुवां नि	3	१२	१
इराचेदुमयं दत	२०	१३०	१६	इहैव धुवा प्रति	3	१२	ર
इरेव नोप दस्यति	M.	39	*	इ हैव सन्तः	દ્	११७	ર
इषिरा योषा युव	88	88	8	रहैवस्त मानु	9	€*0	9
र्षीकां जरतीमि	१२	२	åЯ	इहैवस्त माप	É	૭ર	3
इरा पुंश्चली	રપ	२	३१	रहेव स्तं ग्राणापानी	3	११	8
रषुरिव दिग्धा	ч	१=	१५	इहै वस्तं मावि	१४	શ્	र्द
इष्टं च वा एष	δ	$\varepsilon(s)$	१	४ हैच हवमायात	8	१५	ર
इप्वा ऋजीयः	ų	१४	१२	इहैवाग्ने अधि	৩	=2	₹
रह गावः प्र जा	२०।	१२७	१२	इहैवामि वि तनुभे	Ą	8	3
इह तेसुरिह	des.	१	3	रहेवेधि धन	ξΞ	८	36
इह त्वा गोपरी गुसा	२०	२२	3	रहेवैधि माप	Ę	୯७	ર

Ş

	NO CONTRACTOR DE LA COMPONICION DEL COMPONICION DE LA COMPONICION	and distribution	Maria Maria	na a la companya de la la propietà de la companya	Oles Trong shirt each in.	STATE OF THE PARTY	330 E
ई इस यन्तीरप	२०	63	ક	ई डे श्रग्निं स्वावसुं	9	40	\$
ईजानश्चित्तमा	१ड	ક	ફક્ષ	ईमिश्यामयन	80	80	રશ
ईजानानां स्कृतां	\$	¥	६३	ईप्याया भाजि	Ę	(E	8

entirent Consumer annu policina de produccia de la discussión con Escende de Miller (no complete con	कां०	सु०	म०		T io	स्०	Ho
ईलेन्ये। नमस्य	२०	१०२	8	ईशानां त्वा भेषजा	ક્ષ	१७	ę
ईशान एनमिष्वा	ર પૂ	1	१५	ईशां वो मरुतो	88	En.	ર્પૂ
ईशाना वार्याणां	8	y	૪	ईशां वो वेद राज्यं	११	१०	૨

J

						TORRING WAY THE CONTRACT	
उत्तान्नाय वशा	32	२१	8	डत हन्ति पूर्वा	१०	8	રે ૭
उचान्नाय वशा	२०	१	3	उतास्ता सुर्वत	ų	. 8	S
इन्से हि मे पञ्च	२०	१२६	१४	उतार ब्धान्स्पृ	- General Comman	Ą	9
उग्र इसे वनस्पत	३१	રેઇ	3	उतासि परिवार्ण	ક	8	25
उम्र एनं देव इच्चा	१५	y.	3	उतेदानी भगव	ર	१६	પ્ર
उथ्रो राजा मन्य	ų	38	દ્	उतेयं भूमिर्वरुण	ક	१६	3
उग्रंगश्ये राष्ट्र	8	११=	ş	उतंच प्रभ्वीक्त	१२	3	२७
उग्नं वनिषदाततम्	२०	१३२	E	उत्तेनां भेदो	१२	ક	yo
उच्चा पतन्तमस्णां	१३	२	38	उतेषां पितोत वा	१०	. 55	₹⊏
उद्योघीषो दुरदुभिः	Ä	२०	. ?	उतो अस्य वन्धु	પ્ર	33	\$
उच्छु र्मा पर्धानां	8	ક	ઇ	उतो नो श्रस्या उ	२०	७२	3
उच्छ्यस्व बहुर्भव	8	१४२	₹.	उत्कसन्तु हद	\$ 8	£	२१
उच्छ्वञ्चमाना पृथिवी	% =	Ž	प्र१	उत्केतुना बृहता	१३	. ?	3
उच्छ्वञ्चस्य पृथिवी	٤z	a	yo	उत्कामातः	Can	٤	ક
उच्हिष्टे द्यावापृथिवी	११	9	₹	उत्क्रामातः	8	ч	É
उच्छिष्टे नाम कपं	११	9	१	उत्तमेभ्यः स्वाहा	3.8	२२	१२
उ जायतां परशु	50	8.७	£	उत्तमे। अस्ये।प	Ę	શ્પૂ	8
उज्जिहीच्वे स्तन	fart from	9	ર ૧	उत्तमा शस्याप	88	3,8	8
बत ग्ना व्यन्तु	9	38	્ર	उत्त मे। घ्रस्ये। प	6	ų	88
उत देवा श्रव हितं	ક્ર	१३	१	उत्तमा नाम कुष्ठा	¥	ક	. £
उत नग्ना बोभुवती	C,	9	盂	उत्तरस्त्वमधरे ते	8	२२	88
इत नः सु भगाँ	२०	६ड	દ	उत्तराह मुत्तर	3	१द	8
बत प्रहामतिदी	<u>.</u> 9	40	E	उत्तरंगीय गाय	१०	e.	86
उत प्रहामतिदी	२०	T.E	3	उत्तरेभ्यः स्वाहा	88	२२	१३
उत ग्रुचन्तु नो	२०	82	ų.	उत्तरं द्विपतो	१०	E	38
उत यत्पतये। दश	ų	१७	5	उसरं राष्ट्रं	१२	3	१०
इत ये। द्यामति	ક	38	છ	उत्तानपर्य सुमगे	3	8 m	8 5
इत श्वेत आग्रुप	20	१३५	5	उत्तानायै शया	२०	१३३	8
इत सम सदा हर्य	२०	38	ų.	उत्ति छतमा रभेथा	११	8	4

COLUMN TERMINATURA CONTRACTOR AND	DOMESTIC DESCRIPTION OF	MATERIAL PROPERTY AND ADDRESS OF THE PARTY AND	BANKETH FROM		MANAGEMENT STREET, ST. 22	PLINEMENT CHANG	DENNIC SPREEDINGSHIP
	ক্ষা	सू०	To		कां०	स्र्०	Ho
रु त्तिष्ठत सं नहा	११	es/	, २	उदस्य केतवी	१३	ર	8
इ चिष्टत सं नह्य	88	80	3	उद्स्य श्वावै।	9	83	१
उत्तिष्टताव पश्वते	9	97	8	उदह्मायुरायु पे	१८	ર	२३
ड त्तिष्ठता प्रतरता	१२	á	૨૭	उदायु च्छल	es.	8	, E
उत्तिष्ठ त्वं देवज	११	3	ų	उदायुवा समायु	જ્ર	રૂ १	१०
उत्तिष्ठ त्वं दे वज	११	१०	y	उदितस्त्र ये।	૪	3	8
उत्तिष्ठश्लोजला	રં૦	83	Ę	उदिन्ज्बस्य रिच्य	ನಿಂ	A8	ર
उत्तिष्ठ प्रेहि	१८	3	G	उद्मां मार्गा	१=	२	ઇરૂ
उत्ति ष्ट ब्रह्मण्स्प	३,६	६३	2	उदिद्युदिहि सूर्य	१७	१	દ્
उत्तिष्ठ ते। विश्वा	१४	2	३३	उदिद्युदिहि सूर्य	१७	Ş	٩
उत्तिष्ठ तः किमि	१४	ર	38	उदीचा दिक् सोमा	35	२७	8
उत्तुद् स्त्वोत्तुद्तु	સ્	24	१	उदीचीनै:	१२	ર	₹&
उत्ते स्तभ्नामि	१=	३	पुर	उदीच्या दिशः	3	3	२८
उत्थापय सीद्ता	१२	રૂ	३०	उदीच्यां त्वा दि	१८	7	33
उत्पुत्रः पितरं	, y	१	6	उद्दोच्ये त्वा दि	१२	३	YE
उत्पुरस्तात्सूर्य	·······································	२३	દ્	बदीरयत मरुतः	8	20	12
उत् त्वा द्यौरुत्पृथि		8	१७	उदीरतामवर	१=	१	88
उत् त्वा मन्दन्तु	२०	£३	ş	उद्दीरय पितरा	१=	. 8	23
उत् त्वा मृत्योरयी	nest for	१	१६	बदीराणा उता	१२	१	२ॢॣ
उत्त्वा यज्ञा ब्रह्म	१३	१	३६	उदीर्घ नार्याभि	१ द	3	2
उत् त्वा वहन् । मरुत	१ स	ેર	२२	उदु त्तमं वरुण	9	ર્ટર	ą
उत्तवा हाषं पञ्च	Z	9	२८	उदुत्तमं वरुण	₹ =	ક	23
उत्सम द्वितं	ક	ર૭	२	उदु त्ये मधुमत्तमा	२०	१०	१
उत्सूयों दिव एति	Ę	પૂર	१	उदु त्ये मधुमत्तमा	20	34	X
उद्गातां भगवती	ર	Z	१	उदु त्यं जातवेदसं	१३	२	१६
उद्गातां भगवती	દ્	१२१	3	उदु त्यं जातवेद्सं	२०	ઇહ	१३
उद्गाद्य माद्	१७	શ	રક્ષ	उदुत्सं शनघारं	3	२४	ક
उद्यमं परिपाणाद्	૪	२०	6	उदु ब्रह्मारएयैरत	२०	१२	8
उद्गङ्जाता हिमव	Cq.	ઇ	T	उदुवा उदु सूर्य	8	ષ્ટ	ર
उद्दन्वती द्यौरवमा	8 स	२	용도	उदेणीव बारएय	y	१४	२ ११
उदपुरसि मधुपुर	१८	3	30	उदेन मुत्तरं	દ	ч	₹
उदप्रतो न वये।	२०	१६	१	उद्नं भागा अत्र	Seed.	१	२
उद्युता महत	દ્	२२	3	उदेहि वाजिन्	१३	8	8
उद्राचे क्लोम्नो	3	6	१्२	उदेहि वेदिं	११	र्	२१
उद्सी स्यो	8	ે રદ	ų	उद्घेद्भि श्रुताम	20	৩	8
and the second second	•			, 3			-

				Married Control of the Control of th
Webself NewCollege College September 1 and 1 Stephen September 1 Annual September 1 Stephen September 1 St	জাঁত	स्॰	Ho	
उद्घर्षन्तां मघव	ą	38	ક	उप प्रागात्सह
उदर्षिणं मुनिकेशं	5	Ę	१७	उप घागाइ दे
उद्ना आजद्ङ्गिरो	२०	25	२	उप प्रियं पनि
उद्ना श्राजदिक्तरो	ર	38	3	उपब्दे पुनवीं
उद्भिन्दतीं सञ्जन	ક	३द्य	8	उपमितां प्रति
उद्यब्कु ध्वमप	१४	2	g E	उप मौदुम्बरो
डराते नम उदायते	१७	8	२२	उप श्रेष्ठा न
ं उद्यद्त्रध्नस्य विष्टं	२०	ે કર	૪	उप श्वसेद्रुव
उद्यन्नादित्यः	ર	३२	ę	उप श्वासय प
उद्यन् रश्मीना	. १३	ર	१०	उप सर्प मात
उद्यानं ते पुरुषु	Grani Grani	8	६	उप स्तृशीहि
उद्यो घन्स्यभि	१२	3	રફ	उप स्तृणीहि
उद्यंस्त्वं देव सूर्य	१३	Ę	३२	उपस्थास्ते श्र
उद्व ऊर्मिः शम्या	१४	ર	१६	उपहरति प्रति
उद्घयन्तमसस्प	9	43	9	उपहरति हव
उद्घाज श्रागन्या	१३	१	ર્	उपह्यं विष्
उद्वेपमाना मनसा	ų,	२१	٦,	उपहृता इह
उद्वेषय त्वम्बु दे	११	3.	१स	उपहुता नः र्व
उद्वेप यसंविजन्तां	११	3	१२	उपहला भूरि
उन्माद्यत मारुतः	Ę	130	ક	उपहुनों से ग
उन्मुञ्ज न्तीर्चि	£346	9	१०	उपहुता बार
उन्मुञ्ज पाशांस्त्व	દ્	११२	5	उपहृती सयु
उपजीका उद्भरिन	ત ર	ક્ષ	ક	उपह्यं खुदुः
उपजीवा स्थोप	88	33	ર	उपहरे सुदुः
उप त्वा करमं जूतये	२०	१४		
उप त्वा करमंभूत्ये	२०	६२		डपास्तरीरव
उप त्वा देवो अ	9	880	250	डवारमाग्यार
उप त्वा नमला वयं	3	80	9	उपाहृतमनु
उप चामुण वेत	१८			3
उप द्रव पयसा				* * *
उप नो न रमसि	२०	२७	१४	, r
उप नः सचनाग		> পুঙ		•
उप नः सवनाग		E , 2		
उप नः सुतमा	२०	રિક		उभये।रम्र मं
उप प्र वद् मण्डू कि	4	१४	१४	उभयं भ्राप्

म्० Thio सू० 30 2 É स्त्रा देवो 2= (P.) 8 प्रतं ७ ३१ 8 8 2 રઇ ामिता 9 3 3 ोम 38 32 O ŞŲ છ (3 ायै १२ ११ ę पृथिवी ६ १२६ Ş તરં . १८ 38 -१४ 23 १२ 3 39 ६२ १२ प्रन . 3 8 8(4) ব र्दां & &(2) 3 **ब्र**वन्तं ११ १५ 19 गावः 9 ६० ¥. पितरः 3 Sy 8 22 8 धनाः 60 9 3 नोपा १६ হ 8 चस्पति 2 \$ व्रा ६ १४० 3 स्रो 9 9 ७३ 'घां 8 १० 8 १२ त्मन्या Y १० करो રૂ૮ 3 १२ 3 सारे 38 y. 18 gæ' g o 3 २३ २६ 43 9 वरूपा वे बद्धा १३ B 84 ११ 38 ाः स्वाहा ₹२ રઇ 3 9 मृह 38 3= Ę ११३ 9 5.0 वस ः 1

(8,420)
---------	---

उभाजिग्यथुर्न	,
---------------	---

भ्रवाकुम्भी

CR TOTAL COLUMN LANGUA MATERIAL SERVICE SERVIC	কাঁ০	स्र्०	स०		कां	स्०	भ०
डभाजिम्यथुर्न	و	કક	ę	उर्वीरासन्परि	१३	१	•ેકદ
डमाभ्यां देव सवि	Ş	१&	3	डलुक यातुं	6	8	२२
उमाबन्तौ समर्ष	१३	ঽ	१३	उल्खले मुसले	80	3	२६
उसे नमसी	१२	3	E	उवे श्रम्य सुता	२०	१२६	9
उमोभयाविशुप	72	3	3	उशती कन्यला इ	१४	२	५२
उयं यकांशलोकका	२०	१३०	२०	उशन्तस्त्वेधीम	१८	१	ં ૯૬
ड व्यूलायादुहि	¥	१३	See al	उशन्ति घाते	१८	8	37
उ रुव्यचसामेर्घा	ď.	२७	(inc	उषसे नःपरिदेहि	१६	60	9
डरु ब्यचानो	ų	ą.	=	उषस्पतिवनिस्प	१६	ફ	દ
डहं नो लोकमनु	38	१५	ક	उषा अपस्तस्त	३१	१२	?
डरुःकोशो वसु	११	ર	११	उषा देवी वाचा	१६	દ	ધ્ય
૩ ૨: ૧થુ: હાર્મુ ર્મુ	१३	૪	ty it	उपाः पुंश्वली	\$ 64	ર	१३
डहःप्रथस	११	१	38	उषा यस्माह् दुष्व	१६	દ્	2 ,
ं उह् णसावसु	१८	ą.	१३	उष्ट्रा यस्य प्रवाह	२०	१२७	Q
उर्वधमा चमसर्च	3 g	2	3	NORMAL MARK CHROCK THE THEORY OF ST. TO THE TRANSPORT OF ST.			

K

ऊती शचीवस्तव	२०	इइ	₩	उध्वीस्तिष्ठा न ऊतेय	२०	84	3
ऊरुयां ते ऋष्टीव	ૠ	३३	eg	ऊर्धायस्य समि	tq.	२७	ş
अ रुस्यां ते अष्टीव	२०	ક દ્વ	२१	ऊष्वी दिग्बृहस्पति	3	२७	દ
ऊक पादावछी	28	6	१४	ऊर्धा यस्यामति	9	ર્'ક	ર
ऊजं एहि स्वध		१० (इ	८) ४	ऊष्वीया दिशः	3	3	ঽ০
ऊर्जमस्माऊर्ज	ર	२६	cq.	ऊध्वीयां त्वा दि	१८	3	રૂષ
ऊर्जस्वतीपयस्वती	3	Ę	ं१६	ऊर्घायै त्वा दिशे	१२	રૂ	६०
ऊजीं च बाएव	3	ંદ્ર	३ (३	ऊष्वीं नु स्ष्रा	१०	₹	30
ऊर्जेंट्या बलाय	१६	30	ঽ	अध्वी विन्दुसद्	१०	१०	१६
ऊर्जीमागो निहितो	. ११	१	१५	अध्वाँ रोहितो	१३	ৃ	8.8
ऊर्जीमागो य इमं	१८	ક	48	ऊ ष्वभरन्तमुद्दकः	१०	4	१४
ऊर्जं विस्रहसुव	9	ફ ૦	₹	अर्घःसुप्तेषु जा	११	ક	સ્ષ
ऊर्ध्वास्थिष्ठतु रत	38	ક્ષ્ટ	ર	अवीरोजोज ङ्ग	१६	६०	ą

Æ

The state of the s			· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	and the transfer of the second	tern former country could be to the second consistency.	************	****
ऋक् लामयजुरु	११	9	Å.	ऋचा कपोत	દ	₹=	\$.
स् कतामाभ्याम	१४	8	११	ऋचा कुम्भी	8	ų	ų

CONTROL CONTRO	ą .jo	सू०	मo [्]		কাঁ০	स्०	स०
श्वा कुंश्यिविह	হূ হূ	33	१४	ऋतुभिद्वार्त्वे ्	ų,	32	१३
स्वां च ल लाम्ना	ર્ષ	E.	8	ज्ञृत्भयष्टः तेवेभ्य ा	98	१०	80
ऋवो अतरे परमे	ಕ್ಕಿ	60	8=	ऋुभ्यष्ट्रार्त्वेभ्या	39	30	8
भूवं साम यजाम	9	18	્રે	ऋत्नां च वे	१५	ફ	१ट
ऋचं साम यह	9	48	ર	ऋत्न ब्रम	११	Ę	१७
भृचः पदं मात्र	<u>s</u>	१०	33	ऋन्न्यज ऋतु	S. Car	१०	3
भृतः प्राश्चः	. કપૂ	ેજ	દ્	ऋतेन गुप्तऋतु	१७	8	२६
ऋवः सामानि	११	. 9	રેઇ	ऋतेन तहा	११	٤	२३
भू जोषी वजी	20	१२	9	ऋतेन स्थूगा	25	8 3	હ્
ऋग्।हग्।मव	१ृह	84	۶	इतं शंसन्त	૨૦	93	3
मृ तवस्तमवस्तता	१०	દ	₹ =	ऋतं सत्यं तपोरा	११	9	१७
ऋतवः पक्तारं	રે ર	, A	१७	ऋतं हस्तावने ज	११	Ą	१३
ऋतस्य च चै	گردر ا	E	ંદ	ऋचङ्मन्त्रो यो	ď	٠ و	8
ऋतस्य पन्थामनु	¥ .	3	१३	ऋबुरसि जगच्छ	દ	४द	२
भूतस्य पन्थामनु	82		2	ऋषिभ्यः स्वाहा	१६	२२	१४
ऋतस्य रेग्यान्छ ऋतस्यतिमा	-	११४	ं स्	ऋयीयां प्रस्तरो	१६	2	E
ऋतस्यतमा ऋताचानं वैश्वा	E	36	٤	त्रृषी बोधमती	· ·	30	8
SECULARIAN MARKATA	innemier envoluence.	A A	etion madalanasian ja	in the party of th	same characteristics for	AL PERSONAL PROPERTY	proceduration 1999

Ų

		,				ALCOHOLD STATE OF THE PARTY OF	STREET, STREET
प्रचर्न वर्तन	१०	C	(9	प्रतेन विंशतिः	38	23	१६
एकपदी द्विपदी	१३	ą	ય ર	वको बहुनामिं	ાં છ	38	8
एकपाइ द्विपदी भू	१३	ર	२७	एको वो देवोऽप्य	રૂ	१३	ક્ર
एकपाद् द्विपदो भू	ર્સ	2	સ્પૃ	एको गौरेक	6	\$	રફ
एकया च इस	(9)	ે	٤	एकं पाइं नोत्खिद	११	8	₹ १
एकरात्रो द्विरात्रः	११	Ġ	१०	एकं रजस एना	e _g	88	8
एक चेंश्यः स्वाहा	3.8	રફ	₹ 0	ए जदे जद जग्र भं	8-	فو	8
पक्सतं ता जनता	ų	१८	१२	एत उत्ये पतयन्ति	6	8	२०
पक्षातं तदस्यो	9	११५	3	एतत्ते तंत स्वधा	१८	8	99
एकशतं विष्कन्या	₹.	3	દ	एतसे ततामह	१८	8	\$0
एका च में दश	ų	કૃષ્	શ્	एतत्ते वततामह	१८	8	৩ %
एक(द्शवंभ्यःस्वाहा	88	ર રરૂ	è	एतत्तेद्यः सवि	१८	ક્ષ	38
एकान्सेभ्यःस्वाहा	38		२२	एतत् त्वा वासः	१८	ર	49
प्काष्ट्रका तपस्र	3	\$ O	, , 2	एतदारोह वय	१८	M.	93
एकेक्येपा स् ट्या	A 50.00	•	. 8	एत देवा दिच्यतः	88	E	86
						-	

	Ti	Æ0	स०	CONTRACTOR OF THE PROPERTY OF	কাঁ০	खु॰	Ħо
एतद्वा उ स्वादीया		(६३)	8	पन्येका श्येन्येका	. દૂ	ત્ર ૮રૂ	ર
पतरे ब्रश्नस्य	११	(44) 3	५०	पभिद्य भिः सुमना	20	-	u
पतहै विश्वरूपं	3	9	ર્ષ	पमाश्रुमाशवे.	२०	દ્વા	ق
पतद्वो ज्योतिः		<u>د</u> .	११	पमा अगुर्योषितः	११	ેર	१४
पतद्वी ब्राह्मणा	્ર ફર	ક	४८	पमां कुमारस्तरूण	3	१२	9
पतिक भ्राणु मे	१०	8	26	एमेनं खजता खुते	૨૦	ত গু	
पतिमध्मं समाहि	१०	દ્	રૂષ	एमं पन्थामरु	१४	વ	700
प्तस्माहा भोद	રે દ્	ą.	બર	पर्म भज ग्रामे	ં છ	२२	ર
पता श्रश्वा श्रा		१२६	ર	पमं यज्ञमनु	9	२०	y
पत एना व्याकरं	9	११५	ક	एयमगन्दिषा	٤=	8	40
पता देवसेनाः	لو	૨૧	१२	प्यमगन्नोपधी	ક	३७	ંદ
पतास्ते श्रश्ने समि	L _q	ર દ	१४	वयमगन् पतिकामा	૨	30	و
प्तास्ते श्रश्ने समि	१६	દ્દય	ે છ	एयम्गन् बर्हिषा	(₄	₹ ફ	દ
पतास्ते श्रसौ	१८	/ 8	33	पवा ते हारियोज	२०	34	१६
ए तास्त्वाजीप	3	t _e	१५	पवा स्वं देव्यव्न्ये	१२	, to	દ્ધ
पतु तिस्रःपरावत	દ્	9'4	7%	पवा नू नमुप	२०	६६	ર
पते श्रस्मिग्देवा	१३	ક	१३	पवानेवाव सा	१६	<u>.</u> و	ક
पते त इन्द्र जन्तवो	२०	५६	દ્	पवा पतिं द्रोणसाचं	२०	દક	ક
पते वै प्रियाश्चा	ε	६(२)	Ę	पवा पाहि प्रतथा	२०	4	१
पते स्तोमा नरां	२०	३ ७	१०	एवा पित्रे विश्वदे	ं २०	EE	ફ
पते। न्विन्द्रं स्तवाम	, २०	६५	१	एवा महान् बृहद् विवं	हे प	ે ર	3
पतौ प्रावाणी	ं११	8	3	एवा महान् वृहद् दिवे	११ २०	१०७	१२
पतं पुच्छ कुहं पु	२०	१३०	G	पवा रातिस्तुवीम	२०	६०	ર
पतं भागं परि	E	१२२	8	पवा हि ते विभूतय	२०	६०	eq
पतं वो युवानं	3, 8	ઇ	રક	एवा हि ते विभूतय	२०	' ७१	¥
पतं सधस्थापरि		१२३	१	पवा हासि वीरयुरे	२०	६०	Ş
पदु मध्वो मदिनत	२०	६४	ક	पवा हास्य काम्या	२०	Ęo	8
पदं बहिरसदो मे		8	५२	पवा ह्यस्यस्यकाम्या	२०	७१	ફ
एधोस्याधियीय	9	35	ક	पवा हास्य स्नृता	२०	६०	8
पन श्चिपङ्किका	२०		११	पवा हास्य स्मृता	२०	তহ	્ર
पना व्याघ	ઇ		9		२०	१२	تخ
प्नीर्घाना हरि	१८		રૂપ્ઠ		२०	88	O
पन्द्र नो गधि प्रियः	२०	ફક	ξ	"]	8	£8	3
पन्द्रवाही सृपतिं	२०	६४	3	एष इषाय मामहे	२०	१२७	72
ष्ट्र सानसिं	२०	90	१७	पप ते यशो	૭	85	E q
ě							

**************************************	कांo	सू०	स०		कांo	स्॰	स०
एष यज्ञानां	છ	38	ų	एषामहं समासी	G	१२	3
एष वा श्रतिथियी	3	६(३)	g	एषा सनती	. १०	en em	३०
एष स्य ते तन्त्रो	२०	ફહ	ec.	एषां यज्ञमुत	8	3	8
एषा ते कुलपा	१	१४	Ą	एइ यन्तु पश्वो ये	₹.	२६	8
एषा ते राजन्	8	१४	વ	पह यातु वरुणः	દ્	७३	. 8
पषा त्वचां पुरुषे	१२	3	นุง	पहि जीवं त्रायमाणं	8	કર	१ .
एवा पशुन्तसं	3	२८	ર	प ह्यस्मानमा	२	१३	8
प्षामहमायुषा	35	१६	ď				

Û

	term management and Courage	onsiete de la company	-			Traintinningteaser	SHE SHOULD
ऐतु देवस्यायामा	38	3,6	8	पेनं ब्रह्म गच्छति	શ્ પૂ	१०	Ţm.
पेतु प्राण पेतु मन	ų	३०	१३	ऐनं वशे। गच्छति	१५	११	8
ऐनमापो गच्छ	१५	9	3	ऐनं भ्रद्धा गच्छ	१५	9	y
पेनमिन्द्रियं ग	84	१०	१०	ऐन्द्रायं पावमानं	११	9	É
पेनान्चतामिन्द्रा	દ્	१०४	ą	पेन्द्राग्नं धर्म बहुतां	glad	¥	१&
ऐनं निकामो ग	र्पू	११	११	पेभिरम्ने सरधं	२०	१३	8
ऐनं प्रियं गच्छति	१५	११	9	ऐषु नह्य तृषा	Ę	६७	3

ग्रो

श्रोको अस्य मृजव	ų	२२	ų	ओद्नेन यज्ञव	११	3	88
श्रो चित्चत्सखायं स	१=	१	. १	श्रोषदर्भ	१६	રદ	9
भोजश्च तेजश्च	१२	ų	· S	भ्रोषधयो भूत	११	4	२०
श्रोजस्तद्स्य	२०	१०७	ેર	भोषधीनामहं	१०	8	२१
श्रोजो ऽस्योजो	२	হ জ	१	आवधीभिरन्ना	१५	१४	१२
श्रोता श्रापः	६	२३	ર	आवधीरेव	20	१०(२)	. 😘
आते मे चावा	y	२३	१	त्रोपधीरेवास्मै	6 8	o(2)	3
श्रोते में चावा	E	88	રૂ	श्रोपन्ती समोपन्ती	१२	· · ·	48
भोदन एवादन	88	3	₹₹				,

ग्रो

	TO SERVICE AND ADMINISTRATION OF COLUMN TWO IS A SERVICE AND ADMINISTRATION OF COLUMN TWO IS A											
A SECTION AND ADMINISTRAL AND ADMINISTRAL AND ADMINISTRAL ADMINIST	₹5Î	सृ०	To		कां०	स्०	म०					
श्रंशो भगो वर	. 9	ે	2	अंहोमुचं दृषभं	3.8	धर	83					
श्रंहोमुचे प्रभरे	38	કર	3		amoran zer energeneralenen	CONTRACTOR AND	MORELAT BESSEED					

en

		e artera su richer mate		emplement remember	Marchael Africanous and American	autitica -
क इट् क्सा	3 RE	9	कर्करिका निखात	२०	835	35
क ई' नेद छुते सचा	२० ५३	3	कर्णाभ्यान्ते कङ्कूषे	3	500 604	ર
क ई' द सुते सचा	20 49	११	कर्णा श्वाविल् तद्व	y.	१३	3
क एषां कर्करी लि	२० १३२	2	कर्शकस्य विशक	2	8	१
क एवां दुन्द्भिं	२० १३२	3	कर्पदेनं न चेनं	29.	१३	१२
क एवा इन्द्रं यद	२० १३=	35	कल्याणि सर्ववि	& .	१०७	હ
	२० १०	2	कविनं निगयं	₹0	99	3
कर्वा ६व सृगवः	20 48	ű,	क्रयपस्त्वांमस्त	-	Q.	१४
करवा १व भृगवः	२० ५२	3	कस्यपस्य चन	ક	₹०	9
करावेभिध्यू च्या	20 Y.9	१६	कस्ते मह इन्द्र र	20	ક્રે	J.
करावेभिधृ ज्या		ર્યું.	कस्तं प्रचेद	8	8	દ્
करावः कत्तीवा	•	8	कस्त्वा सत्या	20	१२४	ર
कतरत्त त्राहराणि	२० १२७			१०	0	ર ર
कति देवाः कतमे	80 8	8	कस्मादश्चित	१०	ર	ર
कति जु वशा नारद	१२ ४	ઝ ર	कस्मानु गुल्फी	-		
कथं गायत्री त्रिवृतं	3 2	२०	कस्मिन्नङ्गे तथी	१०	9	8
कथं महे असुराया	प्र ११	8	कमिन्न क्षे तिष्ठति	१०	9	35
कथं वाते। नेलयति	१० ७	6;	कस्ये मृजाना अति	\$ 1000	3	१७
कदा मर्त्तमराघसं	२० ६३	6.8	कामस्तद्वे समव	33		3
कदु द्युम्नमिन्द	२० ७६	હ	कामस्येन्द्रस्य	3	२	8
कडु स्तवन्त मृत	२० . ५०	3	कामेन मा काम	38	પૂર	ક
कदूनवर्स्याकृत	२० ६७	1.13	कामे। जहां प्रथमे।	\mathcal{Z}	3	१८
कन्नव्या अतसी	२० ५०	Ą	कालादापः	१६	38	8
कपृत्ररः कपृथ	२० १३७	£	काले तपः काले	8.8	५३	gwd daw
कब्र फलीकरणा	११ ३	· &	कालेन वातः	3.5	18	₹
कया नश्चित्र आ	२० १२४	१	काले मनः काले	. 88	43	9
करीपिशीं फलव	१६ ३१	ą	काला यमिइरा	3.5	તૈક	y
करंभं कृत्वातिये	8. 0	35	काले यज्ञं समेरय	१	48	å
•						

CONTRACTOR AND TO STATE AND THE PROPERTY OF A PARTY OF THE PARTY OF TH	A CONTRACTOR AND A CONT	CHEMILITERATION	TULL A BROOK PACKETON	CAT COMES
	कां०	सू॰	Ħ٥	
कालो ह भृतं सन्यं	१६	d8	રૂ	E CO
कालो अश्वो वह	3,9	પુર	2	N.
कालां भूतिमस्ज	३६	પુર્	É	W.
कालों मूं दिवमज	88	पुरु	eq	9
कालः प्रजा श्रस्जत	38	43	१०	THE COLUMN
किमङ्ग त्वा संघव	ं २०	35	3	E E
किमयं त्वां चुवा	૨૦	१२६	Ą	1700
कियता स्कम्मः म	१०	9.	8	No. I SA
किलासं च पलितं	8	ર્ રૂં	ર	All all
किं म्राता सद्यद	{ =	ę	१२	
किं स्विजा राजा	22	१	33	100
कि सुवाहो स्व	२ क		gray.	Ť
कीर्तिश्च यशश्च	શ્પ	ર	2	à
कीर्निध यराध	64	२१	२=	ď
कीर्तश्च यशश्चा	१३	8	१ध	e
कीतं चवा एप	3	$\xi(3)$		33,
कुत इन्द्रः कुतः	११	E	१२	167
कुतस्ती जाती	13.00 Case	3	. ?	6
कुतः केशान् कुतः	88	(grad)	१२	016
कुभ्भीकादूपीकाः	१६	E	6	5
कुलायेधि कुलायं	3	3	२०	48.
कुलायं कुणवादि		१३२		1
कुवित्सस्य प्र हि	२०	@ =	२	
नुविदङ्ग यवम		१२५	হ	
कुहाकं पककं पृ	२०	१३०	વ	-
कुहुर्देवानाममृत	9			
इहं देवीं स्कृतं	9	હહ	_	
क्रयास्य सं	१२	8	25	Section of the last
कृणुतं धूमं	११		3	-
रुणोमि तं प्राजा	7		Ą	
कृणोमि ते प्राणा	- good tires	२		T. Company
कृतव्यधनि विध्य	દ્ય			
कृतं न श्वझी	े२०	१७	¥	
कृतं से दिच्णे		y o		A CONTRACTOR
कृत्याकृतं बलगिन	, i	१ ई१	१२	-

कां ख् Αo इत्याङ्यो बस्तिनो १० 8 38 ह्याहूपगा दवा 38 38 हत्याह पिरयं É 8 ज्याः सन्तु इत्या 18 Ų हित्रमः कंटकाः 88 2 82 इन्त दर्भ 38 e/ 4910 -रुप्यायाः पुत्रो Ą 38 कृष्णं नियानं हर 23 ę हुणां नियानं हर S 20 33 कृष्णं नियानं हर ઉ જી A33 8 इंतुं ऋरवस्रकेतवे इ. इ 39 Ę केतं कुएवसकेतवे 20 80 83 हेतं इत्यवसकेतवे ₹0 33 38 केन देवाँ अनु १० 22 केन पर्जन्यमन्वे 8.0 R 39 कंत पाच्ची आभू १० Ą १ केन श्रोतियमा 80 20 केनापो अन्व 80 38 केनेसां भूमिं १० ₹. 8 E केनेयं भूमिर्वि 2 २४ केवलीन्द्राय दुदुहे 7000 8 28 कैरात पुन उपतृ ₹**₹**. Ç कैरातिका कुमारिका ₹0 १४ के। अर्जन्याः पयः २० १३० 3 के। अब युङ्के धुरि 26 के। अर्थ बहु लिमा १३० ଚ୍ଚ के। श्रसिद्याः पयः २० १३० 3 को अस्मिशापी ξo ११ के। अस्मिन् प्राण 80 83 के। श्रस्मिन् यज्ञ 02 १४ कें। अस्मिन् रूप ξo 83 के। श्रस्मिन् रेतो 20 3 QQ के। असी वासः १२ 2 28 के। अस्य बाह् 20 ¥ के। शस्य वेद प्रथ 8 2 19 के। अस्या नी हहा ७ १०३ 8

(8,4	in the second se	गोभि	ष्ट्रमार	र्गति
सू०	Ħ°		कां०	ĦС	सु०
. 8	と	क व्वाद्मिशिमे	१२	ર	&
8	54	क्रव्याद् मश्चे	وم	રક	१०
१४ ३	भ	कव्यादानुवर्तय	११	१०	१८
3	१०	क्रमस्या आश	y.	38	ų
ક	३०	कोड़श्रामीज्ञामि	3	ક્ર	१५
१३५	२	क्रोड़ी ते स्तां	१०	8	રપૂ
१३०	૪	कोधो वृक्षो मन्यु	3	9	१३
१०४	8	क्रीब क्लोवं त्वाकरं	ફ	१३८	3
. २	E	क्षीवं कथ्योपशिन	Ę	१३८	२
ર	25	कश्मेप्सन्ती युवती	१०.	Q	દ્
१४	२	कर्मे सन्दीप्यते	१०	9	પ્ર
€.	Secon Secon	कार्थमासाः क यन्ति	१२	૭	¥
ş	80	काहतं परास्यः	૨૦	१२8	8

de

की देदश प्रथम

को दद्शं प्रथमं

के। वामचा करते

के। विराजो मिथु

काशिवले रजनि

कः काष्यर्थः पयः

के। जुगौः क

काशं दुइन्ति

कः पृक्षिं धेनं

कः सप्त खानि

क्रमध्वमञ्जिना

कव्यादमिशं प

कव्यादमिशं श

कन्दाय ते प्रागाय

কাঁত

8

(23%)

२०

700

१८

२०

२०

9

१०

११

ક

१२

१२

खहूरेऽहिंघ वङ्कमां	११	3	१६	खताः पात्रं स्पया	११	3	8
खरावखा ३ इसे म	8	\$ 6	१५	खेरथस्य खेनसः	१४	8	88
CONTRACTOR	COMPONISSA (CANADA AND AND AND AND AND AND AND AND AN	THE PERSON NAMED IN COLUMN TO PARTY.	THE RESIDENCE OF THE PERSONS	or 6 Charles College Management and College Charles College Charles College Charles College Charles College Charles Ch			- 4

गणास्त्वोप गायन्तु	¥	१५	8	गावः सन्तु प्रजाः	8	૪	ર 🙍
गणेभ्यः स्वादा	१ €	२२	१६	गिरयस्ते पर्वता	१२	٤	28
गन्धर्वाप्सरसो	११	E.	છ	गिरा बज्री न संभृ	ર	ઇક	3
गन्धर्वाप्सरसः	6	6	१५	गिरा बच्चों नं संभू	२०	१३७	१४
गन्धारिभ्या मूजव	ų	२२	१४	गिरावरगराटेषु	હ	8,3	8
गमन्नस्मे वसून्या	२०	88	ч	गिरिमेनाँ आ वेशय	ર	34	8
गर्भे चुनौ जनिता	१=	8	ų	गिरीरज्ञान्ने जमा	२०	83	district of the second
गर्भी बस्योपधीनां	ų	રપૂ	ي	गिर्वणः पाहि नः	२२	ફ	દ
गर्भो अस्ये पधीनां	દ્	84	74	गीर्भिक्ष्वांन्	१३	. ?	48
गर्भ ते मित्रावरुणी	y.	રપુ	છ	गुदा आसन्तिस	3	ઇ	१४
गर्भ घेहिसिनीहा	y	२५	ž	यहमेघी यहपति	6	१०(१)	3
गायश्युष्यिग	१६	ર્શ્	१	ग्रहाण मावाणी	११	8	१०
गायत्रेख प्रतिमि	8	१०	२	गृह्णामि ते सीभ	१४	Ą	y,o
गावो भगो गाव	8	₹8	y l	गोभिष्टरेमामति	9	yo	(9

All complicates communicates of the configuration of the complex communicates of the c	কাঁ০	स्०	म०		æjo.	स्र्॰	मं०
गोभिष्टरेमामतिं	२०	१७	१०	ब्राहिं पाष्मानम	१२	25	१८
गोसिष्टरेमामतिं	૨૦	33	१०	त्राह्या गृहाः सं	१२	ર	३६
गोभिष्टरेमामतिं	२०	દુષ્ઠ	१०	श्रीवाभ्यस्त उष्णि	२०	\$3	₹ ==
गोभिष्टा पात्रुष	३१	२७	ેર	श्रीवाभ्यस्त उष्गि	्र२	३३	२
गोभ्या श्रश्वेभ्यो	3	SA.	१३	ग्रीवास्ते कृत्ये	१०	. १	२१
गोसिनं वाच	Ę	२०	१०	श्रीष्मस्ते भूमेव	१२	٤ ۽	38
गौरमीमेद्भि		१०	દ	श्रोष्मो हेनन्तः शि		цŲ	ર્
गौरिनिममाम	8	१०	२१	प्रैष्मावेनं मासी	१५	ક	8
गौरेव तान्	ų	۶=	११	ग्रेन्मो मासी	કંતૌ	ક	ų
ब्राम णीरसि	3.5	३१	१२	•			

घ

घर्म इवाभि तप	33	२=	ૠ	घृतादुल्लुतं मधुना	५	ર≡	58
घर्मः सिमद्धो	-	=	१७	घृतेन त्वा समुद्गा	38	२७	¥
घृतमप्सराभ्यो	٩	308	२	घृतेन सीता मधुना	• 3	१७	3
घृतस्य जूतिः	३१	96	१	घृतं ते अग्ने	. 9	द्ध	દ્
घृतह्दा मधुक्त्ताः	ક	३४	8	घृतं घोचन्ती	१०	3	११
घृतादुल्लुप्तो मधु	38	३३	સ્	घारा ऋषयो	२	34	ક્ર
घृतादुल्लुप्तो मधु	38	ઁકદ	હ્	, सर्वे			

च

٠	चत्तुरसि चत्तुर्मे	2	१७	\$	चतुर्वीरं बध्यत	8.8	ક્ષ	ક
	चचुर्मुशलं काम	११	3	ą	चतुर्होतार श्रा	११	9	38
	चतुषा ते चतुर्ह	· Lq	१३	છ	चतुष्यं युज्यते	१०	२	રૂ
	च चुषो हेते मनसो	ų	Ę	3	चत्रात्रः पश्च	११	9	११
	चत्तुः श्रोत्रं यशो	११	Ą	રપૂ	चत्वारि वाक्परि	3	१०	२७
	चतस्रश्च मे चत्वा	y	१५	ક	चन्द्रमा श्रप्स	१्≡	ક્ષ	3=
,	चतस्रो दिवः प्रदि	१	११	ર	चन्द्रमा नज्ञत्राणा	¥	२४	80
	चतुरः कु भांधतु	ક	રૂપ્ટ	9	चन्द्रमा नचने	3.8	88	સ
	चतुर्द-पृांछ्याच	\$ 5	3	इ.७	वन्द्रा मनसो जात	88	E	9
	चतुर्वशर्चे भ्यः	38	२३	११	चन्द्र यत्ते तपस्तेन	्र	२२	१
	चतुर्घा रेता श्रमरद	. १०	१०	38	चन्द्र यत्ते तेजस्तेन .	२	२२	¥
	चतुर्नमे। मध्क	११	₹	ક	चन्द्र यत्ते ऽर्विस्तेन	ş	२३	A ST
	-							

चन्द्र यत्त शाचिस्तन	1	8,4.	(C)	ाजतम् । । । सम			
Annual State of the State of th	कांo	£.°	सठ	STATES CONTROL SERVICE OF CONTROL SERVICE SERV	কাত	स्तू०	Ho
बन्द्र यत्ते शोचिस्तेन	ર	ર ર	8	चित्रं देवानामुद्	१३	ર	314
चन्ड यसे हरस्तेन	. 5	5,57	R	चित्रं देवानामुद	55	१०७	१८
चरं पश्च वित्तमु	. 8 ?	255	१८	चित्रं देवानां केतुर	१ ३	२	રેઇ
चरेदेवा बेहायणा	१२	. ક	१६	चित्रं देवानां केतुर	२०	१०७	१३
चित्तिरा उपवर्ह	શ્ક	ş	S	चेता हृद्यं	3 .	9	११
चित्रश्चिकित्वा	63	. 2	રૂર	च्युता चेयं	3	्२	وم
चित्राणि सार्क	ટ્રેક	٩	20				

Ø.

EMPROPMENT IN THE ENGINEERING VALUE WAS AND AND A STREET OF A	rings between the particular	MANAGEMENT CONTRACTOR NAMED	Principal principal is	an e valuari establica com mande postencia establica intermentalmente que construir establica de la filia de l E	entantantile merupetti 411 telli	A MARKETINE SPECIAL SP	PARTITION OF
क्रन्दांशिय वे	ų.	સ્હ્	t _{re}	छिन्धं दर्भ	38	२=	E
बुद्धः पत्तं उपसा	Kong and Andread	3	१२	ब्रिन्या चिब्रनिध	१२	ų.	ñ.8
छिनत्यस्य पित्	१२	y.	કર				
SERVICE OF THE CANDIDATE OF THE PROPERTY OF TH	makai na tanan menangan mengangan	99779CA99869161577	HEROLD MANAGEMENT TO	- NAMES OF THE PROPERTY OF THE	RYTHROGODOWN IT. BUTCH	TO PERSONAL PROPERTY OF P	AND ASSESSED OF THE PERSON OF

A COLUMN COLUMN

-	Pidding/militaryahara ya w	manning of the last of the las	Marie State of White or an arrangement	energy party of a califor to the establishment of control of the c	-	gathypeline. New Yorkson will	Section Control of the Control of th
जगता सिन्धुं	8	१०	B	जायमानामि जा	१२	ક	१०
जिङ्गि निज्ञ	3.8	રૂઝ	8.	जाया इहां अव्सरसो	છ	े ३७	१२
विविधे अस्माद्	2	જ	ર	जालाचेगानि	Ę	40	Ş
जज्ञानः सामं सह	२०	ಲತ	23	जितमस्माकसुद्भिश्चमस्माकम-			
जना द्विश्वजनी	9	84	Ş	भ्यष्ठां	१०	, y	રે દે
जनाय चिद्य ईवते	२०	80	2	जितमस्माकमु	98	110g	Ŕ
ञनियन्ति नाव	१४	e.	92	जितम् ०।०।स	१६	4	રક્
जनीत्रीय प्रति	१२	130	२३	जितम्०।ास	१६	· God	3
जनं विभ्रती	१२	۶	84	जितम्०।०।स	१६.	Co	२६
जरायुजः प्रथम	१	१२	8	जितम् ा । स	ર્દ	6	ર્ક
जरायै त्वा परि	3	२ १	O	जितम् । । । स	ફદ	dand dand	88
जरां सु गच्छ परि	38	રહ	, ų	जितम् । । । स	१६	Ca.	१३
जवस्ते अर्वनिहि	E.	ે &ર	ສຸ	जितम् ०।०।स	१६	6	20
जहित्वं काम मम	3	્ર	१०	जितम् । । । स	१६	Zing.	१५
जहि दर्भ सपत्ना	8 8	રહ	3	जितम् । । । स	१६	6	१७
जागर् हुष्वप्नयं	१६	હ્	3	जितम् ां । सिन	१६	E	· tų
जातचेद्रों नि	६	90	R	जितम् । । । सनि	१६	Total Section	9
जाते। व्यख्यत्	20	३४ [.]	१६	जितम् । । सप	१६	4	2
जातीत स्मैनं	\$	१२३	. 2	जितम् । । सप्र	88	grint Con,	2.8
the state of the s				* *			

	anio	経。	Ho		ক্তাঁত	स्०	स०
जितम् । । । स वृह	१६	6	80	जीवला स्थ जी	१८	ફક	ઇ
जितम्।।अस मासा	१६	Marcon CORCS	२२	जीवलां नघारिषां	6	२	8
जितम् ।।।स मि	१६	e de la comp	२८	जीवला नघा रिपां	6	9	દ્
जितस्०। । स रा	१६	Spring.	38	जीवानामायुः	१२	ફ	84
जितम् । । । स वन	१६	Z	\$ 22	जीवा स्थ जीव्या	38	ફદ	8
जितम्।।।स वा	१६	E	38	जीवेभ्य स्त्वा	6	8	१५
जितम् । । । सोऽ	१६	6	२५	जीवेम शरदः शतम्	38	६७	ર
जितम्०।०।सोऽ	१६	E	. દ્	जोवं रुइन्ति	्१४	8	કદ
जितम् । । । सोऽ	र्व द	6	१४	जुषो द्म्ना अति	9	ও३	3
जितम् । । । से 15	१६	600	१६	जूर्शि पुनवीं यन्तु	ર	રક	Cog
जितम् ।।।से।ऽ	१६	6	२३	जूहदीधार बामु	१्द	ક	y.
जितम् । । से । ऽ	१६	6	58	ज्याके परि गो	१	ર	3
जितमस्माक्मु	१६		30	ज्या घोषा दुन्दुभयो		२१	. &
जितमस्माकमु	१६	3	१	ज्यायस्त्रन्त	3	ই০	· હ
जिह्ना ज्या भवति	ų	१्र	tion.	ज्यायान्त्रिमिष	3	ર	२३
जिह्वाया अग्रे	8	રહ	ર્	ज्येष्ठव्न्यां जाताः	દ્ધ	११०	ર
जीवतां ज्यातिः	Name of Street	2	\$	ज्ये।तिष्मते। ले।	8	$\xi(\xi)$	१४
जीवला नाम ते	38	38	anasminam S	onlines are during languagement, and energy in the contract and an extensive and an extensi	eller var sammen der seine ver	WINDSHIP CONCURS	Historiani

•							
तक्मन् भात्रा	1	~? ?	१२	ततश्चेनसन्येन	११	3	४०
तक्मन् मूजवते।	وم \$	55	9	ततश्चैनमन्येन	88	¥	83
तंत्रमन् ज्यालि	ų	२ २	દ્	ततश्चेनमन्येन	११	3	34
ततर्चेनमन्यया	११	જ્	રેફ	ततश्चैनमन्यने।र	88	₹	ક્રફ
ततश्चैनमन्यया	\$ \$	3	ક્રદ	ततश्गैनमन्येनोद	६ ३	3	85
ततश्चैनमन्याभ्या	११	3	રુક	ततश्चेतमन्येर्द	११	35	३७
ततः चैनमन्याभ्या	११	3	ઇક	त्तश्चेनमन्यैः	१ १	3	3 6
ततश्चैनमस्याभ्या	११	32	ક્ષ	ततस्ततामहास्ते	4	28	१७
ततश्चैनमन्याभ्या	११	3	¥६	तता अवरे ते	ų	રક	१६
ततश्चैनमन्याभ्या	११	żą	ઇક	ततं तन्तुमन्वेके	\$	१२२	ર
ततर्चेनमन्याभ्या	११	ગ્ર	३३	तत्त्वा यामि सुवीय	₹0	3	3
ततः जेनमन्याभ्या	११	ર	84	तत् त्वा यामि सुवीर्यं	२०	38	E
ततश्चेनमन्येन	११	3	3,8	तत्सुर्यस्य देवत्वं	२०	१२३	8
ततश्चेनसन्ये	१ १	Ą	३२	तथा तद्शे ऋणु	tq	28	२
destand in page , a	6 (

•	কাত	सू०	Ho		कां०	सू०	Ho
तद्गिराह तदुं	१६		२	तन्नपात् पथ	Co	१२	40
तद्गिसराह तदु	grad data	y.	, đ	तन्षे वाजिन्तन्वं	Fe	53	3
तदसे चत्तुः	aposts Aposts	3	२१	तन्स्तन्वा में सहे	88	६१	. 8
तद्द्या चित्त	२०	६१	ą	तन्त्रमेके युवती	१०	. 19	-
तदमुष्मा अरो	१६	. &	११	तुत्रस्तुरीयमद्भृतं	ų.	૨૭	१०
तदस्तु मित्रावरु	38	११	S	तन्नो वि वोचोयदि	२०	३६	ે ક
तद्दास भुवनेषु	ų	२	8	तन्मित्रस्य वरुण	२०	१२३	ર
तदिदास भुवनेषु	२०	१०७	ક	तन्वं स्वर्गी बहुधा	१२	• રૂ	48
तद्षु ते महत् पृथु	ų	2	¥	तपनी अस्मि पिशा	હ	- ३ ६	 &
तदेकमभवत्	१५	(८) (४)	¥	तपश्चैवास्तां कर्म	११	100 600	3
तद् बहा च तपश्च	6	(8)	१६	तपश्चैवास्तां कर्म	११	-	દ્
तद्भद्राः समगच्छ	१०	१०	१७	तपसा ये श्रना	१८	ર	१६
तद् यस्मा एवं विदुर	वे प्	१०(६)	१	तक्षो वां घमीं नच्चतु	9	હેં.	હ
तद् यस्यैवं विद्यान्				तमाहननीयश्च	819	ફ	રૂક
बात्य उद्भृते	84	१२.	۶	विमितिहासश्च	814	२	११
तद् यस्यैवं विद्यान्				तिमदं निगतं सहः	१३	સ	१२
ब्रास्य एकां	१५	१३	१	तमिन्द्र मद्माग	२०	રક	3
तद् यद्यस्यैवं विद्वान्				तमिन्द्रं जोह्वीमि	२०	eqtq	3
ब ात्यश्चतुर्थी	१५	१३	G	तमिन्द्रं वाजयाम	२०	છ૭	8
तद्यस्यैवं विद्वान्			.	तमिन्द्रं वाजयाम	૨ ૦	१३७	१२
ब ात्यस्तृतीयां	8.त	\$3	ų	तिममं देवतामणि	१०	3.	₹8
तद् यस्येवं विद्वान्				तमीमह इन्द्रमस्य	રે૦	३ ६	, W.
वात्ये।तिथिः	ર્પુ	११	१	तमु नः पूर्वे पितरो	२०	३ ६	ર
ाड् यस्यैवं विद्वान्				तमुण्डुहि यो	· &	. १	ર
वात्यो हितीयां	१५	१३	3	तमृचरच सामानि	કૃષ્	\$.	6
ाद्स्यैवं विद्यान्		•		तमृतं च सत्यं	ર્યુ	E	(q
वात्ये।परि	१५	१३	ઢ	तमृतवश्चार्त	ર્લ્	Ę	१७
ाद्यस्यैवं विद्वान्		• •		तम्बभि म गायत	20	६१	ક
वालो राह्रो	१५	१०	१	तम्वभि य गायत	२०	६२	6
ाद् वाश्रथर्वणः	१०		९७	तयार्चुदे प्रसुत्ता	११	8	20
द् नात उन्मधाय		(33	1	तयाहं शत्र्नसा	2	₹ 9	مر بن الرو
ाहू विषं सर्वा	6.80		१६	तयोरहं परिवृत्व	१०	9	
द्विष्णोः परमं पदं	9	२६		तरि विश्वदर्श	83	[ુ] ૨	8 t
इ वै राष्ट्रमास्त्रवति	ų	3.8	=	तरिणविंश्वदर्श	२ . २०	୪୭	36 88
व वो गाय सुते		2 000	- :	तरी मन्द्रासु प्रयस्तु	4.0	23	१६

	सु०	কাঁ০ :	Ho		स्०	T io	Ho
तर्दहै पतज्ञहै जभ्य	&	yoʻ	2	तस्मै प्रतीच्या विशो	१५	ક	9
तद्पिते वधापते	\$	yo	3	तस्मै प्राच्या दिशो	ęų	ď	Ą
तव चतस्रः प्रदिश	११	R	१०	तस्मै प्राच्या विशः	- १५	ક	٤
तव च्यौतनानि	२०	30	eq	तस्मै वात्यायास	१५	રૂ	3
तव त्यदिन्द्रियं	२०	१०६	8	तस्मै सर्वभयात्र	لإقو	y	१४
तव धौरिन्द्र पौंस्यं	२०	१०६ -	२	तस्य श्रनु निभ	२०	१३१	ર
तव व्रते निविशन्ते	ઇ	२५	રૂ	तस्य देवजनाः	80	3	१७
तवेदं विश्वमभितः	२०	८७	E	तस्य प्राशं त्वं जहि	२	२७	9
तस्तुवं न तस्तुवं	y	१३	११	तस्य वात्यस्य	\$00	ફળૂ	<u> </u>
तस्मा श्रभ्रो भवन्	3	$\xi(\mathcal{G})$	६	तस्य वात्यस्य	१५	१८	-
तस्मा अरंगमाम	१	cq.	3	तस्य०। पकं तदे 🕆	१५	१७	80
तस्मा उद्गिच्या	१५	ક	१०	तस्य०। यदादि	80	१७	&
तस्मा उदीच्या	१५	ď	Z	तस्य० । योस्य			
तस्मा उद्यन्तसूर्यो	8	$\mathfrak{F}(\alpha)$	8	चतुर्धोपानः	کو دی	१६	૪
तस्मा उषाहि	3	६(પૂ)	8	तस्य०। योस्य			
तस्मा ऊध्यांया	१५	8	१६	चतुर्थो व्यान	६५	१७	8
तस्मा ऊध्वीबा	१५	Co	१२	तस्य०। यास्य			
तस्मात् पितृभ्यो	gued actus	१०(३)	ક	चतुर्थःप्राणो	80	१५	E
तस्माद्मुं निर्भजा	१६		३१	तस्य०। ये स्य			_
तस्माद्मुं निर्मजा	१६	. 6	२	तृतीयापानः	80	१६	3
तस्माद्श्वा अजा	१६	É	१२	तस्य । योस्य		9 9.0	,
तस्माद् देवेभ्यो	gard and	१०(३)	É	तृतीयो व्यानः	84	१७	3
तस्मानमनुष्येभ्यः	(con	१०(३)	700	तस्य०। योख	•		
तस्माद् यज्ञात् सव	१६	. દ્	१३	तृतीयः प्राजः	१ %	१५	٩
तस्माद् यज्ञात् सर्व	88	E	દ્રષ્ટ	तस्य०। योस्य		5.0	:
तस्माद् वनस्पतीनां	. 6	१०(३)	ર	द्वियीयोपानः ————————————————————————————————————	કૃપું	१६	ર
तस्माद् वे ब्राह्मगा	१२	y	80			ტ.ტ.	
तस्माद् वै विद्वान् पु	११	700	३२	1	6.7	१७	3
तस्मिन् हिरएयये	१०		32	तस्य । योस्य			3
तस्मै घृतं सुरां	१०		ų	द्वितीयः प्राणः	84	१५	8
तस्मै द्विणाया	ફ્યૂ		8	तस्य०। योस्य			
तस्मै दिच्चगाया दि	शो १५	. દે ષ્		and the same	શ્ યુ	१६	ų
तस्मै ध्रुवाया दिश्	१ १७	8			` "		* **
तस्मै भुवाया दिश	1	<u>'</u>			M -		
तस्मै प्रतीच्या दिश	n sy	Y Å	. 8	पश्चमो व्यान	स्त १५	\$ 80	9 4

on transport and president can achieve or advantable of the contract of the co	দ্ধাণ	सू०	म॰ ं		কাঁ০	सु०	Ho,
तस्य० । योस्य				तस्येदं वर्चस्तेजः	१६	ment feat	ઇ
पञ्चमः प्राणः	१५	84	9	तस्येदं वर्चस्तेजः	१६	400	३३
तस्यं । योस्य				तस्येमे नव कोशा	१३	8	१०
प्रथमः प्राण	१५	१५	3	तस्येमे सर्वे यातव	१३	ક	२७
तस्य०। यास्य				तस्यैष मारुतो	१३	8	7
प्रथमोपानः		१६	. १	तस्योदनस्य वृह	११	ą	2
तस्य० चि।स्य				ता अधराद्वीची	१२	ર	८१
प्रथमो व्यानः	१५		·	ता श्रापाः शिवा	१६	ર	y
तस्य०। यास्य	. •			ता अर्षन्ति शुभि	२०	28	3
षष्ठोपानः	ક્લ્	१६	દ્	ता श्रह्य नमसा	२०	808	3
तस्य०। ये।स्य				तः अस्य पृतना	२०	308	२
षष्ठो व्यानस्त	१५	१ ७	ક્ષ	तानश्वत्थ निः श्ट	SE SE	. &	२
तस्य०। योस्य				तानि कल्प इ	११	cq.	२६
षष्ठः प्राणः	१५	१५	~	तानि सर्वाग्यप	१२	y	११
तस्य । यास्य				ता नः प्रजाः सं	१२	. 8	१६
सप्तमोपानः	કૃપૂ	१६	9	तान्त्सत्योजाः प्र दह	૪	રૂદ	3
तस्य । यास्य	1			ताबुवं न ताबुवं	y	१३	१०
सप्तमो व्यानः	१५	<i>ई1</i> 9	Ø	तामन्तको मार्ख	4	६०(८)	Ġ
तस्य०। यास्य				तामाद्द्रानस्य	१२	⁶	ų
सप्तमः प्रागी	र्र प्	१५	. &	तामासन्दी वात्य	१५	3	3
तस्य । समानम	१५	१७	T	तामुपाह्वयन्त	done done	१०(२)	3
तस्या आहननं	१२	¥	38	तासूजी देवा	6	80(1)	ેક
तस्या इन्द्रो चत्स	Siret Siret	१०(२)	4	तार्धार्यारसे समिधः	€#	38	१५
तस्या इन्द्रो वत्स	2	80(4)	ঽ	ता वजिएां मन्दि	२०	33	3
स्स्या श्रीष्मश्च	१५	3	용	तावद् वाँ चचुस्तति	१२	રે	२
तस्यामनुर्वेव	2	१०(४)	१०	तावन्तो अस्य महि	38		35
तस्याम् सर्वा नद्य	१३	ક	22	तावांस्ते मधवन्	१३	ં છે	88
तस्यामृतस्येमं			२२	तासामेका हरि		१२८	Ą
तस्यामेवास्य तद्	84	१३	१४	तालु त्वान्तर्जरस्य		१०	G
तस्या यमो राजा	died done	80(8)	દ	तास्ते रचन्तु तव	ઢ	ų	ZE
तस्या विरोचनः	6	१०(४)	₹	तां तिरोधामि त	one,	१०(५)	१२
तन्यःश िय न्द्रथः	2	१०(५)	- 8	तां देवमनुष्या		१०(२)	
ास्यास्त ज्ञाको	€2	१०(५)	. 83	तां देवात्रमीमांस	१२		કર
तस्याः कुवेरो	Gard Cana	१०(५)	१०	तां देवः सविता		१०(५)	
तस्याः स्रोमो राजा	Tipon Tipon	ક ેશ (ક	3)80	तां द्विमूर्घात्व्यो	-	80(8)	3

announted Scholard (* 1974). A season and announced the season and	कio	स्०	Ho		aio	स्० र	40
तां भृतराष्ट्रः		१०(५)	१७	तुभ्यमेव जरिमन्	२	22	8
तां पूर्व छित्रतमा	१४	2	3८	तुभ्येदिन्द्र स्वश्रोक्ये	२०	રષ્ઠ	(m)
तां पृथी वेन्यो	-	१०(४)	११	तुभ्येदिमा सवना	२०	৩ঽ	8
तां चृहस्पित		१०(४)	१५	तुभ्यं चातः पवतां	. 6	8	¥
तां मायामसुरा		१०(४)	ક	तुभ्यं खुतास्तुभ्य	२०	કદ્દે :	२
तां में सहस्राची देवो		20	8	तुरगयवा मधुमन्तं	२०	388	ર
ताँ रजतनाभिः	7	१०(५)	११	तुराणामतुराणां	9	yo	२
तां वसुरुचिः		१०(५)	9	तुविद्यीयो वपोद्रः	२०	(e	२
तां सवितः सत्यस	9	१५	ং	तृचेम्यः स्वाहा	१६	રરૂ	१६
तांस्तवं प्र च्छिन्दि	१०	3	१६	तृणानि प्राप्तः	3	9	२२
तां स्वधां पितर	4	१०(४)		तृणैरावृता पल	3	25.	१७
तां इ जरितर्नः	२०	१३५	O	तृतीयकं वितृतीयं	Å,	र्२	१३
तिग्ममनीकं विदितं	ક	२७	9	तृतीयेभ्यः शङ्खेम्यः	38	२२	१०
तिग्मो विभाजन्	१३	ર	३३	तृन्द्धि दर्भ०	१६	₹8	२
तिरिवराजेरसि	G	ુ પૃદ્	१	तृष्टमेतत्कदुक	ંકંક	3	२६
तिर्यग्विलश्चमस	१०	4	٤	तृष्टासि तृष्टिका	9	११३	ર
तिष्ठावरे तिष्ठ पर	. १	१७	२	तृषिके तृष्टिवन्द्न	(9	११३	8
तिसरच में तिंश्च	tı	१५	3	तृष्णामारं चुधामार	ક	१७	9
तिस्रो जिह्ना घरुण	१०	१०	२८	ते अधराञ्चः प्र	Ą	É	9
तिस्रो दिवस्तिस्रः	ઇ	. ૨૦	7 2	ते ग्रधराञ्चः प	3	२	१२
तिस्रो दियस्तिसः	१६	२७	3	तेऽवदन् प्रथमा	y	१७	8
तिस्रो दिवो अत्यतु	१८	32	ઇ	ते कुष्ठिकाः सरमायै	3 1	ક	१६
तिस्रो देवीर्म हिनः	¢,	३ ३	٠,	ते कृषि च सस्यं च	Care.	६०(८)	85
तिस्रो मातृस्त्रीन्	. 8	8	१०	ते त्वा मदा अमद	२०	२१	E
तिस्रो मात्रा गन्धव	rf i	રૂ રહ	દ્	ते त्वा मदा इन्द्र	२०	१२	¥
तिस्रो ह प्रजा	- १	> 2	. 3	ते त्वा रक्षुन्तु ते	X	\$	ક ક
, तीदगीयां सः	. 1	ર	8	ते देवेभ्य आ	\$5	ર	Yo
तीद्योनाग्ने चचु	3	ing the	3 \$	तेन तमभ्यतिख	१५	. 8	y
तीक्णों राजा वि	१	६ ३३	રે જ	***	હિ		Ş
तीच्यो यवो बाह्य	1	५ १	3 =		3 8		
तीर्थेस्तरन्ति	ર	=	و ډ		१६		8
तीवस्याभिवयस्रो	२	3 0	६ १		१६		
तुञ्जेतुञ्जे य उत्त	ं २	0	० १३				
तुभ्यमञ्जे पर्यवहन्		8	२ १	तेषाम सन्नानां	3		
तुभ्यमारग्याः	१	.8	ને રક	तेषां न कश्चना	B	$\xi(\xi)$	ec.

	CLESCONOS PRODUCTION	NICOMORNICANIONALI, MARRO	-	AND THE PROPERTY OF THE PROPER	DATE OF THE PROPERTY OF THE PR	SENSOR PROPERTY.	Cristolicum
	₹io	स्०	Ho		कां०	सु०	Hо
तेषां प्रज्ञानाय	3 8	Contract of the contract of th	ળુ સ્	तं समाध्नाति	१३	ર	१५
तेषां लर्वेषामीशा	38	3	२६	तं सुद्द्रत्या विवासे	२०	४४	ગ્
ते जत्थेन अनसा	्२०	٤٤	=	तं हि स्वराजं वृषभं	२०	११३	२
तैस्त्वा सवै रिम	8	१६	8	त्यमृषु वाजिनं	S	27	Ş
तै।दी नामासि कत्या	१०	8	રક	त्रपु भस्म हरितं	११	38	700
ते।वित्तिकेवेलया	દ્	१६	જ્	त्रयस्त्रिंशद् देवता	38	२७	१०
तं घेसित्था नमस्वि	२०	કર	શ્રુષ્ટ	त्रये।दशर्चभ्यः	१६	२३	१०
तं जहि तेन मन्दस्व	१६	9	१२	त्रया दासा ग्राञ्ज	ક	3	6
तं ते सदं गृणीमिस	२०	६१	१	त्रया लोकाः सं मि	१२	3	२०
तं त्वा बाजेषु वे	२०	82	\$	त्रयः केशिन ऋतुथा	3	१०	२६
तं स्वा स्वम तथा	१६	ď	१०	त्रयः पोषास्तिववृत्ति	y.	२=	. च
तं त्वा स्वप्न तथा	१६	4	રૂ	त्रयः खुपर्णा उप र	१=	8	8
तं त्वा स्वम तथा	3.5	७७	ઇ	त्रयः सुपर्गास्त्रवृ	¥	२व्य	en de
तं त्वोद्नस्य	43	25	२२	त्रातारमिन्द्रमवि	9	८६	8
तं धाता प्रत्यसुञ्च	१०	Sec.	२१	त्रायन्तामिमं	ક	१३	ક
तं पुरायं गन्धं	200	१०(५)	2	त्रायन्तामिसं	6	9	ર
तं पृच्छुन्ती वज्रह	ર્ક	३६	હ્યુ	जायध्वं ने। अववि	8	83	\$
तं प्रजापतिश्च	e Cap	E.	24	त्रायमार्गे विश्वजि	દ	१.०७	3
तं प्रजापतिश्च	१५	9	२	त्रिकहुकेंभिः पव	१द्य	3	E
तं बृह्च रथंतरं	94	2	રૂ	त्रिकदुकेषु चेत नं	२०	११०	Ę
तं भूमिश्चान्निश्चौ	१५	- &	२	त्रिकदुकेषु महि	२०	28	8
तं यज्ञायज्ञियं	84	2	१०	त्रिते देवा अस्मृजतै	દ્	१८३	१
तं यज्ञं पाद्याच	8,8	દ્	११	त्रिभिः पद्भिद्यमि	38	ફ	२
तं वत्सा उप तिष्ठ	83	B	હ	त्रियांतुधानः प्रसितिं	. 25	ঽ	११
तं वर्धयन्ते। मति	ঽ৹	83	3	त्रिशोषाँगं त्रिक	¥.	२३	3
तं वां रथं वयमचा	२०	१४३	8	त्रियन्धे तमला	११	१०	१&
तं वृक्षा अप सेधन्ति	ų.	१६	3	त्रिषु पात्रेषु तं	१०	१०	१२
तं वैक्षं च वैराजं चा	१५	२	१६.	त्रिष्ट्वा देवा- श्रजन	38	<i>3</i> 8°	8
तं वो द्रमञ्जीपहं	२०	٤	११	त्रिंशसामा विरा	Ę		\$
	સ્વ	યુદ	ક	त्रिंशद्धामा विरा	રં૦	8=	8
तं वो घिया नव्य	२०	38	૭	त्रिः शाम्बुभ्ये।	१ड		હ્યુ
तं वो वाजानां पति	२०	६४	ૅફ	त्रीणि च्छन्दांसि	§ 22	٠ १	१७
तं रयेतं च नौधसं	ę y	. 8	२२	त्रीणिते कुष्टा ना	१8	રેહ	ર
तं श्रहा च ग्राश्च	ર્પૂ	9	ક	त्रीणि पदानि म	2=		છ૦
तं सभा च सामिति	१५	£ .	ર	त्रीणि पदावि	9	२६	٠ دم

	कांo	स्र	म०	v 1	ario	सू०	मं ०
त्रीणि वै वशाजातानि	१२	૪	80	त्यया वयं शास्त्रवहे	२०	१०७	C
त्रीरायुष्ट्रस्य नामानि	२०	१३२	१३	त्विय रात्रि वसा	₹ €	୧୫	3
त्रीन्नाकांस्त्री न	38	ર ૭	ક	त्वष्टा जायामजन	. 8	3E	3
त्रेधा जातं जन्म	ų	₹८	Ę	त्वष्ठा दुहित्रे	₹ ≅	. 8 .	पूर्
त्रेघा भागो निहि	११	ę	ų	त्वष्टा दुहित्रं		38	y
ज्यायुषं जमद्शेः	y	₹=	O	त्वष्टा में देव्यं	६	ક	8
त्वज्ञातास्त्ययि	१२	۶	१५	त्वष्टा युनक् बहु	y	२६	6
त्वमग्न ईडितो जा	१८	3	ઇર	त्वद्या वासो व्यद	. (8	8	43
त्वमग्ने ऋतुभिः	१३	3	53	त्वष्टः श्रेष्ठ न	ų	50	88
स्वमग्ने यातुधाना	ষ	૭	9	त्वामाने वृग्ति	É	É	2
त्वमग्ने वतवा असि	38	3.5	8	त्वामाहुदैववर्म	3.8	३०	3
त्वमसि सहमानो	. 88	३२	ų.	त्वामिद्धि इवामहे	50	&E	§ .
त्वमस्यावपनी	१२	Ą	६१	त्वाभिनद् ब्रह्मस्य	ঠুঞ	8	१४
त्वमाविथ सुश्रंव	२०	28	80	त्वामुग्रमवसे	२०	Eo	२
त्विमन्द्र-कपोताय	२०	१३५	१२	त्वाष्ट्रे गाहं वचसा	9	68	3
त्विमन्द्र प्रतृतिं	२०	१०५	8	त्वां जना ममजल	२०	⊏8	8
त्विमन्द्र चलाद्	. ર ં	કર	y	त्वां विशो बुगातां	3	ક	२
त्वमिन्द्र शर्मरिणा	80	શ્રેપુ.	કે દ	त्वां विष्णुवृहिन्द	२०	\$08	3
त्वमिन्द्र सजोपसं	२०	£ 3	9	त्वां शुध्मिन् पुरुहृत	30	१०=	25
त्वमिन्द्रस्त्वं	१७	१	१्स	त्वां स्तर्य धीतये	२०	રક	8
त्वमिन्द्राधिराज	દ	=3	ર્	त्वां स्तामा अवी	२०	8,8	ર્દ્
त्वमिन्द्रा पुरुहूत	88	44.	ક્	त्वे क्रतुमपि पुञ्च	¥Ž.	. ?	3
त्वन्द्रिाभभूर	ર	० ६३) &	त्वे ऋतुमपि पृष्च	२०	१०७	દ્
त्वमिन्द्रासि भूर	२०	£3	=	त्वेषस्ते धूम	8 ==	ક	y'E
त्विमन्द्रासि विश्व	<i>হ</i>	१	११	त्वं करअमुत	२०	२१	Santa.
त्वमिन्द्रासि चुत्र	२०	_	દ્	त्वं काम सहसासि	38	ก๋ร์	- 3
त्वमीशिषे पश्नां	Ę	. 35	37	त्वं तिमन्द्र पर्वतं	२०	१५	દ્
त्वमीशिषे सुता	20	63	- 3	त्वं तृतं त्वं पर्ये	80	१	र्पू
त्वमेतां जनराश्चो	ર્	२१	8			३०	4
त्वमादनं प्राशी	११	3	૨૭	त्वं दाता प्रथमो		१०४	
त्वया पूर्वमथर्वाणो		३ ३७	१		२०		
त्वयात्र मूणे सृदि	हर	, y	६१	त्वं न इन्द्र महते	१ुड	ર્	
त्वया मन्यों सरथ		3 38	2	त्वं न इन्द्रा भरें	२०	80=	
त्वया वयमप्ससरसं		३७	ર	त्वं न इन्द्रोतिभिः			
त्वंया ययं शाशामहे	ų	२	ų	त्वं चुभिर्नृमणो	ব ৃগ	. કુંબ	8
				Programme and the second			

Company	কাঁ০	स्	Ho		कां०	सृ०	Ho
त्वं ने। अपने अपिन	3	२०	y,	तर्व स्त्री त्वं पुमान	१०	San Part	२७
त्वं नो अग्ने अधरातू	¢.	100 p	38	त्वं हं त्यत् सप्तभ्यो	20	१३७	१०
त्वं ने। नमसस्पत	E	30	२	त्वं इ त्यद्यतिमा	२०	६३७	११
त्वं नो मेधे प्रथमा	હ	१०८	१	त्वं इ त्यदिन्द्र कुत्स	२०	३७	ं २
्रत्वं भूमित्येष्या	3.8	33	રૂ	त्वं हि नः पिता	२०	१०८	ર
त्वं मणीनामधिया	8 है	38	११	त्वं हि मन्यो श्रभि	ક	३२	8
त्वं रत्तसे प्रदिशश्च	Ġ	१	१६	त्वं हि विश्वतो मुख	ક	33	8
त्वं वस्मोसि सप्रथ	२०	१८	E	त्वं हिं शश्वतीना	20	દ્દક	ą
त्यं वीरुघां श्रेष्ठतमा	દ્	१३्ट	१	त्वं हि स्तोमवर्धन	૨૦	₹8	,
त्वं वृषाक्षुं मघवन्	२०	१२=	१३			-	१
त्वं सिन्ध्रँवास्	રર	13	3	त्वं हा १इ वरुण स्वध	t y.	58	y
त्वं सुतस्य पीतये	२०	33	ક	त्वं हाङ्ग वरुण ब्रवी	y	£ 8.	9

	WALL TO SERVICE	NET DESCRIPTION OF THE PARTY AND ADDRESS OF THE PARTY ADDRESS OF THE PARTY ADDRESS OF THE PARTY AND ADDRESS OF THE PARTY ADDRESS OF THE PARTY ADDRESS OF THE PARTY ADDRESS OF THE PARTY AND ADDRESS OF THE PARTY ADDRESS OF THE PARTY ADDRESS OF THE PARTY ADDRESS OF THE PARTY	CHARLEST STREET	PRODUCTION OF THE PROPERTY OF	magazina managarina kalar	PER MENTAL PROPERTY AND PROPERT	WATER CONTRACTOR
दक्तिणा दिगिनद्रो	સ્	ર૭	ર	दश शाक्मजाय	११	r.	n
द्त्तिणाया दिशः	3	ર	२६	दह दर्भ लपतान्	१६	28	6
द्तिणाये त्वादि	१२	3	4 8	दाना मुगो न वारणः	२०	५३	२
द्विणां दिशम	१२	રૂ	ė	दाना मृगो न वारणः	२०	y o	85
दिच्णायां त्वा	१८	3	35.	दिन्नु चन्द्राय	8	3,8	G
द्णडं हस्तादाद	१८	૨	3,2	दितिः शूर्षमदि	११	35	ઇ
ददामीत्येव ब्र्या	१२	8	8	वितेश्व वै सोदिते	8.7	દ્	२१
द्दाम्यास्मा अवसा	१ट	२	3,9	दितेः पुत्राणां	و	\$	۶
दिहर्द महां वरुणो	tą.	१३	Ą	दिवस्त्वा पातु हरि	ų.	२८	3
द्धिकाल्गो अका	२०	१३७	જ્	दिवस्पृ थिव्याः	દ	१२५	२
वधिष्या सहरे	२०	· &	ų	दिवस्पृथिव्याः	3	. ₹	શ
दम्ना देवः सविता	Ø	१४	ક	द्वस्पृथिव्याः	११	भ	9
दर्भेण त्वं कुण्वा	38	33	° Cag	दिवस्पृष्ठे धावमा	१३	2	30
्दर्भें ए देव जातेन	38	३२	৩	दिवा मा नक्तं यत	t.e.	२६	3
दर्भः शोचिस्तक	१०	¥	ર	दिवि जातः समुद्र	8	१०	ક
दशीय मा यातुषाना	ે 8	२०	ક્	दिवि तं तूलमोपधे	8,8	32	3
दशौंसि दर्शतीस	9	æ १	8	दिवि त्वा त्रिएघा	१३	२	१२
दश च में शतं च मे	y	१५	१७	दिवि न केतुरधि	२०	३०	ક
दशर्चेभ्यः स्वाहा	38	२३	હ	दिवि स्पृष्टो	२	२	२
दशवृत्त मुञ्चेमं	ર	&	· 8	दिवे चत्तुषे	Ĝ	80	3
	a						

	कां०	स्०	Ħо		কাত	सू०	म०
दिवे स्वाहा	ų	8	. १	हड़ो हंह स्थिरा	११	9	8
दिवे स्वादा	ų	3	t,	दप्रमद प्मतृह	२	३१	ર
दिवो चु मां बृहतो	દ	१२४	٤	दंह प्रतान् जनया	8	१३६	ર
दिवा मादित्या	१६	१६	ર	हंह मूलमाग्रं यच्छ	É	१३७	₹
दिवो मादिन्या	3.8	૨૭	શ્પૂ	देवजना गुदा	3	9	१६
दिव मृतमव	ર	9	na.	देव त्वप्रतिसूर्य	२०	१३०	१०
दिवां विष्णु उत वा		24		द्वपीयुश्चरति	ď	१८	. 83
दिवं च रोह पृथिवीं	१३७	१	રૂપ્ટ	देवयन्तो यथा	२०	90	२
दिवं पृथिवी	રૂ	૨ १	Ġ	देव संस्फान	દ્	36	Ą
दिवं ब्रमो नत्तत्रा	११	Ę	१०	दंबस्ते सविता	१४	१	88
दिव्यस्य सुपर्णस्य	ક	२०	A.	देवस्य सवितु	१०	¥	१४.
दिव्या दित्याय	8	. 38	وو	देवस्य त्वा सवितुः	. 58	48	ર
दिव्या गन्धर्वी	ર	ર	१	देवस्य सवितुः	ક્	२३	₹
दिव्यं सुपर्णं पयसं	و	3,8	१	देवहेतहि यमाणा ।	•	Eq.	२8
दि शश्चतस्त्रो		=	२२	देवा श्रम्भे न्यपद्यन्त	१४	?	३२
दिशां प्रज्ञानां	१३	. 2	્ર	देवा अदुः सूर्यो	6	800	٤
दिशा ज्यातिष्म	१०	ų	३⊏	देवा अमृतेनाद	\$8	₹ 8	
दिशोदिशः शाला	3	ત્ર	३१	देवा इमं मधुना	દ્	30	8
दिशो घेनवस्तासां	ક	38	٠	देवाञ्जन जैककुदं	११	કક	હ
दीर्घ स्तवे अस्तवङ्	२०	eq	ક	देवा ददरगासुरं	२०	१३५	१०
दीर्घ युत्वाय	ર	ક	Ş	देवावामस्थि कुशमं	ે8	१०	9
दुन्दुमेर्वाचं प्रयतां	t _e	২০	Y.	देवानामेतत् परिषू	88	ų.	२३
दूरदभ्नैतमा शये	ફર ે	ક	3.8	देवानामेनं घोरैः	१६	9	ફ
दुरो श्रश्वस्य	२०	२१	ર	देवानां निहितं	१६	૨ ક	8
दुर्शामा च सुनामा	. 6	દ	૪	देवानां पत्नीनां	88	ďð	- 3
दुर्म- बत्रासृतस्य	१=	१	३४	देवानां ुपत्नीरुशती	9	BE.	₹.
दुर्हादः संघोरं	१६	३५	. 33	देवानां पत्नीः पृ	3	৽	દ
दुष्ट्यै हि त्वा	ેર	<i>a</i>	وم	देवानां भाग	3	8	Ų
दुष्वध्यं काम		્ર		देवानां हेतिः		ę	
दुहे सायं दुहे प्रात		११		देवान् यन्नाथिता	9	308	9
दुहां में पंच प्रदिशो	3		3	देवा यज्ञमृतवः	\$ E	ક	२
दुद्दां मे पंच प्रदिशो दूराचकमानाय	3.8	५२	· 3	देवा वशामयाचन्मुर	वं १२	4	२०
दूरे चित् सन्त	3	3		े हेवा वशामयाचन्या	स्मन्१	ર ઇ	્રસ
दूरे पूर्णेन वस्र्य	१०			देवा वशां पर्यवदन	१२	ક	88
दृष्या दृषिरसि	2	११			¥	કે જી	8
49 W		*		â			

	MONEY MANAGEMENT AND ASSESSMENT	A STATE OF THE PARTY OF THE PAR	No.				
	कां०	सू०	Ho		কাত	स्०	Ho
देवास्ते चीतिम	ર	3	૪	द्यावापृथिवी दातृ	-× q	२३	3
देवाः कपोत रिपतो	E	ર૭	१	द्यावापृथिवी श्रो	११	3	ર
देवाः पितरो	११	9	२७	द्यावा ह ज्ञामा	१८	१	२६ .
देवाः पितरो	१०	3	3	द्युत्तं सुदानुं	२०	3	ર
देवाः पितरः	. ६	१२३	3	युनं सुदानुं	२०	88	A
देवी देव्यामधि	હ	१२६	夂.	द्युमन्तस्त्वेधीमहि	१=	₹	y o
देवी इनत् कुहनत्	२०	१३२	११	द्युम्नेषु पृतनाज्ये	2.0	१६	9
देवेभ्यो अधिजातो	¥	ક	9	द्यौर्घेनुस्तस्या आ	ક	3,8	E
देवेभ्यः कमवृणी	१=	3	કર	द्यौर्नः पिता जनि	3	१०	१२
देवैनसात् पिङ्या	. १०	१	१२	चौश्चम इदंपृथि	६	५३	१
देवैनसादुन्मदि	દ	१११	3	द्यौश्च म इदं पृथि	१२	१	¥.
देवैर्द्त्तेन मणिना	ર	પ્ર	ક	चौष्ट्रा पिता पृथिवी	ર	₹=	ક
देवैद्तं मनुना	१४	ર	ક ર	द्रव्समपश्यं विषु	२०	१३७	Z
देवो अग्निः संक	१२	२	१२	द्रव्सश्चस्कन्द्र	र्ष	ક	२=
देवो देवान् परिभू	१८		३०	इपदादिव मुमुचान	ફ	११५	રૂ
देवो देवान् मर्चय	१३		80	द्वादशघा निहितं	દ્	११३	₹ .
देवो देवाय गृग्ते	'n	११	११	द्वादश प्रधयश्च	१०	-	ુ ક
देवो देवेषु देवः	ų	२७	ર	• हाद्शर्चभ्यः स्वाहा	38	२३	3
देवो द्रविणोदा	२०	ર	ક	द्वादश वा एता	ક	28	११
देवो मणिः सपत	38	38	C	द्वादशारं नहि	3	3	१३
दैवा होतार अर्ध्व	ų	રહ	3	द्वारो देवीरन्वस्य	. Y	₹9	9
दैवीर्विशः पय	3	ક	3	द्वाविमी बातौ बात	8	१३	२
दैवीः षदर्वीहरू नः	ų	. ३	દ્દ	द्वा सुवर्णा सयुज्ञा	3	3	२०
दैव्या होतारा	ų	१२	ی	द्वितीयेभ्यःशङ्खे	१६	२२	3
दोषो गाय बृहद् गय	r ६	१	8	द्विभागधनमा	१२	ર	34
दोहेन गामुहप	२०	3=	२	द्विषतस्तापयन्	१६	२८	ર
दीव हस्तिनो	२०	१३१	२०	द्विषते तत परावह	१६	દ્	3
दौष्वप्नयं दौर्जीवि	9	२३	१	द्विषों नो विश्वतो	ં ૪	३३	9
दौष्वप्यं दौर्जीवि	ક	१७	y	द्वे च में विंशतिश्च	وو	ं१२	ર
द्यावा चिद्स्मे	२०		१४	हे ते चक्रे सूर्ये	१४	१	१६
द्यावापृथिवी अनु	ર		ų.	द्रौ च ते विंशति	33	કુ	
द्यावापृथिवी उप	, ફ		ર	ह्यो वा ये शिशवः	२०	१३=	२ १५
द्यावापृथिवी उर्व	२		१	इथास्याचतु रत्तात्	4	E	२२
THE STREET OF THE STREET STREET, STREE	Contraction Contraction	Sepresación Seprences	NATION AND PROPERTY.	SANTA SEPTEMBER OF THE PROPERTY OF THE SECTION OF T		BENEVATA AUGUSTONIA	CHIPONUO

ध

**************************************	কাত	स्०	Ho	COMPANY CONTRACTOR OF A CONTRA	कां०	सु०	म०
धनुर्विभर्षि हरि	११	, e	१२	धानमो धानमो	9	23	ર
धनुहस्तादाददा	१=	ેર	૬૦	धिये समशिवना	હ્	૪	3
धनं न स्पन्द्रं बहुलं	२०	33	. 4	धीती वा ये अनयन्	9	8	१
धन्व च यत् क्रन्तन	२०	१र६	२०	घीभिः कृतः प्र	e q.,	२०	=
घरतयसि शाले	રૂ	१२	3	धुनेतयः सुप्रकेतं	२०	EC	ર
धर्ता ध्रियस्व	१२	રૂ	34	धूमाची संपततु	११	१०	9
धर्तासि धरुणो	१=	રૂ	३६	धृषत् पिब कलशे	9	હફ	E
धर्ता इ त्वा धरुणो	१८	3	રક્ષ	धेनुष्ट इन्द्र स्नृता	२०	२७	ર
धाता च सविता	3	9	१०	भ्रुव आरोह पृथि	१८	ે 8	8
धाता द्धातु दाशुषे	9	१७	* .	भूवा दिग्विष्णुराधि	3	२७	ų.
धाता दधातु नो	ی	१७	१	भ्रुवा चौभ्रुं वा	દ્દ	ረኳ	१
धाता दाधार	દ્ધ	६०	३	घुरुवाया दिशः	3	3	२६
घाता मा निऋं त्या	ं १८	3	२६	घ्रवायां त्वा दिशि	१्≡	3	રૂક
घाता रातिः सवितेद			ર	ध्रुवाये त्वा दिशे	१२		
धाता रातिः सविते	9	१७	શ્	ध्रुवयं विराग्नमो	१२	. રૂ	११
धाता विधाता	ધ્	ર	3	ध्रवोच्युतः प्र	સ	-	રૂ
घाता विश्वा वार्या	9	१७	Ą	ध्रुवं ते राजा वरुए	i ' &	-	ર
घातः श्रेष्ठ न क्पेणा	ų	२५	१०	ध्रवं घ्रुवेण ह	9	६४	3
धाना घेंचुरभवद्	१८	: 8	३२			Que gazan na descrive de filo	

4

and the same of the same	anno supra produce a processor de la compansa de la	· ·		DECEMBER/OFFICERS		Constitution of the consti
ų	११	ર	न च प्राणं ठण्डि	१५	જ	чų
१२	a	४८	न च सर्वज्यानिं	११	35	पृह
. २०	82	36	नडमा रोह न ते	१२	ર	. १
२०	११४	ર	न ता श्रर्वा रेखु	ક	२१	8
۶	२३ .	१	न ता नशन्ति न	. 8	२१	3
3.8	8	٤	न तिष्ठन्ति न नि	१८	१	8
૨૦	१७	૱	न ते नाथं यम्यत्रा	१८	₹.	१३
२०	9=	ર	न ते बाह्वोर्बलमस्ति	9	પ હ	Ę
20	१=	२	न तेवर्तास्ति राध	२०	29	8
9	१व	ર	न ते सखा सख्यं	१=	१	ર
E	१०(६)	२	न तं यदमा अरु	38	3	8
	१ २ ० ० ८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	१२	१२	१२ ३ ४८ न च सर्वज्यानिं २० ६२ ३८ न द्या रोह न ते २० ११४ २ न ता श्रवा रेगु १ २३ १ न ता नशन्ति न १६ ६ ६ न तिष्ठन्ति न नि २० १७ २ न ते नाथं यम्यत्रा २० १८ २ न ते वाह्वोर्बलमस्ति २० १८ २ न ते वर्तास्ति राध ७ १८ २ न ते सखा सङ्यं	१२ ३ ४८ न च सर्वज्यानिं ११ २० ६२ ३८ न द्या रोह न ते १२ २० ११४ २ न ता श्रवा रेणु ४ १ २३ १ न ता नशन्ति न ४८ १६ ६ ६ न तिष्ठन्ति न नि १८ २० ६७ २ न ते नाथं यम्यत्रा १८ २० १८ २ न ते वाह्वोर्बलमस्ति ७ १८ १८ २ न ते वाह्वोर्बलमस्ति ७ १८ २ न ते सखा सख्यं १८	१२ ३ ४८ न च सर्वज्यानिं ११ ३ २० ६२ ३८ नडमा रोह न ते १२ २ २० ११४ २ न ता अर्वा रेणु ४ २१ १ २३ १ न ता नशन्ति न ४ २१ १६ ६ ६ न तिष्ठन्ति न नि १८ १ २० ६७ २ न ते नाथं यम्यत्रा १८ १ २० १८ २ न ते बाह्रोबंलमस्ति ७ ५६ २० १८ २ न ते बाह्रोबंलमस्ति ७ ५६ ७ १८ २ न ते सखा सख्यं १८ १

	कां०	स्०	Ho		a io	स्०	Ho
न त्वद्न्यः क्रवि	દ્	११	ક	नमो रुद्राय नमो	દ	२०	ર
न त्वा पूर्वा श्रोष	१६	રેઇ	9	नमो कराय च्यव	S	११६	
न त्वा वां श्रन्ये।	२०	१२१	ે ર	नमो वः वितर ऊर्जे	१⊏	. 8	८१
नदी सूत्री वर्षस्य	3	و	18	नमो वः पितरो भा	≖ξ	૪	=3
नदीं यन्त्वप्सरस्रो	ક	30	३	नमो वः पितरो यद्	१=	ક	૮રૂ
न देवेष्वायृश्चते	१५	१२	દ્	नमो वः पितरो यच्		8	૮ક
न द्वितीयों न तृती	१३	ક	१६	नमो वः पितरः स्व	१८	ક	رام
न पञ्चमो न पष्टः	१३	8	१७	नमोस्तु ते निऋ ते	Ę	६३	ર
न पितृयाणं पन्थां	१५	१२	8	नमोस्त्वसिताय	દ	पृह	ર
निपशाचैः सं	8	३६	9	नमः शीताय	શે	સ્યુ	8
न बहवः समशकन्	8	ર૭	રૂ	नमः सनिस्न	ંર		بو
न ब्रह्मणो हिंसि	y	१=	દ્	नमः सायं नमः	११	ર	१६
म भूमिं वानोग्रति	ક	ч	ર	नयताम्न मृत्यु	6	T	११
न मत्स्रीसु भसत्त	२०	१२६	દ્	न यत् पुरा चकुमा	१८	१	ક્ષ
नमस्कृत्य द्यावा	9	१०२	?	न यस्याः पार	38	୪୭	ર
नमस्तस्मै नमो	8	વ	१२	नव च में नवतिश्च	ų	१५	3
नमस्ते अधिवाकाय	É	१३	ર	नव चया नवतिश्व	ફ	રપૂ	ર
नमस्ते अस्तु नार	१२	૪	ક્ષ્	न वनिषद्नाततम्	. ૨૦	१३२	9
नमस्ते अस्तु विद्युते	१	१३	१	नव प्राणान्नवभिः	ч	२⊏	ę
नमस्ते श्रस्तु पश्य	१३	ક	ರ್ಜ	नव भूमीः समुद्रा	१ १	, · · ©	१४
नमस्ते श्रस्तु पश्य	१३	8	ųц	नव या नवति	२१	9	ર
नमस्ते अस्त्वायते	११	8	9	नवर्चेभ्यः स्वाहा	38	२३	Ę
नमस्ते अस्त्वायते	११	ર	१५	नवर्षं मैत्रावरुणं	Ce	१६	१५
नमस्ते जायमानायै	१०	१०	۶	न वाउते तनूं	१८	ę	१४
नमस्ते घोषिणी	११	२	३१	न वा उसोमो	٠ د	8	१३
नमस्ते प्रवतो	१३	ŧ	ર	न विकर्णः पृथु	6	१७	१३
नमस्ते प्राण कन्दाय	११	ક	ર	न विज्ञानामि		१०	१५
नमस्ते शाण शाणते	११	8	6	नवैतं चत्तुर्ज	१०	ર	50
नमस्ते यातुधान	દ્	१३	3	नवैव ता नवतयो	c _q	3.8	११
नमस्ते राजन् वरु	₹	१०	२	न वै चातश्चन	3	ર	રય્ર
नमस्ते रुद्रास्यते	દ્	03	3	नवो नवो भवसि	.9	≖१	ર
नमस्ते लाङ्गलभयो	Ę	School Junes	ક	नवो नवो भवसि	१ध	१	રક્ષ
नमा गन्धर्वस्य	१४	ર	३५	नवं वर्हिरोदनाय	१२	ą	32
नमो देव वधेस्यो	હ	१३	१	नवं वसानः सुर	१४	२	કક
नमो यमाय नमो	y.	30	१२	नष्टासवो नष्टविषा	१०	છ	१२
			-		~		- ·

**************************************	कio	सू०	म०	· ·	æi	सु०	HО
न सेशे यस्य रम्बते	20	१२६	१६	निन्दाश्च वा श्रनिन्दा	११	Z	22
न सेशे यस्य रोमशं		१२६	१७	निम्र <u>ु</u> चस्तिस्रो	१३	3	38
नहिते अग्ने तन्वः	ફ	88	्र	नि येन मुष्टिह	२०	૭૦	१=
न हि ते नाम	રૂ	१=	` ع	तिरमुं चुद श्रोकसः	દ્	७५	9
नहि स्थूरयृ तुथा	२०	१२५	2	निरर्णि सविता	٠ ١	१८	ર
नाके राजन् प्रति	હ	१२३	ų	निरितो मृत्युं	१२	ર	३३
नाके सुपर्णमुप	१=	ર	६६	निरिमां मात्रां	१८	२	४२
नाध्व श्राद्ध्यते	3	३३	ર	निर्दुरमंगय ऊर्जा	१६	२	₹ -
नासिरहं रयीगां	१६	ક	१	निर्द्धिषन्तं दिवो	१६	Q	Ę
नाभ्या ग्रासीद	35	દ	6	निर्वतासेतः प्र	દ	१४	Ę
नाम नाम्ना जोह	१०	G	३१	निर्वतासं बलासि	દ્	१४	२
नामानि ते शतक	20	१६	3	निर्लद्भयं ललाम्यं	8	१८	· १
नाल्प इति घ्रया	११	३	३४	निर्वे चन्नं नयति	Cy.	१=	R
नाष्ट्रमो न नवमो	१३	ક	१८	निर्वो गोष्ठादजा	२	१४	ર
नास्मै पृक्षिः वि	y	१७	१७	निर्हस्ताः सन्तु	Ę	६६	3
नास्य केशान् प्रवप	38	३२	२	निर्हस्तेभ्यो नैर्हस्तं	Ę	ह५	3
नास्य चत्ता	ų	१७	१४	निर्ह्स्तः शत्रु	६	६६	8
नास्य द्वेत्रे पुष्करि	y	१७	३६	निवेशनः संगमनो	१०	. 4	धर
नास्य जाया शतवा	t _e	१७	१२	नि शीर्षतो नि पतत	ફ	१३१	8
नास्य धेनुः कल्याणी	, Å	१७	१्र	नि द्वापया मिथ्	२०	હજ	₹
नास्य पश्रंत् न	१५	ų	3	निः सालां धृष्णुं	२	१४	. 8
नास्य पश्न न	ર્પૂ	ų	१६	नीचैः खनन्त्य	₹.	3	३
नास्य श्वेतः कु	y	१ ও	१५	नीचैः पद्यन्ता	ર	8,8	3
नास्यास्थीान	3	ų	२३	नीलनखेभ्यः	88	२२	8
नास्यार्सिमल्लो	१५	१२	११	नीलमस्योदरं	१५	8	9
नाहमिन्द्राणिरार	२०	१२६	१२	नीलले।हितं भव	१४	१	२६
निच दर्भ सपतान	38	२६	8	नीलशिखगडवा	२०	१३२	१६
नि गावो गोष्ठे	દ્	पूर	2	नीलेनैवाप्रियं	84	· . 8	5
निगृह्य कर्णकी द्वौ		१३३	3	नुदस्व काम प्र	3	२	8
नि तद्दधिषेवरे	وم	ર	દ	नू इन्द्र शूर स्तव	२०	३७	११
नि तद् दिघषेवरे	२०	१०७	3	न् चिन्नु ते मन्यमा	२२	હરૂ	₹
निधनं भूत्याः प्रजाया	3	६(५)	3	नू ने। रिंग पुरुवीर		. १४३	Ę
निधनं भूत्याः प्रजाय	1: 8	६(५)		नृनं तदस्य काव्यो	8	8	*
निधि निधिषा	१२	Ą	४२		6	3	१०
निधि त्रिभ्रती	१२	१	88		્ર	२७	8
	•	, -		e e			

Recovered in the distribution of the second section of the second section of the second section section of the second section	कां	े सु॰	म		क्	स्०	Ho
नेमा इन्द्र गावो	२०	१२७	१३	नैनं प्राप्तोति	8	3	¥
नेमि नमन्ति	₹0	५४	રૂ	नैनं रत्तांसि	۶	34	ર
नेव मांसेन पीवसि	?	११	ક	नैवाहमोदनं	११	રૂ	३०
नैतां ते देवा श्रददु	ų	१⊏	ę	न्यग् वातो वाति	६	83	ર
मैतां विदुः पितरो	38	५६	ક	न्यस्का रुरोहिथ	. દ્	१३६	१
नैनं ध्ननित पर्याय	६	৽ ওহ	ક	न्यूषु वाचं प्रमहे	२०	२१	१
नैनं श्न्यन्त्यप्तर	=	″ Ų	१३	न्वतेनारात्सीरसौ	¥	દ્દ	ų

T

	e nio	स्०	म०	ordaniskalinen bedynder zuminnen ende. Dez bei 194 eige 1. Tyde (f. 200 am s. 200 printen), dezembergen	कां०	सुं०	HО
पन्ती जायान्यः पत	9	• ७६	ક	पनाय्यं तद्श्वना	२०	१४३	3
पञ्च च मे पञ्चा	ų	१५	¥	पयश्च रसश्चान्नं	१२	ધ્ય	१०
पश्च च याः पद्मा	E	२५	१	पयश्च वा एव	8	६(३)	ą
पञ्चदशर्चेभ्यः	38	२३	१२	पयस्वतीरोषधयः	3	રુક	8
पण्चपादं पिपरं	8	3	१२	पयस्वतीरोपघयः	१⊏	R	પુદ્
पञ्चिभः पराङ्	१७	8	१७	पयस्वतीः कृशु	દ્	२२	ર
पञ्च राज्यानि वी	88	દ	१५	वया धेनूनां रस	ષ્ઠ	૨૭	ą
पञ्च रुक्मा ज्योति	3	¥	₹ફ	परमांतं परावत	દ	OY	2
पञ्च रुक्मा पञ्च	8	eg	२५	पराक् ते ज्योतिरप	१०	१	१६
पञ्चचेंभ्यः स्वाहा	१८	२३	ર	पराच पनान् प्रशुद्	ষ	સ્પૂ	y
पम्चवाही वहत्य	१०	G	=	पराजिताः प्र	1000	E	१६
पम्च व्यष्टुरतुः	=	8	१प्र	पराञ्चं चैनं प्रा	११	Ę	२⊏
पञ्चापूर्पं शितिपा 🐇	રૂ	રફ	યુ	परादेहि शामुल्यं	१४	१	સ્પૂ
पश्चापूपं शितिपा	ર	રક	ų	पराद्य देवा वृजि	Z	ą	१४
पश्चारे चक्रे	8	3	११	परामित्रान् दुन्दुभि	ų	28	9
पञ्जीदनं पञ्चिम	ક	१४	ی	परा यात पितरः	٤E	ą	१४
पञ्चीद्नः पञ्चश्रा	8	ų	۷	परा यात पितरः	१८	ક	६३
पताति कुराडुणा	२०	હર	ફ	परा श्रुणीहि तपसा	१०	ų	કદ
पनी यहश्यते	२०	१३५	ų	परा श्ट्रणीहि तपसा	4	વ	१३
पथ्या रेवर्तार्बहुधा	3	૪	ی	परा हीन्द्र घावसि	२०	१२६	ર
पद्ञा स्थ रमतयः	9	૭૫	2	परि ग्राममिवाचितं	8	9	ų
पदा पणीरराधसो	२०	\$3	₹ ′	परिच्छिन्नः क्षेम	२०	१२७	27
पदोरस्या श्रधि	१२	ક્ષ	ų.	परि त्रयः	२०	१२8	Z
पद्भिः सेदिमवका	8	११	१०	परि को वङ्धि	8	20	ર

	কাঁ০	सु०	म०		कां०	स्०	H0
परि त्वाग्ने पुरं वयं	9	ও	१	परोपेहि मनस्पाप	દ્	84	8
परित्वाग्ने पुरं वयं	6	Ą	२२	परोऽपेद्यसमृद्धे	د	ڼ	Ô
परि त्वा धात् सवि	१३	2	२०	परं मृत्या अनु परे	१२	ર	२१
परि त्ता परितस्तुने	१	રુક	دم	परं यानेरवरंते	ڻ	રૂપ	3
परि त्वा पातु समाने	6	. ર	२६	परः सो ग्रस्तु	700	ક	११
परि त्वा रोहितै	8	२२	ર	पणीं राजापिश्रानं	१८	ક	લ રૂ
परि दश्च इन्द्रस्य	Ę	33	32	वर्णेक्ति तन्वानः	ક્	હ્યુ	6
परि द्यामिव	ફ	१२	8	पर्यस्तात्ता अप	2	Ę	१६
परि द्यावापृथिवी	3	ং	ક	पर्यस्य महिमा	१३	ર	84
परि धत्त धत्त नो	ર	१३	ર	पर्यस्यास्मिल्लो	१५	१२	9
परि धत्त धत्त नो	38	રક	ક	पर्यागारं पुनः पुनः	૨૦	१३२	१२
परि धामान्यासा	ર	१४	દ્	पर्यायिकेस्यः	38	રર	9
परिपाणमसि	२	१७	9	पर्यावर्ते द्रुष्व	_	१००	१
परिपाणं पुरुषाणां	ં ક્ષ	. 8	ર	पर्यूषु प्रधन्वां	eq		ક
परि पूषा पुरस्ता	9.	8	8	पर्वताद् दिवो	و	२५	Q
परि मा दियः	38	34	ક	पशु ह नाम मानवी	२०	१२६	२३
परि मां परिमे	ર	9	ક	पलालागुपलाली	6144 6144	. &	ર
परि वरमानि	Ę	ફ્૭	8	पर्व वद्ध वयो इति	20	१२8	१५
परि विश्वा	ંર	2	دم	पवमानः पुनातु	ફ	3.8	ર
परिवृक्ता च महीषी	२०	१२८	१०	पवस्तैस्त्वा पर्य	ક	9	8
परि बः •सिकता	. 8	গু ৩	ક	पवीनसात् तङ्ग	T	દ્	
परिसृष्टं धारयतु	6	ું દ્	२०	पशुपतिरेनमि	१५	y	9
परि स्त्रृणीहि	9	33	2	पश्चात् पुरस्ताद्	60	Ę	२०
परिहस्त विधारय	4	८१*	' २	पश्चात्पाञ्च श्रा	१३	ક	
परीदं वासे। अधिध	ाः ३	१३	રૂ	पश्यन्त्यस्याश्चरि	3	१	3
वरीदं वासी अधिधा	ः १८	ર૪	્દ	पश्याम ते वीर्य	. 8	9	4
परीममिन्द्रमायुषे	१६	રક	ર	वश्येम शरदः शतम्	. १६	-	
परी ३ मेनिनमर्पत	. દ	२⊏	ર	पाकवितः	२०	१३१	१२
परीमं साममायुषे	१८	રક	રૂ	पाकः पृच्छामि	8	3 - 3	. 4
परीवृतो ब्रह्मणा	१७	8	२=			१ २७	ક ક
परेहि कृत्ये मा	80	ुः १	२६		. 8	, 3	१
परेणैतु पथा	. 9	3	ર			3	3
परेयिवांसं प्रवतो	१ट	१	88	,	8	; ;	ક ⊹ ર
परेहि नोरि	११		१३	पादाभ्यां .ते जानु	\$	į 8	: २१
परेहि वित्रमस्तृत	2.2	्र ६=	. 8	पापाय वा भद्राय	? =	ક	३ ४२

de la marchine de la companya de la	T io	सु०	म०		Tio	सू०	म०
पाप्माधिधीयमा	१२	્	३०	पुनः ऋत्यां ऋत्याकु	Ą	₹४	૪
पार्थिवस्य रसे	२	39	१	पुनः पत्नीमग्नि	58	ર	२
पार्थिवा दिब्याः	११	4	२१	पुनः प्राणः	દ	पुत्र	ર
पार्थिवा दिव्याः	११	દ	6	पुमान् पुंसः परिजा	દ્	ૂ દ	8
पाश्वें आस्तां मनु	3	ક	१२	पुमान् पुंसे। ऽधि	१२	3	۶
पिङ्ग रच्न जायमानं	Grant Grant	હ્	इष	पुमानन्तर्वान्त्स्थवि	3	ંક	3
पिरिह दर्भ	१६	२६	લ	पुमां कुस्ते निमि	२०	१२६	१४
पितरः परेते	ų	23	१५	पुमांसं पुत्रं	રૂ	२३	3
पिता जिनतु	११	ુ	१६	पुरस्तात् ते नमः	११	२	ક
पिता बत्सानां	3	ક	ક	पुरस्तादु युक्तो	· Cog	28	2
पितृभ्यः साम	१=	ક	ড ই	पुरुष एवेदं सर्व	38	ફ	8
पितणां भागस्थ	90	Eq.	१३	पुरुषानमून	Z	4	8
पितेच पुत्रानभि	१२	3	१२	पुरुष्टुतस्य धामभिः	२०	38	ક
पिष्पली चिप्त	દ્	808	. १	वुरूतमं पुरूणा	२०	₹=	१२
पिष्यस्य १ः समव दन	् ६	309	२	पुरोडाशवरमा	१२	ક	34
विवा सामिनद	२०	११७	१	पुरं देवानाममृतं	Y	26	88
विशङ्गरूपो नमसो	3	ક	२२	पुष्टिरसि पुष्ट्या	११	38	83
विशङ्गे सूत्रे खृगतां	રૂ	3	३	पुष्टिं पशूनी परि	35	38	· A
पिशाचत्त्रयणमसि	ર	१्ट	ક	पुष्पवतीः प्रसूमतीः	4	· (S	२७
पिंश दर्भ	3.8	2=	8	पुंसि वै रेतो भवति	દ્	११	ર
पुराडरीकनबद्वारं	१०	E	8३	पूताः पवित्रैः पवन्ते	१२	- 3	રપ્
पुगयं पूर्वाफाल्गु	39	و	3	पूतिर ज्ञू रूपधानी	E	E	२
पुत्रइव पितरं गच्छ	. y	१४	४०	पूर्णात् पूर्णमुद चति	१०	۷	२8
पुत्रमत्तु यातुधानीः	१	२⊏	8	पूर्णा पश्चादुत	9	60	₹.
पुत्रमिव पितराव	२०	१२५	eq	पूर्ण नारि प्रभर	સ	१२	C.
पुत्रं पौत्रमधि तर्प	१८	ક	3,6	पूर्णःकुम्भोऽधि	१६	पृत्र .	3
पुनन्तु मा देवजनाः	દ	3.9	१	पूर्वापरं चरतो माय	9	# ?	१
पुनरेहि वाचस्पते	8	. १	૨	पूर्वापरं चरतो माय	१३	ર	११
पुनरेहि वृषाकपे	२०	१२६	`२१	पूर्वावरं चरतो माय	१४	. 8	२३
पुनर्यय ब्रह्मजायां	હ	१७	११	पूर्वी अग्निष्टा तपतु	१८	ક	3
पुनर्देहि वनस्पते	१=	ą	1	पूर्वी जातो ब्रह्म	१ १	ધ્	ų
पुनर्में त्विन्द्रियं	9	६७	१	पूर्वी दुन्दुभे प वदा		20	દ
पुनर्वे देवा अददुः	ų.	१७	1		S	3	3
पुनस्त्वादित्या	१२	. २	,	पूषा त्वेतश्च्याव	१८	ર	48
पुनस्त्वादुरप्सरसः	100	१११		पूषेम शरदः शतम्	१६	હુકુ	4
				- · · · · ·	*	+	

	कां० - स	io r	10		কাঁ০	डा० स्	Ø.
पूषेमा श्राशा	G	3	ર	प्रनापतिश्चरति	१०	£ 83	
पृच्छामि त्वा परमन्तं	3	१० :	१३	प्रजापतिष्ट्रा विश्वा	१६	•	8
पृतताजितं सहमान	9	६३	१	प्रजापति ते प्रजन	१६	•	3
पृथक् प्रायन् प्रथमा	२०	દક	E	प्रजापपितः सलिला	જ		. 8
पृथक् सर्वे प्राजा	११	ų	२२	प्रजापतिः प्रजा	38		8
पृथक्सहस्राभ्यां	33	२२	१६	वजापते न त्वतेता	G	=0	3
पृथग्रपाणि	१२	ş	२१	प्रजापतेराचृतो	१७	-	१७
पृथिवी दगडो	3	₹.	२१	प्रजापतेर्वा एप	3		र्२
वृथिवी धेनु	ક	38	ેર	प्रजापतेश्च वै	81		२६
पृथिवीत्रो महिषो	१३	२	કક	प्रजापते श्रेष्टेन	ď		१३
पृथिची शान्तिरन्त	38	3	१४	प्रजासृतस्य	२०	१३=	₹.
पृथिची त्वा पृथि	२२	Ą	२२	प्रजावतीः स्यवसे	ક	२१	S
पृथिवी त्वा पृथि	१=	8	ರ್ಣ	प्रजावतीः सूपसे	હ	94	१
पृथिव्यामग्नये	ક	38	8	प्रजांच वा एप	. 3	६(३)	Y.
पृथिव्ये श्रोत्राय	દ્	१०	१	प्रणोतारं वस्यो	२०	કદ	8
पृथिब्यै स्वाहा	¥	3	3	प्र गो यञ्जुत्वर्यमा	34	२०	3
पृथिव्यै स्वाहा	ų	3	ફ	प्रणो वनिर्देवकृता	A	9	3
पृदाक्रवः	२०	१२६	3	प्रतद् विष्णु स्तवते	e	२६	ર
पृष्ठात् पृथिच्या	ક	१४	3	प्र तद् वोचेदसृतस्य	य २		२
पृष्ठे घावन्ततं	२०	१२८	864		११		9
पैद्ध प्रेड्डि प्रथमो	१०	8	E		११		१४
पैद्धस्य मन्महे	80	· 8	११		C		રપ્
पैद्रो हन्ति	१०	ક	ų				3
पौरो अश्वस्य पुरु	२०	११=	ંર	1 '	₹ 8		१५
पौर्णमासी प्रथमा	9	८०	ય				ર
प्रकेतुना बृहता	१=	.\$				ક રદ્	
प्रच्यस्य तन्वं	१८	3	3			= ક	9
प्रजया स विकीणी	१२	ક	=			३ २७	34
प्रजानन्तः प्रति	२	રૂક	}	। प्रतीची दिशामिय	8		
प्रजानत्यघ्न्ये	१८	9.6	\$	उ प्रतीचीन आङ्गिर		० ः १	
प्रजानां प्रजन		દ્ (ઇ)		प्रतीचीनफलो		9 દ્રપૃ	-
प्रजापतिर्चु	ક્		-	३ प्रतीची सोममसि		७ ३८	
प्रजापतिर्जनयति				१ प्रतीचीं त्वा प्रती	,	ક ર	
प्रजापतिमा	१ृह	१ँ।	9	६ प्रतीच्या दिशः		8 3	
प्रजापतिश्च प्रमे	द्वी 8	, (و	१ प्रतीच्यां त्वा दि	श १	ري ع	३२

CHECKER CHECKER CONTRACTOR OF THE CHECKER CONTRACTOR AND ADDRESS OF THE CHECKER CONTRACTOR OF TH	COLUMN STREET	NAMES OF TAXABLE PARTY.	Benderal Landers	ONE OF THE PARTY AND PARTY AND PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PARTY O			
	কাঁ০	स्०	म०		্কাত	্দ্র্	भ०
प्रतीच्यां दिशि	8	१४	Appen Sector	प्रव्लीना सुद्तः	११	8	१८
प्रतीच्ये त्वा दिशे	१२	35	49	व स्राजमानां	१०	2	3 3
प्रतीपं प्राति सुत्वनम्	₹ २ ०	१२६	ર	प्रमुखन्तो भुवनस्य	2	ેરફ	. ર
प्रतिहारो निधनं	११	9	१ं२	प्र मंहिष्टाय	२०	१५	ę
त्र ते अस्या उपसः	२०	30	ર	भयच्छ पर्श् टवरया	१२	3	٠ ३१
प्र ते भिन दूमि मेह	नं १	3	Q	प्रयत्ते अग्ने	8	33	ં
प्र ते महे विनेधे	. ફ.૦	30	8	प्र यद्ग्ने सहस्वतो	وم	33	ų
ष ते श्रंगामि	ર	35	ફ	प्र यदेते प्रतरं	ું ક	9	. ક
प्रत्ने। दि कमी	3	११०	8	प्रयद्भवन्दिष्ठ एशं	૪	३३	ų
धन्य ग्रिह्यसा	9	. E ?	t _e	प्रतमन्तर्भृषस्याः	२०	65	
्खं अरुवना	₹ =	१	26	प्र वर्श जगाति	4	ેઠ	१७
प्रत्यङ् तिष्ठन्	3	9	ર ર	प्रयो जज्ञे विद्यानस्य		ં ફ્ર	3
प्रत्यक् देशनां वि	63.	ş	२०	प्र रेम भी नरख	२०	१२७	. દ
१८८ ः विश्व	२०	839	१७	व्यवेग नपान्नम	5	१३	**
स्यङ् ांध्	ક	3.9	9	प्रवर्तव दिवा	2	ે	38
शत्य श्चम कर्मनयं	२०	६३	રૂ	प्रवा एतीन्द्	٤	ુ	ço,
प्रत्य ञ्चमक् मनयं	२०	१२४	E	प्र विशतं प्राणा	ą	११	ų.
प्रत्यञ्चमक	१२	२	цų	प्र विशतं प्राणा	9	પ ^ર	ý.
प्रत्यञ्चं चैनं	११	Ą	3,5	प्रवीयमाना चर	१२	. ક	3.9
म त्वा मुञ्जामि	१४	१	१६	प्र वो महे महिवृधे	૨૦	७३	3
प्रत्वा मुञ्चामि	१४	ষ্	YE	प्र सम्रागं चर्पणी	२०	કરક	8
प्रथमा ह ब्युवास	રૂ	१०	१	प्र सुमतिं सचित	ે	રપૂ	દ્
प्रथमेन प्रमारेण	११	Em	३३	प सुधुतं सुराधस	'રે૦	પૂર્	3
प्रथमेस्यः शङ्खे	१६	२२	. grid	पस्त इन्द्र प्रवता	ર	ġ.	ે
प्रथो वरो व्यचो	१३	8	43	प्र क न्धान्त्र	१२	ų	६७
मदुदुदो मघाप्रति	२०	१३०	१२	प्रस्तृण्तीस्त	C	Ġ	ક
म द्युम्नाय प्र	२०	१४२	ų	प्राग्नये वाचमी	દ	રુક	१
प्र नमस्य पृथिवी	9	१८	৪	प्राची दिगग्निरधि	સ્	29	2
प्र पतेतः पापि	g	११५	१	प्राचीनं वर्हिः	ų	१२	ે
प्रयथे पथामजनिष्ट	O	3	१	शाचीं प्राचीं प्रदि	१२	ર	و
प्र पद्येव नेनिग्धि	3	y	३	प्राच्या दिशस्त्व	ફ	23	્ર
प्र पादौ नयथाय	38	38	80	प्राच्या दिशः शालाया		3	રપૂ
प्र पितृयागं पन्थां	१५	१२	y.	प्राच्यां त्वा दिशि	१=	. * Tak	30
प्र बुध्यस्व सुबुधा	१४	२	OA	प्राच्ये त्वा दिशे	१२	ર	५५
प्र बोघयोषो	२०	१४२	2	पाजापत्यास्य ां	28	23	२६
			1		. ~	474 BE	6 %

	कां०	सु०	म०	·	কাঁ০	सू॰	Ho
प्राजापत्यो वा	٤	६ (२)	११	वास्मत् पाशान् वरुग	1 0	=3	ક્ષુ
प्राण् प्राण्ं त्राय	38	88	ક	. प्रास्मत् पाशान् वरु	१=	ક	90
प्राण मा मत् पर्या	११	ક	२६	प्रास्मदेनो वहन्तु	१६	٠ १	११
प्राणमाहुर्मातरिश्वा	११	8	80	प्रिया तष्टानि मे	२०	१२६	eq
प्राणापानी चलुः	११	9	રપૂ	विया प्रियाणि	१०	ર	٤
प्रागापानी चन्नुः	११	20	ક	वियास इत्ते मघ	२०	₹9	E
प्राणापानौ चचुः	११	E	२६	वियं पश्चनां भ	१२	왕.	८०
प्राणापानी मा	१६	ક	y	प्रियं मा रूणु देवेषु	3.8	६२	₹.
प्राणाची मृत्यो	२	१६	₹	प्रियं मा दर्भ	१६	३२	dieses deses
प्राणापानी बीहियव	११	ઇ	१३	वियं प्रियाणां	१२	ે સ	ક્રક
प्राणाय नमो यस्य	११	ક	8	प्रेता जयता नर	n	38	9
प्रा णायान्तरि चा	६	१०	२	प्रतो मुझ्चामि ना	१४	3	१८
प्राणे त्वा द्विपदां	-	્સ	ક	प्रेता यन्तु व्याध्यः	9	११४	ર
प्रागोन प्राग्यतां	3	३१	3	प्रत पादी प्रस्फुरतं	१	२७	ઇ
प्राणेन विश्वतो	्र ३	३१	9	प्रेन्द्रस्य वोचं प्रथ	२०	20	Cq.
प्राणेनानि सं	38	રહ	9	प्रेमां मात्रां	१८	्२	38
प्रागोनामे चसुषा	ų	30	१४	प्रस्य सुरा अर्थ	२०	ઙ૬	ų
प्राग्तिशादिना	१५	१४	२२	श्व पिपनिपति	१२	ર	५२
प्राणी अवाने	Z	č t	કદ	प्रेह प्रोह पाथामेः	,	΄.	15
प्राण्ड सुः	१३	ঠ	११	प्रेणान्ड्याहि	80	ર	Ę
प्राणी देख	११	8	, २	प्रकाष्ट्र मनलः	ર	Z,	4
प्राणः प्रजः श्रनु	₹₹	યુ	(0	प्रया यज्ञी निवदः	ų	२६	૪
प्रातरिनं प्रात	ર	१६	१	प्रोयां पीतिं वृष्ण	२०	ર્પુ	9
प्रातर्जितं भगमुत्रं	ર	१६		प्रोप्नां पीतिं चृष्ण	२०	રૂ રૂ	₹
धातः प्रातगृ हपति	38	yu		वाष्ठेशयास्तल्पे 🕝	ઇ	ų	3
ब्रान्यान्त्सप रना	ં	34	3	प्रोप्वस्मै पुरोरथ	ેર૦	84	्र
प्राम् जयाभी	Ę	१२६			NEAD INCOME TO AND AND	BECKELOK BELIEVE HERBERTA	whost Physiolerum

d

and the second discussion and the second of the second of the second discussion and the second d	econditions/menorally	-			national and a second second	MATERIAL PROPERTY.	TAMES AND THE OWNER.
बद् सूर्य भवसा	. २०	46	ક્ષ	बन्धस्त्वाभ्रे	38	५६	2
वरामहां ग्रसि सूर्य	१३	૨	રહ	बझे रत्तः समद्मा	११	8	३२
वएमहाँ श्रसि सूर्य	२०	42	3	बभ्रेर ध्वर्यामुख	११	१	३१
बतो बतासि यम	१=	3	80	वभ्रोरर्जुनका	2	6	Ę
ब्रद्ध वो श्रघा इति	२०	१२६	१६	बर्हिवा यत्स्वप	२०	રપૂ	E

	-	AND AND AND ASSESSMENT		A 2010 THE THE PARTY OF THE PAR	President de la Constantia		mw.
	कio	सृ०	मं०		कां०	सु०	Ho
बर्हिषदः पितरः	8 ===	१	પુ ર	वृहस्पति र जंयो	3	£ (A)	3
बलमसि बलं मे	ર	१७	3	बृहस्यतिर्नः परि	9	46	. 8
बलविज्ञायः स्थविरः	33	१३	ų	बृहस्पतिर्नः परि	२०	१७	88
बलेनान्नादेनान्नम	१५	१४	ઇ	बृहस्पतिर्नुः परि	२०	. = &	११
बहिर्विलं निर्द्रवतु	8	2	११	बृहस्पतिनैः परि	२०	દક	११
बह्वी३दं राजन् वरु	38	કેક	5	बृहस्पतिर्मः श्राकु	१६	ક્રે	ક્ર
बळादे कमणीच	१०	200	રપૂ	बृहस्पतिम् शातमा	१६	3	Å
बालास्ते प्राक्षणीः	१०	8	ે રૂ	बृहस्पतिमी वि	१६	१७	१०
बुध्येम शरदः शतम्	१६	६७	त्र	बृपस्पति ते विश्व	38	१८	80
वृषभं वाजिनं वयं	٩	60	₹.	बृहस्पतिः प्रथमं	२०	C =	્ય
बृहच रथंतरं	१प	ą	ų	बृहस्पतिः प्रथमः	१४	8	44
बृहच रथंतरं	725	१०(२) ६	वृहस्पतिः समज	२०	80	17
वृहतश्च वै स	१५	૨	ક	वृहस्पतिः सविता	3	ક	१०
बृहता मन उप ह्ये	ų	१०	Ξ	वृहस्पते परि दीया	३८	१३	To the
बृहती परि मात्राया	7	3	y	बृहस्पते या परमा	२०	EE	4
बृहतेच वै स रथ	१५	ર	Ą	बृहस्पतं युवमिनद	२०	१७	१२
बृहतः परि सामानि	E	8	ક	वृहस्पते युवमिनद	२०	८७	9
बृहत् ते जालं	=	4	ં હ	बृहर्पते सवित	Ġ	१६	१
बृहत् पलाशे सुभगे	દ્	३०	३	वोधश्च त्वा प्र	Ľ	Ś	१३
बृहद्न्यतः पक्ष	१३	3	१२	बोधा सु में मधवन्	२०	११७	4
बृहदायवनं रथन्त	११	રૂ	१६	ब्रध्नलोकी भवित	११	2	48
बृहदेवमनु वस्ते	१३	3	११	ब्रध्नः समीची	9	२२	२
बृहद्धि जालं	=	75	દ્	ब्रह्मगवी पच्यमा ना	¥	38	8
बृहद् गावासुरेभ्यो	38	पृद	ૠ	ब्रह्म च त्रत्रं च	3	G	3
बृह्न्तो नाम ते देवा.	१०	9	રપૂ	ब्रह्म च त्तर्त्र तच	१२	ų	E
बृहज्ञेषामधिष्ठाता	ષ્ઠ	१६	Q	ब्रह्म च्तपश्च	१३	8	२२
बृहस्पतिना शते	१४	2	นห	ब्रह्मचर्येण कन्या	११	· ų	१८
बृहस्पतिना । प	१४	₹	y s	ब्रह्मचर्येण तपसा	25	y	१७
बृहस्पतिना०। भ	18	ર	уу	ब्रह्मचर्येग् तपसा	११	¥	88
बृहस्पतिनाठ।य	१४	ર	પુદ્	ब्रह्मचारिणं पितरा	88.	Ã	ર
बृहस्पतिनाव०।व	१४	ર	પુર	ब्रह्मचारी चरति	Y.	१७	y
बृहस्प तिनाद ार	१४	•	y=	ब्रह्मचारी जनयन्	\$ 8	¥	O
बृ हस्पतिरमत	२० .	१६	હ	ब्रह्मचारी ब्रह्म भ्रा	११	**	રક્ષ
• •	११	१०	१३	ब्रह्मचारी ष्णंश्च	११	C.	· §
बृहस्पतिराङ्गिर	\$8	१०	80	प्रदाचार्येति समि	११	Ÿ.	Ę

	कां	सु२	Ho	•	कां०	सु०	म०
ब्रह्म जन्नानं प्रथमं	ક	ૈર	१	ब्रह्मवादिना वद	११	3	२&
ब्रह्म जङ्गानं प्रथमं	y	દ્	१	ब्रह्म श्रोत्रियमा	१०	२	२१
ब्रह्मज्येष्ठां संभृता	38	२२	२१	ब्रह्म स्नु वो घृतव	3.8	કર	ર
ब्रह्मज्येष्ठा संभृता	१६	२३	30	ब्रह्म होता ब्रह्म	38	ध २	. 8
ब्रह्मज्यं देव्यष्ट्या	१ २	· ų	६३	ब्रह्मागुस्त्वा वयं	२०	\$	3
ब्रह्मगाञ्चिः	20	કદ્	११	ब्रह्याण्स्त्वा वयं	२०	३८	3
ब्रह्म णा त्री	१३	ę	38	ब्रह्माणस्त्वा वयं	२०	. ૪૭	8
व्रह्मणा तेजसा	१०	8	३०	ब्रह्मावरं युज्यतां	१४	१	દ્દય
ब्रह्मणा ते ब्रह्म	૨૦	ے ج	ेश	ब्रह्म।भ्यावर्ते	१०	ų	80
ब्रह्मणात्रादेना व्यक्षणात्रादेना	શ્ પૂ	१४	રક	ब्रह्मास्य शीर्ष	8	38	8
ब्रह्मणा परिगृही	११	, 3 3	86	ब्राह्मण एव पतिने	¥	१७	8
ब्रह्मणा भूमिर्वि	१०	٠ ٦	تر نع خراج	ब्राह्मण्रॅंअभ्या	१०	y	.85
	8	· ą	१६	ब्राह्मणेन पर्यु का	8	8.8	२
ब्रह्मणा शार्ता	व ११	ę	१८	ब्राह्मग्रेभ्य ऋषभं	8	ક	3.8
ब्रह्मणा शुद्धा			₹° २ ०	ब्राह्मग्रेभ्यो व	१०	१०	33
ब्रह्मणे स्वाहा	१६	25		व्राह्मणी जम	ક	દ્	8
ब्रह्मणे स्वाहा	१६	23	28	ब्राक्षाणो स्य मुख	3.8	. &	Q
ब्रह्म देवाँ श्रनु	१०	ર	રરૂ	ब्रीहिमत्तं यव	ફ	880	ર
ब्रह्म पद्वायं	१२	ų	ુક	ब्राह्मिय पप	११	ે દ્	
ब्रह्म प्रजापति	38	3	१२	त्रमा द्व सावतार	११	દ્	
ब्रह्म ब्रह्मचारि	38	१६	프	ब्रूमो राजानं वरुणं		~	ADDRESS OF THE PERSONNELLE PROPERTY OF THE PERSONNELLE PRO

H

भग एव भगवां	3	१६	y	भद्रात् सत्तानि	¥.	4	¥.
भग प्रणेतर्भग	ą	१६	34	भद्रासि रात्रि च	१६	88	. 166
भगमस्या वर्च	. 8	. ૧૪	٩	भद्राई नो मध्य	Ę	१२८	3
भगस्ततत्त्व चतुरः	શ્કે		Ęo	भरद्वसुरिद्वसुः	१३	용	ለጸ
भगस्त हस्तमप्र	रेश्व	१ &	પૂર	भक्ति पुनर्वी	ર	રક	Section 1
भगस्त इस्तनम्	१४	38	૨૦	भव पनिभवासः	१५	y	3
भगस्य नावमारोह	्र	38	દહ્	भव राजन् यजमा	28	ંર	२८
भगेन मा शांशपेन	8	१२६	٠ و	भवारुद्रौ सयुजा	११	ર	१४
भगा मा भगेनाव	3.8	કુલ	8	भवाशवीवस्यतां	१०	ş	२३
	જ	२ ६	3	भवाशवीिवदं	११	8	8
भगो युनकृत्वाशि	१ ६	કર	8	भवाशवीं मन्ये	8	26	
भद्रमिच्छन्त ऋष भद्राद्धि श्रेयः	9	۵۲ د	8	भवाशवीं मृहतं	. 88	२	-

	কাঁ০	स्०	म०		कां०	सू०	Ho.
भवेम शरदः शतम्	१६	६७	દ્	भूतं च भविष्यच्च	१५	२	9
भवो दिवो भव	११	२	२७	भूतं च भन्यं च	१३	8	२३
भसदासीदादित्या	8	ક	१३	भूतो ब्रूमो भूतपति	.88	દ્	२१
भाग्यो भवद्यो	१०	6	२२	भूमिम्ताविति	દ	१२०	ર
भिन्धि दर्भ सप	१६	२८	ક	भूमिष्टा पातु	y	. २८	ď
भिन्धि दर्भ सप	33	2=	٠ لو	भूमिष्टा प्रति	3	રહ	=
भिन्धि विश्वा	२०	८३	8	भूमे मातनि घेहि	१२	१	ૃદ્દર
भीमा इन्द्रस्य हेतयः	ઇ	રૂ ૭	2	भूमेश्च वै सो	१५	. દ્	3
भीमा इन्द्रस्य हेतयः	ક્ર	३७	3	भूम्यां देवेभ्यो	१२	१	२२
भुगित्यभिगतः	२०	१३५	8	भूयसी शरदः श	38	६७	E
भुवो जनस्य	२०	३६	3	भूयानरात्याः श	१३	્ર	80
भूतपतिर्निरज	2	१४	8	भूयानिन्द्रो नमु	१३	છ	કદ
भृतिश्च वा अभृति	११	6	२१	भूयेम शरदः शतं	१६	६७	٠
भूते ह विष्मती	ફ	४३	२	भूरित इन्ह्र वीर्य	२०	80	¥,
भूतो भूतेषु पयः	8	G	2	आतृब्यक्षयग्म	2	\$ E5	\$

H

मखस्य ते तविष	२०	११	ર	मध्या यहां नस्ति	eq	૨૭ ""	3
मङ्गलिकेभ्यः	१&	२३	ર=	मनवस्पत इसं	9	७३	4
मजज्ज्ञा मा सं	8	१२	ક	मनसाकादेगा	१५	ર્જિક	२
मतयः सोमपागुरुं	२०.	२३	ų	मनला सं कल्लयति	8.5	ક	३१
मत्स्वा सुशिप्र	२०	७१	8	मनका होमेहिएसा	દ્	83	ર
मदेमदे हि ने। ददि	२०	५६	ષ્ટ	मनसे चेतसे घिय	Ę	ध १	१
मधु जनिषीय मधु	٤	8	१४	मनो भारता अन	58	8	१०
मधुमतीरोषधी	२०	१४३	6	मन्त्रमखर्थं सुधि	२०	48	8
मधुमती स्थ मधुम	१६	3	્ર	मन्थ दर्भ०	38	3.8	Y
मधुमन्मूलं मधु	100	9	१२	मन्युनाषादेना	१५	१ध	२०
मधुनमे निष्कमणं	१	इक्ष	3	मन्युरिन्द्रो मन्यु	용	38	ર
मधुमान् सवति	* &	१	२३	मन्वे वां चावापृ	છ	२६	१
मधोरसि मधुतरा	१	રૂપ્ટ	ક	मन्वे वां भित्रावरु	B	3,8	8
सघोःकशाम जन	8	. 2	ų	मम त्वा दोषणि	E	3	2
मध्यन्दिन उद्गा	. &	६(५)	c ₄	मम देवा विद्वे	الم	३	3
मध्यमेतव्जुडुंहो	ઇ	28	spain Spain	ममाझे वर्ची	¥	. ३	१
मध्वा पृञ्चे नद्यशः	હ	१२	£	ममेयमस्तु पोष्या	88	. 8	५२

	কাঁ০	सु०	Ho [ক	ं० स्०	п о
मया गावो गोपतिना	· 3	१४	8	महाँ रन्द्रः परश्च	२०	৩ १	१
मया सोऽन्नमति	ક	30	ક	महीमू षु मातरं	g	ફ	२
मवि चत्रं पर्णमणे	3	¥	ર	महो महानि पतय	२०	११	६
भयि देवा द्रविशं	ų	. 3	. 4	मह्ममापो मधुमदेर	8	६१	8
मयि वर्ची श्रथो	E	88	. 3	मह्यं त्वा मित्रावर	. \$	85	3
मय्यप्रे अग्नि गृह्वा	9	८२	ર	महां यजन्तां मम	¥	3	૪
मरीचीघू मान्	Š.	११३	ą	मा गतानामा दीधी	6	8	ign.
मरुतां पिता	Ų	ર્જ છે	१२	माचिद्नयद् वि	२०	EÀ	8
मरुनां सन्वे अधि	ક	. २७	१	मा ज्येष्ठं वधीद्य	દ	११२	ę
मरुतो मा गगौरव	38	84	१०	मातरिश्वा च पव	\$ 64	ર :	9
मरुतो यस्य हि	9€	ू १	२		्रष	२	્હ
मर्रतः पर्वना	ų	र्ष	જ	मातली कव्यैयमो	१८	१	89
सहनः पोत्रात्	२०.	२	\$	मातादित्यानां	\$	8	ક
ममाणि ने वर्मगा	9	8 2 =	8	माता पितरमृत	3	3	۷.
ममीविध रोक्वतं	११	१०	२६	मातुष्टे किरणी हो	२०	१३३	₹
मल्वं विभ्रती गुरु	१२	٠ १	८८	मा ते श्रस्यां सहसा	२०	39	9
मस्तिष्कमस्य	80	- ₹	Ξ	मा ते प्राण उप	Cq	३०	84
महत्कांडाय स्वाहा	38	२३	१८	माते मनस्तत्र	æ	१	9
महत्पया विश्वरुप	8	. 8	२	मा ते मनो मास्रो	१=	२	રજ્ઞ
महत् सघस्यं महती	१२	8-	१८	मात्रे चु ते सुमिते	२०	७६	६
महदेपाव•तपति	१२	ક	38	मात्वाकच्यादभि	È	१	१२
महद् यक्षं भुवनस्य	१०		3=	मा त्वा जम्भः	E	8	१६
सहागणे स्यः	१६	રર	કંભ	मा त्वा इभन्त्स	१७	१	6
महादेव एनमि	કૃષ	y	१३	मा त्वा द्भन् परि	१३	ર	Cq.
महानग्नी कृत	20	र् ३६		मो त्वाभि सखा	२०	१३०	१४
महानग्नी महान	२०	१३६	११	मा त्वा सूरा	२०	२२	2
म हानग्नयतृष्न द्वि	२०	१३६	ų	मात्वा वृत्तः सं	१८	. 3	ેરપ
महानग्स्युप ब्र्ते	२०	१३६	9	मादयस्व सुते	२०	५६	Cq.
महानग्न्युप ब्रूते	२०	१३६		मा न श्रापो मेधां मानस्य परिन	१६	80	٠ ٦
महासग्न्युप ब्रूते	२०	१३६	. 8	मानस्य परिन	3	85	y
महानग्न्युल्खल	२०	१३६	દ્	मा ने। अज्ञाता	- २०	30	२
महान्तं कोशमुद	ક	१५	१६	मानस्य पारन मा ने। अज्ञाता मा नो गोषु पुरु	. ११	२	२१
महान् वै भद्रो	२०	१३६	800	मा नो देवा अहि	દ	પુદ્	8
महावृषान् म् जवता	ų	२२	2	माना।नद् च वक	- ५०	. 46	4.
महाँ इन्द्रो य ओज		१३८	8	मा नोभिस्ना मत्यं	88	. 3	88

7-7		And the second second		Marine South article and south and s
Septimental Control of	কাঁ০	स्०	Ho	
मा नो मर्त्ता श्रमि	२०	દ્દ	=	मुखाय ह
मा नो महान्ततुत	११	ર	38	मुग्धा दे
मा ने। मेधां मा नो	१६	So	3	मुख्रचन
मानारचो अभि	· .	ક	२३	मुश्चन्तु म
मा नो रुद्र तक्मना	११	े २	२६	मुञ्च-तु
मा नो विदन	8	38	१	मुङ्च श
मा नो हासिषु	8	કર	3	मुङ्चारि
मा नो हिंसीरधि	११	२	२०	मुङ्चारि
मा नः पाशं प्रति	3	. 3	રક	मु मुक्तम
मा नः पश्चानमा	१२	१	३२	मुमुचान्
मा प्र गाम पथो	१३	१	34	मुहुर्गृष्रे
माविभेर्न मरिष्य	cq	₹.0	E,	मुह्मन्त्वे
मा भूम निष्धा 🌡	२०	११६	१	मुढ़ा श्र
मा भाता भातरं	3	३०		मुदा ३
मा मा बीचन्नराघर	i ų	११	E	मूर्णा स
मा मां प्राणी हासी	१६	ક	ঽ	मूर्घान
मायाभिरुत्सिस्	२०	3.5	8	मूर्घाहं
मारेग्नस्मद् वि	२०	२३	E	मूर्गी
मा वनिं मा वाचं	ų	૭		मृतव
माविदन्परिप	१४	२	. ११	मृगो
मा वः प्राणं मा	39	२७	8	मृण व
माश्वाननां भद्रे	१६	8	9 9	मृत्यु ह
मासं वृतो मोप	E	8	: ३	1 4
मास्मै तान्तसकी	y.	ર:	३ ११	
मा हिंसिष्टं कुमार्य	१४	:	१ ६३	
मांसान्यस्य शात	१२		1 68	मृ त्यो
मित्र रे चमाणा	8		९ २३	
मित्र एनं वरुणो	ર	. २	= =	: मृत्यो
मित्रश्च त्या वरुण	श्च १६	ક	ક ૧૦	मेद्र स
मित्रश्च वरुष्ध	3	١	ى و	मेधाः
मित्रश्च वहणश्चे	न्द्रो ३	ં ર	२ न	ध मेघां
मित्राघ ठ णयो	१०		પું ફર	
मित्रावरुणा परि	१८		३. १	
मित्रावक् णी	પુર	२	y y	। मेनिह
मित्रः पृथिव्योद्	35	₹.	3	मेमं १
one of the state				

ক্ষাত स् Ho ते पशुगते ર્ Co ११ ¥. ų. देवा उत S 2 नु मा शपथ्या 33 E ₹ ११२ मा शपश्या G 9 Ş ११ मा शपथ्या Ę शीर्षक्षया ११ २ 8 मे त्वा वैश्वा Ş १० 8 99 मे त्वा हिव 3 દ Z मस्मान् दुरि ¥. १६ ना श्रोषधयो .6 3= धैः प्रवद् ર १२ वेषां बाहव १३ 88 3 38 o ş प्रमित्रा 88 2 ग्रमित्रा É ६७ 3 ç मृगस्य दन्ता २६ ामस्य संसीव्या १० ٤ इंरयीणां मू રૂ १६ १६ ફ देवस्य 38 हं गी १२ Co 33 68 33 O न भीमः दर्भ० १& પ્ર - २8 7 80 2 वे मृत्र ર २३ तीशे द्विपदां ㄷ ų २१ हिङ्कुएवत्यु १२ 38 १३ : प्रज्ञानामधि ų ोरहं द्रह्मचारी દ १३३ 3 ोराषम। पद्य Z. ٤۵ 4 ोः पदं योगय १२ . 2 ३० ११४ 3 वता यजमानाः Ę ŧ, 209 Ę महं प्रथमा सायं मेथां y દ્ १०८ : शंतवघा १६ १२ १२ 34 : श्ररच्या ¥. १२' २३ र्दुह्यमाना 4 त्राणो हासीन्मो 43 Q 43

Approximate contract to the sense and the se	.			*	কাণ	सु०	ET o
	ক্য ত	सू०	₩0		A11 6	ido	
मेप इच वें सं च		38	્રસ	मो खुना अस्तद	२०	દુક	ર
मैतं पन्थामनु	7	१	१०	न्नानुष्रोक	२	રક	ર્વે
मैनमग्ने वि दहो	१८	₹	ક	स्रोको मनोहा	१६	Ş	3
मो षु ब्रह्मे व तन्द्र	२०	ह ३	3			THE STREET STREET	: COMMENTE OF STREET

	SERVICE STREET, SERVICE SERVIC	MINISTER STATE OF THE STATE OF	MARKET TO THE REAL PROPERTY.		SECRETOR CHEMISTRE	CONTRACTOR OF	CONTRACTOR
य शक्तोक्षः	२०	१२८	9	य ऊह्र अनुसर्प	3	E	9
य आगरे मृग	ક	३६	સ્	य ऋते चिद्भि	१४	२	૪૭
य श्रात्मदा बलदा	상	· ૨	. 3	य ऋष्णवो देव	38	30	eq.
य श्रात्मदा बलदा	રૃ ર	રૂ	२४	य एक इद्धव्यश्च	२०	३६	8
य आत्मानसति	T	દ્	१३	य एक इद्विद्यते	२०	६३	ક
य ग्रादित्यं चत्रं	209	१०	કૃ કૃ	य एकर्चर्णीनां	२०	90	१५
य श्रामं मांल	Zon Com	દ્	२३	य एतं देवमेकवृतं	१३	8	१५
य अर्थियेभ्यो या	१२	ક	१२	य एतं देवमेकवृतं	१३	ક	રછ
य श्राशानामाशा	. 8	३१	ેર	य एनामवशामा	१२	ક	१७
य आस्तेयधर्ति	ક	en	ų	य एनां चनिमायन्ति	१२	ક	११
य इन्द्र इच देवेषु	3	છ	११	य एनं परिषीद्नित	દ	હદ	१
य इन्द्र सोमवातमो	₹0	६३	و	य एनं हन्ति मृदुं	٠ نو	१=	ď
य इद्रेश सर्थ	Ą	સર્	132	य प्वापरिमिताः	१५	१३	१०
य इमां देवी मेलला	Eq.	१३३	2	य एवं विदुषे	१२	ક	२३
य इमे द्यावापृथिवी	ų	१२	3	य एवं विदुषो	१२	લ	४६
य इसे चाचापृश्यिबी	१३	3	१	य एवं विद्यात्स	१०	१०	२७
य इह पितरी जीवा	१८	8	=9	यञ्जुषा मनसा	8	33	3
य ईशे पशुपतिः	ર્	રેઇ	٤	यच प्राणित प्रा	१ .१	૭	२३
य है चकार	3	१०	9 0	यच वर्ची श्रक्षेषु	१८	. १	34
य उत्रीणामुत्रवाहु	કુ	રઇ	ેર	थचद्धि त्वा जना	२०	Ed	SA.
य उत्रः सञ्जतिपृत	२०	પુર	3.	यचद्धि सत्य	२०	ક્રશ	. 8
य उग्रः सन्ननिष्त	२०	y o	१३	यच्छका वाच	२०	38	. 8
य उत्तरतो जुहति	ઇ	४०	ક	यञ्ज्ञयानः पर्यावर्ते	१२	१	રેઇ
य उद्दानट् परायगां	હ્	୧୧	ર	यजमानब्राह्मणं	&ં	६(२)	8
य उद्दर्जान्द्रगोपा	20	२१	१ १	यज्ञूषि यज्ञे	(e)	२६	₹
य उपरिष्ठाज्जुह्नति	ક	ં છુ	9	यजाग्रद् यत् सुप्तो	१६	9	१०
य उभाभ्यां भहरसि	Q	પુદ્	G	यजामयोयद्य	१४	ર	६१
य वशता मनसा	₹0	33	રૂ	यज्ञ इन्द्रमवर्षयद्	२०	२७	y
				5			

employees requirement movement construction of the construction of	कां	, सू	a F	A CONTRACT OF THE PROPERTY OF	eli.	o 610	######################################
यज्ञ एति विततः	१८	જ	83	यत् ते कासं शर्म	(2)		86
यज्ञ पतिसृषयः	્ર	· ąų	R	यत् तं कृष्णः शकुन	26	700	ept]
यज्ञपदीराचीरा	१०	१०	E.	यत् तं कहो धनप	80	१०	98
यज्ञं यज्ञं गच्छ	و	९७	ų	यत् ते क्रोमा	80	Q	68
यश्रतीं द्विणीयो	6	१०(१).	9	यत् ते चन्द्रं कश्यम	\$ 50	22	१०
यज्ञ स्यचतुः	२	34	ų	वत् ते चर्मराती	१०	8	28
यश्वस्य चत्तुः	38	y_=	લ્	यत् ते तन्धनस	88	£2.0	C.
यज्ञायज्ञियाय	१५	Z	55	यस् ते दर्भ जना	88	a इ	Ş
य्ज्ञायज्ञियस्य	१५	२	१४	यत्ते देवा अङ्ग्य	.0	. 32	8
यज्ञेन यज्ञमय	9	. 4	٤	यत् ते इंची निस्ध	C.	\$3	₹
यज्ञैरथर्वा प्रथमः	२०	209	" (4	यस् ते गहं	3	6.4 6.4	er,
यज्ञैरिपूः	6	33	Ę	यत्ते नाम खुडवं	9	€ 3	S
यशैः संभिश्लाः	२०	ୡଡ଼	S	यत् ते नियानं	C	3	१्७
यशो द्त्रिणाभिः	38	23	E	यत् ने वित्रका	१०	₹.	¥ V
यज्ञो वभूव सः	9	e _h	ર	यस् ते पुच्छं	80	2	37.70
यझं दुह्ानं सद	११	. 8 .	३४	यत् ने समायां पग्र	१४	Ŕ	\$ 2
यज्ञं झूमो यजमान	58	६	88	यत् ते असे जिलनारि	ने १२	Ş	5
यशं यन्तं मनसा	દ	१२२	ઇ	यत्ते प्रजा	१०	2	\$ 15°
यत् इन्द्र भयामहे	38	6.0	8	कत्तं समां पुचिवि	્ર	8	15
यतो दण्टं यतो	હ	\$ 12	\$	यव्हे हाता	rq	20	¥.
यतः सूर्य उदेत्य	१०	See	१६	यत् ते लक्क	80	* 8	8.6
यत्कशिपूप	3	$\varepsilon(\xi)$	् ०	. यह वे विष्टं बन्ते	ور پ دیبا	55	. 5
यत्कामकामय	8 €	पुर	ų	यत्तं चर्चो जलवेदो		- 23	\$ 0 \$ 7
यतिकचेदं पत्य	१६	82	3	यत् ते वासः परिवार	ic	Đ,	
यत् किं चासौ मनस		30	34	यत् ते धिरो यत् ते	\$ 47	627	0 00
यतिक चेदं चरु	8	५ १	283	ं यस् गराससमार्थः	१०	. 9	(20
यत्क्रपते यद् वनु	१२	२	न्द्	यत् परिवेष्टारः		英 (章)	25
यत्चुरेण मर्चयता	. 6	7	603	यत् विचासि जं	5	6.2.6	1
यत्त आत्मनि	Á	6 ==	3	যাল্ডুৰা চলিউয়া	<u></u>	8(1)	
यत् चतारं			1	यस् प्रमुख्या होत्या			S
यत्रच्छरीरमश	११		१६	यत् युव्येख श्रदियाः			₹ o
यत्तर्पंगमाहरन्ति	S	$\mathscr{E}(\delta)$	E	यस् पुरुषं व्यव्हुः	3.3		Carl.
यत् ते अङ्गमतिहितं	१८	₹.	इद	यत् भीः स्योति		8(8)	
यत्ते श्रशं भुवस्पत	१०	6.0	Sã.	यत् प्रत्याइन्ति			
यत् ते श्रपोदकं वि	q	83	2	यत् पाङ् गत्यङ्	6.3	ર	. 3

The second second of the second secon	eio	ero.	ŦО	C-SED			कांo	स्०	म०
CONTROL OF THE PROPERTY AND A PROPERTY OF THE		ब्र	ઝ	सङ	त् सभागः	यति		$\boldsymbol{\varepsilon}(\hat{\boldsymbol{\varepsilon}})$	દ
गत् मधा स्रतावा	<i>88</i>	8	63	- T	त् समुद्रम	न भिंत	१३	ę	१४
यन् भागः स्तर्भ	£ 2	8 8	ર	23	त् सुपर्णा	विवत्तवो	ર	ं ३०	3
यम् प्रेपिता वर्षे	्य १०	(a)	કૃષ્ટુ	27	त् सोममि	F5	२०	१११	8
यत स्थ्यः प्रथम	₹o	9	११		त् संयमो		૪	32	9
यव ततः पराह्य	30	(3	રે ક		त् स्वमे		٩	१०१	8
यत देश प्रस्थित	१०	62 62	\$8			यथा शफ	દ્	४६	32
यत्र देशास्त्र यत्र भार प्रसंशनं	\$ CO	¥ &	6			यथा शफ		७	१
	\$ SQ	ধুর	8		ज्या खरो		ર	3 &	ક
यह जहाविदी	28	83	2	11	वधान्ने त्वं	_	१ृह	38	8
यस वहाविद्रो	₹8	2,5	٩		যথা ৰকু,		દ	१४१	3
श्रम सहा । आपी	58	5.5 5.5			क्षास्यं प्र	गदीत	१२	૪	38
चन्न सम्बद्धाः	ર ૧૯	<i>જર</i>	•		यथा त्वतु		१६	છુદ્	~ 9
সাম সাল্লা ০। বাংলা আন লাগা ০। বাংগু	3.8	હર				। वसुभिः	દ્	૭૪	ર
यस बहा । स्या	3.8	83		- 1	यथा देवा		3	₹.	28
यदा ब्रह्म ०। खोमो	-	ধ			यथा देवे		१०	રૂ	रप
सन् सः ग्रेह्य सम्बद्धाः स्थाप	9	30		•		च पृथिवी	. 8	૨	ક
সৰ ভাগিছা	-६०	٠ رو	_	3		च पृथिवी		१पू	8
CE TO CONTRACTOR	20	S			यथा नकु		દ્	१३६	4
स्ट्रम ् रिया स्ट्र	্ত হ	٩		- 1	यथा नड	कशिपुने	દ	१३=	cq.
यमाञ्चित्रां	20	१२६		i		स्तायादरं			२
यबाह्यं च	१०	, (1	यथा मधि		. &	ලං	ર
. यजार्याया		56)	3	यथा प्रार		११	ีย	
यत्रा सुवव्यो	8		<u> </u>	٦	यथा बी	तमुर्व	१०	ું દ	३३
यत्रा सहार्दः सुकृत		े २ त	e . '	y	यथा ब्रह	। च त्रत्रं	•	१ १५	પ્ર
पना हहादः हकर		ર્ ધ		3	यथा भूर	तं च भव्यं	•	5 80	
जमा <i>ेड्रा</i> ई: खरू		-		Ė	यथा भू	मेर्मृतमना		६ १८	
दनेदानी पश्यक्ति	700		,	ų	यथा मर		8	į 8	१९७
वनेषास्त्रो	8		6	ક		बु मधुकृत	: 1	ŧ 8	१६
यत्त्या कुदाः प्र			ર	y	यथा म	ना मनस्के	ते '	द १०।	
यत् त्वाभिचेदः	. 0	1 2	0	ર	यथा म	म स्मराव्य	त्री '	६ १३	
यत् स्या शिकः पर				ર	यथा म	ांसं यथा		•	० १
थल् स्वा स्रोम प्र		3		ક	यथा सृ	गाः सं वि		५ २	
यत् त्यं सीता ऽथ	i i			१०	यथा य	माय हर्म्य	\		८ प्र
यत् समुद्रो अभ्य	ક્		ફેઠ	ų	,	शश्चन्द्र		0	3 82
All contrates	. 8	•	*	-	\$				

					on menteropolitical traffic	NAMES OF THE PROPERTY OF THE PERSON OF THE P	Ser constitue service.
ennemetorische Verweitbereichtig Einfelder zum Webendung zur nechtlichten Zuch 4 Verweiter zum Mehren zum Ander	কাঁ০	स्रु०	H o		কাঁ০	स्० .	Ho
यथा यशो असि	१०	35	२२	यथा सोमस्तृतीये	3	Ę	१३
यथा यशो यजमा	१०	32	२३	यथा सोमो हितीये	3	Q	१२
यथा यशः कन्या	१०	ર	२०	यथा सोमः वातः	3	5	११
यथा यशः पृथि	१०		3,5	यथा रम ते विराह	ક	ક	3
यथा यशः पृजाप	१०	3	રક	यथा हब्यं वहसि	8*	२३	ર
यथा यशः साम	१०	3	२१	यथाहरूच राजी	સ્	१५	२
यथायाद् यमसाद	१२	19	દ્ધ	यथा हस्ती हस्ति	R	90	२
यथायं वाहो श्रश्विन।	ફ	१०२	氡.	यथाहान्यनुपूर्व	१२	२	२५
यथा वाणः सुसं	દ્ધ	१०५	ર	यथेदं सूम्या ऋघि	ર	३०	१
यथा वातश्चा	१०	3	१ ८:	यथेन्द्र उद्घाचनं	1	4	4
यथा वातेन	१०	à.	१प	यथेन्द्रो चाचापृ	દ્	4=	ર
यथा वातो	१०	3	१३	यथेसे बाबापृथिवी	द	E.	રૂ
यथा वातो यथा	8	६१	દ્	यथेयं पृधिवी मही	y.	સ્પૃ	ર
यथा वातश्च्या	१०	१	१३	गथेयं पृथिवी मही	ફ	१७	१
यथा वृकाद्जावय	ų	⇒ ક્	ų	यथेयं पृथियी मही	દ્	१७	२
यथा वृत्तमशनि	9	40	१	यथेयं पृथिनी मही	4	51	3
यथा वृक्षं लिबुजा	હ્	6	8	यथेयं पृथिवी मही	E .	१७	ઇ
यथा वृत्र इमा	Ę	24	3	यथेषुका पर पतद्व	१	3	8
यथा होपो श्रपा	9	03	३	यथोदकमपपुषो	Ę	838	8
यथा शेवधिनि	१२	૪	१४	यदत्तेषु वदा यत्	१२	3	पूर
यधा शास्याकः	38	y o	ક	यद्ञ एषा समिति	१=	• ৪	२६
यथा श्येनात् पतत्रि	Ä	ु २१	દ	यदग्निरापा अदहत्	१	5,60	. 8
ययाश्वरिध निरभ	72	દ્	3	यद्शे अद्य मिथुना	Z.	3	१२
यथाश्वत्य वानस्प	રૂ	E	ें ६	यद्श्रे भद्य मिथुना	१०	C _q	8=
यथा सत्यं चानृतं	ર	१५	¥.	यदश्रे तपसा तप	9	६१	8
यथा सिन्धुर्नदी 🏸	१४	१	ध३	यद्श्चे यानि कानि	१८	ફ્ઇ	3
यथासितः प्रथयते	E	૭૨		यदशौ सूर्ये विषं	१०	ક	२२
यथा छुप्राः प्रपत्न	Ę	. =	ર્	यदद्भियन्नृगमहं	8	११८	8
यथा सूर्गृश्चन्द्र	ર	१५	રૂ	यददोश्चदो अभ्य	१६	9	8
यथा सूर्यस्य रश्मयः	દ્	१०५	३	यददो देवा श्रस	ક	88	8
यथा सूर्यो नद्मत्राणा	9	१३	Ş	यददः संप्रयति	3	१३	2
यथा सूर्यो मुच्यते	१०	र्	३२	1	२०	११२	ર ્
यधा सूर्यो शतिभाति	-	ঽ	१७	यद्च त्वा प्रयति	9	હક	Ş
यथा सो अस्य परि	¥	39	3	यद्य वां नास	२०	१४०	용
यथा सोम श्रोषधी	E	र्य	3	यद्या रात्रि सुभ	38	40	Ę
4				1			

enersiski kan di salahandari mensiski kanada asari ya maga pangarinkerari salah di dahungi dan kanada di dahi	कां०	सु०	H0		জাঁo	स्० १	To
बद्द्याश्विनावहं	२०	१४१ै	39	यद्वान्त्रेषु गवीन्या	Ą .	રૂ	Ę
यदनुचीन्द्रमैरात्	१०	१०	१०	यदापीतासी	२०	१४२	ઢ
यदन्तरा द्यावा	२०	=	38	बदायो अध्न्या	38	୫୫	E
यदन्तरा परावत	२०	દ્	3	यदा प्राणो अभ्य	११	ં છ	y.
यदन्तरिच्च यददि	२०	१३६	ર	यदा प्राणो श्रभ्य	११	ષ્ટ	१७
यदन्तरिचा पृथिवी	દ	१२०	8	यदावझन् दाचाय	8	રૂહ	8
यद्न्तरं तद् वाह्यं	2	30	છ	यदा बज्रं हिरएय	ৃহ্০	७३	ક
यद्ञमद्भि बहुधा	٢,	હર્શ	. १	यदा थलस्य पीय	- २०	१६	É
यद्भमद्म्यनृतेन	. દ્	૭ ર	'MY	यदावसथान् कल्प	3	६(१)	G
यद्ग्ये शतं याचे	१२	જ	२२	यदा वाजमसन्ह्	२०	88	१०
यदंप्छ य ट् बनस्पतौ		१३८	4	यदाशसः बद्तो	૭	yo	3
यद्भियर्ति '	3	६(१)	ક	यदाश्टतं छण्यो	१८	. २	ų
यद्यात शुभस्प	१४	१	94	यदासंद्यामुपधा	. 68	₹.	इप
यद्वचिति	१०	¥	२२	यदाखुतेः कियमा	व	G	દ્
यद्हिए कास्व दिप	२०	१३६	३	यदा स्थूलेन पस	. २०	१३६	2
यद्शनकृतं ह्यन्ति	3	$\epsilon(i)$	१३	यदाह भूय उद्धरेति	3	$\xi(z)$	₹
यद्श्वामि बलं	Ę	१३५	१	यदि कर्तं पतित्वा	8	85	٠ 9
यदशासि यत् पिब	6	ર	१६	यदि कामाद्प	3	6	-
यद्श्विना पृच्छुमा	ર્ક	. 8	१४	यदि ज्ञितायुर्यदि	३	११	२
यद्सावमुतो	¥.	E	રૂ	यदि चितायुर्यदि	२०	દદ્	(9)
यदस्मासु दुष्व	39	84	२	यदि चतुर्वृषे।	· ų	१६	8
यद्स्मृति चकुम	. 9	१०६	શ	यदि चिन्नुत्वा	¥.	्२	ક
यदस्य दित्रण्म	१५	१व	२		२०	१०७	9
यदस्य हतं विहतं	ų	ે રહ	4	यदि जाग्रद्यदि	E	४१५	3
यदस्या श्रंहुभेद्याः	२०	१३६	8	यदि त्रिवृषोसि	وم	१६	3
यदस्या गोपतौ	१२	ક	E	यदि दशवृषोसि	ų	१६	१०
यदस्याः कस्मै	ः १२	ઇ	9	1	લ્		2
यद्स्याः पल्पूलनं	१२	ક	3	यदि नववृषोसि	ď		8
यद्हरहरभि	१६	S	११	यदि नो गां हंसि	8	१६	R
यदाकेशानस्थि	११		: ११	यदिन्द्र प्रागपागुद्			8
यद्गार्हपत्य	१४	} :	રે ર	यदिन्द्र ब्रह्मणस्प			3
यद्ाङनगभ्यञ्ज	3	६(१)) ११				१
यदाअनं त्रैककु	ક	. 8	\$	यदिन्द्रादे। दाश	२०		-
यदा त्वष्टा व्यतृण	१ १		= {E		२०		
यदादित्येह य	१्		5	यदिन्द्रेग सरथं	२०	रे हर्	3

यदि पश्चवृषोिन	ento	सू०	Ho	•	es jo	₹o	₹ o
	y	- १६	ų	अदेवको अलुक्ता	1.2	30	3
यदि प्रेयुर्दैव	ų	F. 100	િં	यह नामने क्षीत	8	ž @	Ş
यदि प्रेयुर्देव	है है	२०	્ર હ	बह्मिलाभिसं जिल	7. 1	ફ સ્કૃષ્	ą
यदि वासि त्रैक कुदं	ક	3	ξo	यद्विविधु वर्धतेषु	\$2. \$2.	ð	76
यदि वासि देव	٠٤٩.	१४	9	वह दश्डेन सरिद्धा	2,0	۱).	<u></u>
यदि वासि तिरा	· 😉	36	¥	यह् स्थिये महिचि	হ্ত	£.3	સ્
यदि वाहमनृतदेवो	60	8	83	रह्दालिया सम्बसे	Fo.	१२४	ર
यदि चुत्ताद्भ्य	E	શ ેરજે	ર્	नद् इत्रोतित रोपि	1.17	ફેં	S
यदि शोको यदि	8	24	gr.	यह इत्यां द्वांप	₹≎	2	80
यदि पड्वुषोसि	r _R	१इ	É	यद् दुष्तरां च्यातां ।	G	S. U.	₹
यदि सप्तवृषोसि	y	१६	9	यस् वृष्कतं यचकृसलं	દક	સ્	33
यदि स्त्री यदि वा	y	१४	્	थर् देवा इंबहडनं	***	888	. ?
यदि स्थ चे त्रियाणां	3	१४	બુ	यह देवा देवान	\$	19	18
यदि स्थातमला	१०	Į	ୂର	यह देवाको लवा	₹0	१३६	8
यदि हुतां यदि	१२	£3	43	थस् मासीरज	20	१३७	8
यद्गिद्दं महतो	છ	२७	É	यहस्तास्यां च	\$	382	₹
यदौहं मातुर्यदि	E	११६	2	यह् भावसि नियो	. E.	856	Ž
यद्भि केशिनो	१४	2	38	यदिरस्यं स्यंसा	88	रङ्	ર
यदीयं दुहिता	१ध	5	60	यह् ब्रह्मतिर्यदेष	E.	85	2
यदीयं हनत् कथं ह	२०	१३२	00	यह महस्य पुरुष			
		6 4.0	१०		30	A Second	25
यदुदञ्चो वृषा	२०	१२६	२२ २२	यद्यग्तिः कत्या	१२ १०	S. S. San	S.
यदुद्द्यो वृषा यदुद्रं चरुणं	२० १०		-	यद्यक्तिः क्रया यद्यजाया प्रचति			•
यदुद्ध्यो तृषा यदुद्रं वरुणं यदुद्दीरत ग्राज	१० २०	१ २६ १० ५६	२२ २२	यचिनः क्रया यचजाया एचनि यचन् छन्जः शङ्क	85	2	왕
यदुद्ध्यो वृषा यदुद्रं वरुणं यदुद्गरत श्राज यदुपरिशयनमाह	20 20 8	१२६ १० ५६ ६(१)	२२ २२	यचितः क्रया यचजाया प्रचति यचत् कृष्यः शकु यचन्तरियो यदि	१२ १२ १२ 9	20 AN 200 33	88
यदुद्ध्यो तृषा यदुद्रं वरुण् यदुद्गरत आज यदुपरिशयनमाह यदुपस्तृणन्ति	00000	१२६ १० ५६ ६(१) ६(१)	222200	यचिनः क्रव्या यचजाया प्रचति यचत् छुण्यः शुरु यचन्तरिषे यदि यचचिर्वदि	\$? \$?	SO SO NO SO SO	\$\$ \$\$
यदुद्ध्यो वृषा यदुद्गं वहण् यदुद्गेरत आज यदुपरिशयनमाह यदुपस्तृण्यित यदुवक्थानृतं	o o w w o	१ २ ६ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १	A SA W CO A WA	यचिनः कथा यचजाया एचनि यचन् छुन्तः शङ्ख यचन्तरितं यदि यचर्चिवदि यचर्चिवदि यचर्च्यक्ति	2 2 2 9 X 3	STATE OF STA	SANNAS
यदुद्ध्यो तृषा यदुद्रं वरुणं यदुद्गेरत आज यदुपरिशयनमाह यदुपस्तृणन्ति यदुवनथानृतं यदुषो यासिभानुना	o o w w o o	१२६ १० ५६ ६(१) ६(१) १४२	222200	यचिनः क्रया यचजाया पचिति यचत् छण्याः शहु यचन्तरिना यदि यचचिर्यदि यचचिर्यदि यचघनुषोस्ति यद्यामं चकुनिनं	2 2 2 9 X		30 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 0
यदुद्ध्यो वृषा यदुद्गं वहणं यदुद्गेरत श्राज यदुपरिशयनमाह यदुपस्तृणन्ति यदुवक्थानृतं यदुषो यासिभानुना यदुस्त्रियास्वाहुतं	2 2 W W & C 9	१२६ १६ १११) १४१ १४२ १४२	RR RW W V RV RV 30	यग्रीतः क्रया यग्रीया प्रचित यग्रीया प्रचित यग्रीया यदि यग्रीयीदि यग्रीयीदि यग्रीयीदि यग्रीयीदि यग्रीयामं चकुपति यद्यामं चकुपति		STATE OF STA	SANNAS
यदुद्ध्यो तृषा यदुद्दं वरुणं यदुद्दं वरुणं यदुद्देरत आज यदुपरिशयनमाह यदुपरिशयनमाह यदुपरतृण्यित यदुवक्थानृतं यदुषो यासिभानुना यदुस्त्रियास्वाहुतं यदेजति पतिति	2, 2, 4, 4, 5, 6, 6, 6, 6, 6, 6, 6, 6, 6, 6, 6, 6, 6,	१ २ ६ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १	* * * * * * * * * * * * * * * * * * *	यचिनः क्रया यचजाया प्रचति यचन् छुग्षः शुकु यचन्तरिनं यदि यचचिर्यदि यचघ्युगोसि यद्यामं चकुननि । यद्याम इन्द्रने स्तं यद्याम इन्द्रने स्तं			3 0
यदुद्ध्यो वृषा यदुद्दं वहण् यदुद्दं वहण् यदुद्दं वहण् यदुद्दं वहण् यदुप्दिशयनमाह यदुप्दृश्चित यदुवक्थानृतं यदुषो यास्त्रिभानुना यदुस्त्रियास्वाहुतं यदेजति पतिति यदेनमाह वाल्य	0 0 4 4 8 0 0 0 5 0 0 4 4 8 0 0 5	२ २ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १	R R M W V B R B R M	यचिनः क्रया यचजाया पचिति यचत् कृष्णः शकु यचन्तिष्ते यदि यचचिर्विति यचघनुषोसि यद्यामं चकुनि यद्यामं इन्द्रतं शतं यद्याम इन्द्रतं शतं यद्याम इन्द्रतं शतं			3 0
यदुद्द्यो नृषा यदुद्दं वरुणं यदुद्दं वरुणं यदुद्देरत आज यदुपरिशयनमाह यदुपस्तृण्यान्त यदुवक्थानृतं यदुषो यासि भानुना यदुद्धियास्वाहुतं यदेजति पतिति यदेनमाह बात्य यदेनमाह बात्यो	0 0 W W & O O O S S	२ २ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १	RR R R W V R R B R R B	यचिनः कथा यचजाया पचित यचन्त्रिया यदि यचन्त्रिया यदि यचचित्रेति यचच्चेत्रेति यच्चामं चकुनि । यद्चामं चकुनि । यद्चामं दन्द्रते सतं यद्चामं दन्द्रते सतं यद्चामं दन्द्रते सतं यद्चामं दन्द्रते सतं यद्चामं दन्द्रते सतं यद्चामं दन्द्रते सतं यद्चामं दन्द्रते सतं	\$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$		3 0
यदुद्ध्यो वृषा यदुद्दं वहण् यदुद्दं वहण् यदुद्दं वहण् यदुद्दं वहण् यदुद्दं वहण् यदुप्दिश्यनमाह यदुप्दृण्वित यदुवक्थानृतं यदुषो यास्तिभानुना यदुस्त्रियास्वाहुतं यदेजति पतिति यदेनमाह बात्य यदेनमाह बात्य। यदेनमाह बात्य		2 2 4 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2	R R R R R R R R R R R R R R R R R R R	यचितः कथा यचजाया पचित यचत्रिका यदि यचन्त्रिका यदि यचचित्रित् यचच्चेशित् यच्चामं चकुनिं यद्यामं इन्द्रतं सतं यद्याम इन्द्रतं सतं			
यदुद्द्यो नृषा यदुद्दरं वरुणं यदुद्दरं वरुणं यदुद्दरं वरुणं यदुद्दरं वरुणं यदुप्दिश्यनमाह यदुप्दिश्यनमाह यदुप्देश्यान्ति यदुवक्थानृतं यदुषो यासि भानुना यदुस्त्रियास्वाहुतं यदेजति पतिति यदेनमाह बात्य यदेनमाह बात्य यदेनमाह बात्य	0 0 4 4 8 8 9 0 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5	2 2 4 2 3 0 2 3 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2	RRWW W W W W W W W W W W W W W	यचिनः कया यचजाया प्रचित यचजाया प्रचित यचन्त्रियं यदि यचन्त्रियं यदि यचचिवंदि यचघ्य्यामं चकुनि । यद्यामं चकुनि । यद्यामं चन्त्रियं सतं यद्यामं दन्द्रियं सत्वे यद्यामं दिपदी यद्यामया सहतो			3 C
यदुद्ध्यो वृषा यदुद्दं वहण् यदुद्दं वहण् यदुद्दं वहण् यदुद्दं वहण् यदुद्दं वहण् यदुप्दिश्यनमाह यदुप्दृण्वित यदुवक्थानृतं यदुषो यास्तिभानुना यदुस्त्रियास्वाहुतं यदेजति पतिति यदेनमाह बात्य यदेनमाह बात्य। यदेनमाह बात्य		2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2	R R R R R R R R R R R R R R R R R R R	यचितः कथा यचजाया पचित यचत्रिका यदि यचन्त्रिका यदि यचचित्रित् यचच्चेशित् यच्चामं चकुनिं यद्यामं इन्द्रतं सतं यद्याम इन्द्रतं सतं			

	CHEMINANT PELL PR	DELF CHINDRE	eronauterion ha vera	(VIII)
	হ ন 🖁 ০	₹°°	स्	
यद् रोइसी रेजमाने	Ŷ	3	250	
यह वहा वि मधु	85	ą	५ =	
खल वासितिधिपति	. 8 8	(१)	95	
शह वाशतिधिपति	8	(3) \$	ų	
यह् वा उणोज्येष	83	સ	83	
गह वा अवस्थात	্	११२	2	
यह वा उसे र से	२०	\$50	્ર	
यहूँ साग्रक परावति	२०	१११	5.	
यहासि सुन्यती	२०	`२११	્રે	
बहाँ कर्नावांडन	२०	880.	o.J.	
विद्याली यह	· &	ย์ร์กั	. P	,
यस हिलाइसमुखा	१६	33	13	
यह वीधे स्नायति	B	2	₹8	
चहु बीसाजिला यत्	२०	ઇરૂ	₹	
यह बेद रासा वरुगो	· P	₹4.	E.	
यह दो शजा बरुपो	28	इ.इ	3	
यह को हानित्रस	P 78	8	દ્યુ	
माम के ऐसा उपकी	Ę	१००	T.	
कर् को श्रमः प्राप्तर	9	१३	3	-
सार को एहं किना:	F 750	35	Ę£	
वहूनों सरं ग्रांसना	38	34	5	
्यार् चः अहः कस्माः	T =	· 13	4.3	-
स्वतिक्षित सच्छ स	Ş	prodict to	2	
श्रास्त्रका देखा	E.	€0(€)	6.3	
कल्कुर्व चंटा	From (Luq	10 (3)	ે જે છ	
यम्यास्य सिवि	3	10(2)	११	
Treating to the same	6	· १०(१)	१ ३	
यस रन्द्र स्वार्	ু ও	રક	, and	
बुकासरका पराके	ঽ০	\$83		
महास्त्राच्य और	२०			
यस्तं चौतिर	হ্ত	કૃક્ષિણ	Ę	,
स्वतास्युक्तीयः।	5 3		-	
यान्यातिया र्य	88			
यान्तर हुनसाड्नसा	F			
यनमे अस्योगादि	8		R	,
,				

ক্ষাঁত सु० Щo यन्मे छिद्रं मनसो 38 80 यन्मेद्म भिशो 38 यनमें सनसो न प्रिय ą 3 यन्से माता १० Ê यसवः। तमन्निः 80 १८ यसवः । तमापो १० यमब् । तमिन्द्रः 80 यमद०। निममं १७ \$ o १२ यसवः । तेनेमां 80 ह १६ यमब०। तं देवा δo यमबः। तं विभ्र १० 80 १३ Ę यमब०। तं विभ्र 90 કૃપ્ यमव०। तं राजाः 80 3 હ્ यमब् । तं सूर्यः १० यमवः ।तं सोमः 4 ₹0 यमनः। सोसस्मै ११ 20 यमद्य । समायं म-शिरागत्ते जना 80 यगवा । समायं मः शिरागमस्तवी \$ 0 वसवर्। स मार्यं **म**-23 श्चिरागमत्सह 20 वसक्। स साथं म-23 िश्रांगमत्स हवी यस्वः। स भाषं मः चित्रसम्बद्धीयो ર્દ્ यमब् ।स मार्थं म-शिरागमद्रेन न 35 80 व्यव ० । स मार्च म-5.3. शिरागमन्त्रधो यहारी पुरो द्धिरे 4 y यत्याते पुरोधत्ते IJ. १२ ्मस्य भाग ख 80 6 यसस्य मा यस्यं १८ ₹ 13.8 28 यास्य लोकाइ

CONTROL OF THE PARTY OF THE PAR	CONTRACTOR DESCRIPTION	CHARLOS MONTHS AND	CAMBLE TO RECORDS WILLIAMS	THE RESERVE THE PROPERTY OF TH	decimal and the second decimal	- in the same of t	manusco emeth
, 	কাঁ০	सु०	स०		कांo	सु०	Ho
यमाय घृतवत् पयो	१८	ર	3	यस्त आस्यत् गञ्जा	ક	હ	ક
यमाय पितृमते	१=	왕	ବଃ	यस्त ऊरू विहर	ं२०	६६	१४
यमाय मधुमत्तमं	8 ==	ર	ર	यस्तस्तम्भ सहसा	२०	66	१
यमाय सोमः पवते	१ट	ર	8	यस्तिगमश्रहो वृष	२०	३७	8
यमिन्द्र द्धिषे	२०	ųų	3	यस्तिष्ठति चरति	ક	१६	ર
यमिन्द्राञ्चो स्मर	ફ	१३२	8	यस्ते अग्ने सुमति	8=	8	२४
यमिन्द्राखी स्मर	ંદ	१३२	રૂ	यस्ते ऋष्य महिमा	१८	ગ્ર	ર
यमिमं त्वं वृपाक	२०	१२६	ક	यस्ते केशावण्यते	Ę	१३६	ર
यमु पूर्वमहुवे तमि	२०	६७	9	यस्ते गन्धः पुष्कर	१२	Ş	રક
यमोद्नं प्रथमजा	ક	34	. 8	यस्ते गन्धः पुरुषे	१२	ર	સ્ષ
यमो नो गातुं प्रथ	१=	१	60	यस्ते गन्यः पृथि	१२	१	२३
यमो मृत्युरवनारो	દ્	દર	१	यस्ते गर्भमतावा	१२	इ.इ	१२
यमः परीवरी	१८	ર	३२	यस्ते गर्भ प्रति	2	હ	१=
यमः पितृषा	ų.	. ૨૪	१४	यस्तेङ्कुशो वसु	ફ	द्ध	ેર
यया चौर्यया	१०	१०	ક	यस्ते देवेषु महिमा	१६	વ્	য়
ययो रथः सत्य	8	35	Q	यस्ते प्रसंपि	१०	१	E
ययोरभ्यध्व	છ	२८	२	यस्ते पृथुस्त	ેહ	११	१
ययोरोजना स्क	9	२५	१	यस्ते शागोदं	११	ક	१=
ययोर्वधाषापद्यते	ક	२८	ų	यस्त साशियों	१०	3	১
ययोः संख्याता	ક	इं ५	Ę	यस्त मद्विकेशी	ह	३०	ેર
यवानो ययस्वभिः	२०	१३०	وي	यस्ते मदा युज्यश्चा	२०	११७	ર
यशसं मेन्द्रो मघवान्	દ્	먹드	8	यस्त मन्यो चिद्ध	ક	३ २	1 2
यशा इन्द्रो यशा	ই	₹&	na	यस्ते श्रुङ्गपूर्यो न	२०	19	9
यशा इन्द्रो यसा	હ	46	in,	यक्ते शोकाय तन्वं	ų	۶.	३
यशा यासि प्रदि	१३	8	\$4	य ले सर्पो वृश्वि	१२	2	४६
यशो ह विर्वर्धता	8	38	8 .	यस्ते स्तगः	9	१०	१
यश्च कविची यश्चा	१ १.	8.0	२२	यस्ने इन्ति पत्य	२०	કૈક	83
यश्चकार न शशाक	છ	१≂	84	यस्ते हवं विवद्त्	ą	·3	દ્
यश्चकार न शशा	ų	રૂ શ્	११	यहत्वा कृत्यामि	` Z	ď	કૃષ્
यश्चकार स निष्क	ર	13	ų	यस्त्वा पिचनि	y.	ų.	२
यश्च गां पद्।	१३	3	५६	यस्त्वा भ्रांता पनि	20	33	ર્ષ
यश्च पणिरघु	२०	१२८	쑵	यस्त्वा शाले प्रति	3	, Ę	3
यश्चर्षिणा	. 8	રષ્ઠ	3	यस्त्वा शाले निमि	3	32	११
यश्च सापतः	२	9	२	यस्त्वा स्वपन्तीं	6	E	T
यश्चिद्ध त्वा	२,०	६३	દ	यस्तवा स्वमेन	२०	\$\$	१ ६
				• ,			• •

en de la companya de La companya de la co	कांo	सू०	Ho		कां०	सू०	ĦО
यस्त्वा स्वप्ने नि	2	દ્	9	यस्य द्विवर्हसो वृह	२०	६१	ų
यस्त्वोवाच .	१०	. 8	9	यस्य द्विवर्हसो वृह	२०	६२	8
यस्मा ऋणं यस्य	દ્	११८	3	यस्य नेशे यज्ञप	ક	११	ų
यस्मात् कोषादुद्	38	હર	. 8	यस्य ब्रह्म मुख	१०	૭	38
यस्मात् पकादसृतं	8	34	હ	यस्य भीमः प्रतीका	3	Ξ	& -
यस्माहचो अपात »	१०	(9	20	यस्य भूमिः प्रमा	१०	9	32
यस्माद् वाता ऋतु	१३	3	२	यस्य वशास •	ક	२४	8
यस्मान ऋते विज	२०	३४	3	यस्य वातः प्राणा	30	و	38
यस्मान्मासा	ક	34	ક	यस्य विश्वे हिम	8	ર	4
यस्मिन् षडुवीं	१३	्३	દ	यस्य वते पशघो	ંહ	80	8
यस्मिन्स्समुद्रो	११	₹	२०	यस्य शिरो वै	80	৩	१=
यस्मिन्त्स्तब्ध्वा	१०	9	૭	यस्य सूर्यश्चन्तु	१०	9	33
यस्मिन्देवा अमृ	१२	्२	१७	यस्य संस्थेन	२०	33	ર
यस्मिन् देवा मन्म	१्र	१	३६	यस्य हेतोः प्रच्यव	3	E	3
यस्मिन् देवा चिद	१=	१	३५	यस्याश्चतस्रः	१२	8	ક
यस्मिश्रक्थानि	२०	88	ર	यस्याञ्जन प्रसर्प	ક	8	8
यस्मिन् भूमिरन्त	१०	9	१ २	यस्यामशं ब्रीहि	१२	१	કર્
यस्मिन् वयं व्धिमा	े२०	3=	દ્	यस्यामापः परि	१२	१	3
यस्मिन् विराद्	१३	્ર	eq.	यस्यामितानि	२०	Eug	3
यस्मिन् विश्वा	२०	११०	ર	यस्याश्वासः	२०	. રૂપ્ડ	૭
यश्मिन वृक्षेमध्यदः	3	. 8	२१	यस्यास्त आसनि	ફ	EA	
यस्मै त्वा यशवर्धन •	20	E ,	38	यस्यां कृष्णमर	१२	१	पुर
यस्मै हस्ताभ्यां	१०	و	38	यस्यां गायन्ति	१२	१	88
यस्य क्रगमो	६	y	ą	यस्यां पूर्वे पूर्वजना	१२	१	ų
यस्य क्रमभजन्त	38	पृक्	¥	यस्यां पूर्वे भूतकृत	१२	· Ł	3.5
यस्य चतस्रः	१०	ું હ	१६	यस्यां वृत्तावान	१२	₹	२७
यस्य जुष्टिं	ક	રક	. U	यस्यां वेदि परि	१२	१	13
यस्य तकमा कासि	११	. ર	२२	यस्यां सदोह	ं १२	१	36
यस्य ते वासः	2	१३	ų	यस्यां समुद्र उत्	१२	१	₹ :
यस्य ते विश्वमा	२०	83	3	यस्याः पुरो देव	१२	१	
यस्य त्रयस्त्रिंशद् दे	१०	9	१ ३	यस्येदमारजो	्र ६	33	
यस्य त्रयस्त्रिंशद् दे		ą	२७	यस्येदं प्रदिशि	8	२३	
यस्य त्रयस्त्रिशद् दे	१०	و	২৩	यस्येदं प्रदिशि	9	રપૂ	ર
बस्य देवा श्रक	११	३	२१	यस्योरुषु त्रिषु	૭	२६	3
यस्य द्यौरुवी	ક	ર	ક	या अक्रम्तन्तव	१४	8	84
				\$			

				programme who may receive, name as a partition of the West rate of the and dependent of the transfer of the programme and the second of the se			
	कां	स्०	Ho		कां०	स्०	म०
या अत्रेषु	૾ૺૺ૱૽	३८	ક	या मज्ज्ञो निर्घयनित	3	E.	8=
या आयो दिव्याः	ક	E	4	यामन्यामञ्जययुक्तं	ક્ષ.	२३	¥
या आयो याश्च	११	8	30	यामनवैच्छद्ध वि	१२	8	६०
या इन्द्र भुज	२०	५५	ર	यामश्विनावमि	१२	१	१०
या एव यज्ञ	3	६(१) 4	!या महती महोन्माना	, y	(9	8
या श्रोषधयो या	१४	7 २	.9	यामापीनामुपसी	3	· १	3
या ओषधयः	. &	2 દ	, 8	या मा लदमीः	9	११५	3
या गुदा अनु सर्प	3	Ë	१७	या माइति प्य	38	ક	र्
या गृतस्यस्त्रिप	3,9	३४	· •	यामाहुस्तारकैषा	¥	१७	8
या ग्रैव्या श्रपचितो	9	७६	. २	यामिम्द्रेण सं	११	र १०	8
या त इन्द्र तन्रप्सु	१७	8	१३	या सृषयो भूतकृतो	ફ	१०द	ક
यातुधानस्य सोमप	१	=	3	या मेशियतमा	१४	ર	y o
यातुधाना निऋ	g	90	२	यायैः परिनृत्य	R	રૂ⊏	3
या ते प्राण विया	११	ક	3	या रोइन्त्य क्रिरसी	: 4	9	१७
या ते वसोर्यात	38	યુષ	२	या रोहिणीर्वेवत्या	१	२२	3
यातं छर्दिष्पा उत	२०	१४१	१	यार्णवे ऽधि	१२	ę	_F T
बा दुर्हादी युवत	१४	- 2	28	याविद्गरसमवधो	ક	28	3
या देवीः पञ्च	११	8,	२२	यावच्चतस्रः प्रदि	ર	२२	ų
या द्विपत्ता चतुष्प	Ę	3	२१	यावती द्यावा	ક્ષ	Ę	२
यानसावतिसरां	4	=	ی ا	यावती द्यावा	3	ે ર	२०
यानावह उशतो	9	29	३	यावतीनामोषधी	2	ંહ	સ્પૂ
यानि कानि चि	3.5	8	१३	यावतीषु मनुष्याः	=	9	२६
यानि चकार	88	२०	ર	यावतीर्दिशः	3	ર	२१
यानि तेन्तः	8	3	Ę	यावतीर्भृङ्गा	3	ર	२२
यानि त्रीणि	=	3	३	यावतीः कियती	. 4	G	१३
यानि नक्षत्राणि	१8	Z	१	यावतीः कृत्या	१४	२	8£
यानि भदाणि	3	२३	ક	यावत् तेभि वियश्या	१२	₹	33
था नः पीपरद	१६	80	ં પ્ર	यावत् सत्त्वधे	3	E(8)	ξ
यान्युल्खल	. &	६ (१) १५	यावद्शिष्टामेन	3	&(8)	२
याप सपँ विजमा	१२		39		ફ	७२	3
या पुरस्ताद् युज्यते	१२	=	१०	याचद्तिराव	3	६(४)	8
या पूर्व पति विस्वा	. 3		२७	The state of the s	१२	ક	
या प्लीहानं शोष	3	રપ	3		११	3	
या बभ्रवो याश्च		9			3	ફ(ઇ)	
याभ्याम जय	9	११०	१ २	यावन्तो धस्याः	१२	ą	೪೦

यांवन्ती मा संपरना		(:	કે,દ્વ ર		युधि	द्रो मह	ή —
	कां०	स्० ।	To			-	TO.
वावन्तो मा सपत्ना	(g	१३	2	यां ते चकुः क्रक	4	38	ર
या वशा उदक्र	१२	8	કર	यां ते चकुः पुरुषा	¥	38	8
पावरीभाधे बहु	ક	26	8	यां ते चकुः सभायां	Å	38	Ę
या विश्यत्नीन्द्रम	9	ક ફ	3	यां ते चक्रुः सेनायां	Y.	3 8	9
या शशाप शपनेन	8	१७	3	यां ते घेतुं निपृणा	१=		₹०
पा शराप शयनेन	१	२८	3	यां ते बहिष	१०	8	१८
याश्चाहं वेद वीरुधः	=	و -	१८	यां ते रुद्र इषु	8	80	
यासां देवादिबि	१	३३	3	यां त्वा गन्धर्वी	8	8	
यासां द्योः पिता	3	२३	E	यां त्वा देवा श्रस	~ ' १]	8	8
यासां नाभिरारेहणं	Ę	3	3	यां त्वा पूर्वे भूतकृत	. E .	१३३	4
यासां राजा वरुणो	१	33	2	यां देवा अनुतिष्ठ	88	10	२७
या सुवाहुः स्वङ्गुनि	7.	४६	२	या देवाः प्रति नम्द		१०	ર
यास्तिरश्चीरुप	3	=	१६	यां द्विपादः पिता	१२	8	7.5
यास्ते प्रीवा ये	80	3	२०	यां प्रच्युतामनु	4	£	E
यास्ते जङ्घायाः	१०	8	२३	यां मृतायानुवध	Y.	\$ 6	१२
यास्ते धाना अनु	₹⊏	3	६६	यां मेधामृभवो वि	Ę	१०=	3
यास्ते धाना अनु	१.⊏	ક	२६	यां रत्तन्त्यस्वप्ना	१२	8	9
यास्ते धाना श्रद्ध	25	ક	४३	याः कृत्या श्रा	E	4	
यास्ते प्राचीः	१२	१	38	याः क्रन्दास्तमिषी	ર	ર	ų
यास्ते राके सुमतया	9	٤٣	્ર	याः पाश्वे उप	₹ -	૮	१५
यास्ते ,ठहः प्ररुही	१३	, १,	3	याः सीमानं विरुज		ટ	१३
यास्ते विशस्तप	१३	ষ	१०	याः सुपगा आङ्गि	[=	•	રહ
थास्ते शतं धमनयो		Z0	. ર	युक्तामातासीद् धु		8	£ .
यास्ते शिवास्तन्वः	3	ર	રપૂ	युजे रथं गवेषणं	२०	१२	3
यास्ते शोचयो	१⊏	ર	3	युज्यमानी वैश्वदेव	a fi	9	રષ્ઠ
या इस्तिन द्वीपिति		3८	२	युङ्जनित ब्रधमरुषं	30	२६	8
या हदयमुपर्व	3	~ · · · · =	१४	युक्जन्ति ब्रधमरुषं	२०	80	१०
यां कल्पयन्ति	१०	१		यक्षन्ति ब्रध्नमरुष	२०	88	3
यां जमद्शि	ફ	१३७	. 8	युक्जन्तिहरी इषिर	€य २०	१००	3
यां ते इत्यां कूपेऽव				युक्जन्तस्य का	२०		
				युजनत्यस्य का	રહ		7.1
यां ते चकुरमूलायां यां ते चकुरामे	ે છ			युञ्जन्त्यस्य का	२०		
यां ते चक्रुरामे	ų			युघाएकः संस्ज	1.		
यां ते चमुरान	e.	_			२०		digr.
या त चन्नुरगरा ग या ते चन्नगर्हिपर	4	4 3	1		२०	११	1

	€io.	सु०	Ho		Thio	स्०	म
युनक सीरा वि युग	ा ३	29.	વ	ये ग्राम्याः पश्चो	. ૨	રૂંધ	. %
युनकु देवः सविता	ų	२६	ર	ये च जीवा येच मृ	ता १८	ક	d'
पुनज्मित उत्तरा	૪	22	· eq	ये च देवा श्रयज	२०	१२=	ų
युवं भगं संभरतं	18	8	३१	ये च घीरः ये चाध	ी ११	3	२ः
युववं श्रियमश्व	२०	१४३	૨	येचित् पूर्व ऋत	१८	्२	20
युवं सुराममश्व	२२	१२५	8	ये त आरण्याः	१२	१	8
यूयमग्ने शतमाभि	१८	ક	१०	ये त आसन् दश	28	E	ं १
यूयमुद्रा मरुतः	१३	8	3	ये त आसीद् भूमिः	११	6	
यूयमुप्रा मरुतः	y	२१	ः ११	ये तातृषु दवत्रा	१=	3	8
यूयमुग्रा मरुतः	3	१	२	ये ते देवि शमिता "	१०	3	Ý
यूयं गावो मेदयधा	ક	२१	્દ	ये ते नाड्यो देवकृते		१३८	
यूयं नः प्रवतो	8	२६	3	ये ते पन्धानो व दि	चो ७	, AA	1
ये अग्नयो श्रप्स	3	२१	, 	ये ते पन्थानो बहवं	रे १२	१	89
ये अग्नजा श्रोष	१०	8	२३	ये ते पाशा वरुण	8	१६	ş
ये अग्निदग्धा ये	१=	. २	34	ये ते पूर्वे परागता	१=	Ę	9:
ये स्रप्रवः शशमा	१८	२	४७	ये ते रात्रि नृचत्त	38	80	•
ये अङ्गानि मदयन्ति	3	=	38	ये ते राज्यनड्वाह	3.5	40	
अत्रयो अङ्गिर	१=	3	२०	ये ते श्ट्रहें अजरे	۷.	3	२्
र अन्ता यावतीः	रुष	ે ર	48	येत्र पितरः पितरा	१८	. ૪	=
। भ्रापीषन् ये	3	દ્	9	ये त्रयः कालका	દ્	Eo	:
श्रमृतं विभृथो	છ	२६	8	ये त्रिषप्तताः परि	१	6	1
प्रमनो जातान्	=	६	3.8	ये त्वा कत्वा	१२	Ą	å
ये अर्वाङ्मध्य	१०	<	१७	ये त्वामिन्द्र न तु	२०	884	ī
ये अर्वाञ्चस्ता	8	8	38	ये त्वा श्वेतां	२०	१२=	११
ये उस्त्रिया विभूथो	ંક	२६	Ų.	ये दक्षिणतो जुह्न	8	80	=
ये कीलालेन तर्पय	ુ છે	२६	8	ये दस्यवः पितृषु	१८	ર	२ः
ये की लालेन तर्पय	8	२७	دو	ये दिवि पुराया	१५	१३	. 8
ये कुक्नधाः कुकू	4	ફ	११	ये दिशामन्तर्देशे	ક	80	•
रे किमयः पर्वतेषु	२	38	ધ્ય	ये देवा अन्तरित्त	38	29	१२
ये किमयः शिति	¥	२३	y.	ये देवा दिविषदी	१०	8	१२
ये गन्धर्वा अप्सर	१२	ę	Yo	ये देवा दिविषदी	११	Ę	१२
ये गर्भा अवपद्यन्ते	· ·	१७	ِ ن	ये देवा दिवि छ ये	8	३०	3
पे गव्यता मनसा	२०	८३	૨	ये देवा दिव्येकाद	38	૨૭	११
ये गोपति पराणी	१२	8	42	ये देवानामृतिब	38	११	Ų
ये प्रामा यद्रएयं 📜	१२	۶	48	ये देवानामृत्व	38	46	8

	कां०	सू०	Ho		কাঁ০	स्०	म०
ये देवाः पृथिव्या	8,8	29	१३	येनावपत् सविता	E	६८	3
ये देवा राष्ट्रभृतो	१३	2	રૂપ	येना श्रवस्यवश्च	₹	8	. ૪
ये देवास्तेन हासंते	ક	३६	خع	येना समुद्रमसृजो	२०	3	8
येदं पूर्वागन् रश	१४	२	98	येना समुद्रमसुजो	२०	88	9
ये३घस्ताज्ञह्वति	ે છે	80	4	येना सहस्रं वहसि	. 8 .	લ	१७
ये धीवानो रथका	3	٠ بو	Ę	येनासी गुप्त बादि	११	१०	११
येन ऋषयो बत	ક	२३	ų	ये निखाता ये परोप्ता	₹⊏	્ર	३४
येन ज्योतीं व्याय	₹0	६१	२	येनेन्द्राय समभरः	१	3	3
येन कृशं वाजयन्ति	ં દ્	१०१	. २	येनेमा विश्वाच्य	२०	३४	ક
ये नदीनां संस्रवन्ति	१	६५	રૂ	ये नः पितुः पितरो	₹==	२	38
येन देवा श्रमुत	ક	२३	દ્	ये नः पितुः पितरो	१८	3	४६
येन देवा असुराणां	દ્	9	३	ये नः पितुः पितरो	१=	3	34
येन देवा श्रसुरान्	8	२	१७	ये नः सपत्ना	¥	36	₹0.
येन देवा ज्योति	११	१	३७	ये ३न्तरिचाज्जुह्व	8	८०	દ્
येन देवा न विदन्त	ૃેર	30	ક	ये३न्तरिक्षे पुराया	१५	१३	8
येन देवाः स्वराहरू	ક	११	દ્	ये पन्थानो बहवो	3	84	ર
येन देवं सवितारं	38	. ૨૪	१	ये पन्धानो बहवो	६	पृष्	. 8
येन धनेन ०। तन्मे	भू ३	१५	ų	ये पर्वताः सोम	3	२१	20
येन धनेन ०। तस्सि	न् ३	१५	દ્	ये पश्चाजुहति	ક	80	3
येन महानद्या	१४	8	३६	ये पाकशंसं वि	2	8	٤
येन मृतं स्नपयन्ति	فو	88	१४	ये पितरो वधूदशी	१ध	२	७३
येन वृद्धाँ अभ्य	દ	१२६	्र	ये पुरायानां पुण्या	१५	१३	ુ
येन वेहद् ब्भूविध	3	२३	१	ये पुरस्ताजुहति	8	80	2
येन सिन्धं मही	२०	६३	\$	ये पुरुषे ब्रह्म	१०	હ	१७
येन सूर्या सावित्री	8	= 2	२	ये पूर्वं वध्वो३ यन्ति	E	દ્દ	१४
येन साम साहन्त्या	Ę	છ	ું સ્	ये पृथिव्यां	१५	१३	3
येन सोमादितिः	દ	- 9	१	ये बध्यमानमनु	२	રૂક	3
येन इस्ती वर्चसा	ą	२२	રૂ	ये बाहवी या इष	११	Ę	१
येनाग्निरस्या	१४	۶	४८	ये बृहत्सामा	ų	38	ર
येनातरन् भूतकृतो	ક	. 34	્ર	येब्राह्मणं प्रत्य	Ų	3.9	3
येन दशग्वमधि	२०	६३	4	ये भन्नयन्तो न	२	इप्	2
येना दित्यान् हरि	१३	ą	१७	येभिर्वात इषितः	१०	E	३५
येना निचक्र श्रासुरी	-	३⊏	ેર	येभिः पाश्चैः परि	E	११२	₹.
येना पावक चन्न	१३	ર	२१	ये मा क्रोधयन्ति छ	8	३६	8
येना पावक चत्त	20	80	१ू⊏	येऽमावास्यां३ रा	. 8	१६	\$
,	· -		•				

स्०

Ş

છ

· 8

. 8

ક ં ક

ક

85=

६(२)

₹.

२४ ७

ą

ĦО

ર

4=

3.9

. 8

ų

રક્ષ

: 8

ર

erio

t.

É

દ્ધ ૈ

É

E

E

१८ ३

¥.

	कांo	स्र्०	Ho	
ये मृत्यव एकशतं		ર	२७	या अदयी परि
ये यदमास्रो अर्भका	38	38	ર	ये। अग्निः कन्या
ये युध्यन्ते प्रधने	१८	₹	20	ये। भग्नी रुद्रो
ये रिधनो ये अर	११	१०	२४	ये। अन्रतो रोचना
ये राजानो राज	3	ų	9	ये। श्रङ्ग्ये। यः
ये रात्रिमनुतिष्ठ	3.8	용드	ų	याअद्य देव सूर्य
ये व आपोऽपामस	१०	eq	२१	ये। श्रद्य सेन्यो वधो
ये वध्वश्चन्द्रं	१४	ર	१०	ये। अद्य सेन्यो वधो
ये वर्मिणो ये वर्मा	११	20	२३	ये। अद्य स्तेन श्रा
ये वशाया श्रदोनाय	१२	ક	५१	ये। अध स्तेन आ
येवाषासः कष्क	¥.	२३	وي	ये। अदिभित् प्रथ
ये वां दंसांस्यश्व	२०	१३६	3	ये। अनिध्मोदी
ये वो देवाः पितरो	१	30	ર	ये। अन्तरिक्षेण
ये बीह्यें। यदा	8	E(8)	१४	ये। श्रन्धो यः
ये शालाः परि	4	દ્	50	ये। अन्नादो अन्न
ये श्रद्धा धनकाम्या	१२	ર	48	ये। अन्येद्युरुभयद्यु
येषामध्येति प्रव	9	€0	े ३	या अस्य पारे
येषां पश्चात् प्रपदा	4	६	१५	ये। अस्यविश्वज
येषां प्रयाजा उत	ેં ફ	30	ક	ये। अस्य समिधं
ये सत्यासो इवि	१=	3	85	ये। अस्य सर्व
ये सर्पिषः संभवन्ति	त १	१५	ક	ये। शस्य स्याद्
ये सहस्रमराजन्ना	Cq.	१⊏	80	ये। ग्रस्या अधो
ये सूर्यात् परिसर्पि	ते =	8	રક	ये। यस्या ऋच
ये सूर्यं न तितिच	E	8	१२	3
ये सोमासः पराः	२०	११२	त्र	यो गिरिष्वजा
ये३स्माकं पितर	१८	ક	8=	योगेयांगे तवस्तरं
ये३स्यां स्थ द्त्ति	Ę	२६	२	यागेयोगं तवस्तरं
ये३स्यां स्थ धुवा	3	२६	ų	यो जात एव प्रथ
ये३स्यां स्थ प्रती	₹	् २६	ર	The state of the s
वे३स्यां स्थ प्राच्यां	રૂ	२६	१	
ये३स्यां स्थोदीच्यां		२६	ક	
ये३स्यां स्थोध्यायां		२६	8	यो तिधीनां
यं स्नाक्तयं मणि	æ	ų	ও	योधवांगं
यैरिन्द्रः प्रक्रीडते	ધ્ય	२१		1 1 7 7
या अकन्दयत्	=	8	?	यो दभ्ने अन्तरि

	कां०	स्	To	
यो दाधार पृथिवीं	ક	રુ પ્	3	यो
यो देवाः इत्या	8	१=	2	ये।
ये देवो विश्वाद्य	ą	२ १	ક	या
यो न इदमिदं	20	हर	3	ये।
या न इदमिदं	50	68	3	या
या न जीवोसि	દ્	४६	8	यो
या नस्तायद् दिप्स	7	१०८	१	ये।
ये।ऽना का चो	२०	१२८	દ્દ	या
यो नो अग्निगाई	38	38	ર	ये
यो नो अग्निः	१२	२	३३	ये
या ना अश्वेषु	१२	₹	१५	ये
ये। ना दि॰सद	ક	३६	ર	श्च ।
या ना द्युवे धन मिदं	3	308	y	ये
या ने हेपत् पृथि	१२	१	६स	य
या ना मद्राहमकरः	E	१२८	સ	य
या ना मर्ता महतो	9	ଓଡ	3	य
या ना रसं दिप्सति	- 623	ક	80	3
था नः पाप्मन् न	É	२६	ર	3
ये। नः शपाद्शपतः	ફ	३७	ુર	3
ये। नः शपादशपतः	ં હ	y.e	8	5
या नः सुप्तान् जाय	9	१०८	ર	1
या नः सोम सुरा	દ્દ	ફ	ર	
या नः सोमाभि	६	ફ	ર	•
ये। नः स्वा यो	. 8	3.8		
ये। इन्तरिचो ति	११	२	२३	
ये।३०स्वश्श	१६	Ę	૭	1
याइमि यातो नि	११	२	१३	
ये। भूतंच भव्यं च	१०	Z	Ą	1
या ममार प्रथमी	१८	á	१३	
या मा पाकेन	4	ક	7	- 1
या माभिच्छाय	१३	ર	पुड	
या मायातुं यातु	۷	ક		
या मारयति पा	१३			- 1
ये। यज्ञस्य प्रसा	१३			
या रहांसि निजू	%	રૂ રૂપ્ટ	, ,	

	कांव		Ho
ते रधस्य चोदि	२०	₹8	દ
।। राजा चर्षगी	२०	£5 .	१६
ा राजा चर्पगी	२०	६०५	ક
ता रायो३वनिर्म	२०	६⊏	१०
॥ रोहितो वृषभः	१३	.	२५
रो व आपोगनः	१६	१	=
वा व आयोऽवाम	१०	G.	२०
वा व श्रापोऽवाम्	१०	ų	१६
वा व आषोऽयां भा	१०	đ.	१५
ये। व आपोऽपां व	१०	ų	१७
या व आपोऽपां चुप	१०	¥	₹=
या व आपोऽपां हि		બ	38
ये। व श्रमिभुवं	3	y	38
यो वा उद्यन्तं	3	y.	3,0
यो वाचा विवा	२०	93	६
यो विद्यात् सप्त	१०	१०	ર
यां विद्यात् सनं	१०	Ξ	₹9
यां विद्याद् ब्रह्म	. &	६(१)	- 2
यो विश्वचर्षशि	१३	ર	२६
यो विश्वाभि	દ્	રૂપ્ટ	ષ્ઠ
यो वेतसं हिरएय	१०	9	८१
यो वेदानडुहो	ક	११	8
या वेहतं मन्यमा	१२	ક	३८,
यो वै कशायाः	3	१	२२
या वै कुर्वन्तं	3	Ž,	३२
यो वै तां ब्रह्मणो	. 80	. 4	. 38
या वै ते विद्यादर	१०	• <	: २०
या वै नैदाघं	8	<u> </u>	३१
ये। वे पिन्वन्तं	8	4	1 38
यो वै संयन्तं	3		1 33
या वः शिवतमो	•	}	1 ર
ये। वः शुष्मो		ā 9	३ २
याव्यतीरफाण्यत्	ર	3 . c	
ये।३स्मान द्वेषि यं		9 ८	१ ५
याश्समान द्वेषि त	१	દ્	9 4
			e i ji tetir. Karantar

		and the second s	and the second second			- Marie Company of the Company of th	Antichestration A
-	कां०	सू०	म०		कio	सु०	म०
यो ३स्मान् ब्रह्मण	\&	ફ	१	यं वयं मृगयामहे	१०	ų.	४२
ये।३स्मांश्चजुषा	ų	દ્	१०	यं वातः परि शुम्भ	१३	१	48
यास्य द्त्रिणः	१५	१=	् २	यं वां पिता	१२	ş	ų
या हत्वा हि मरि	20	३उ	3	यं विश्वे देवाः	ઉર	१३२	२
ये। हरिमा जाया	28	88	२	यं स्मा पृच्छन्ति	२०	३४	ų
यौ त ऊक	१०	3	२१	यः की कसाः प्रश्ट	9	98	3
यौ त श्लोष्ठौ	, १०	3	१४	यः कुक्षिः सोमपा	२०	98	. 3
यो ते दुती	ફ	२६	२	यः कुमारी पिंग	२०	१३६	१६
यौ ते बलास	લ્	१२७	२	यः कृणोति खुत	4	Ę	3
यो ते बाह्	१०	3	38	यः कृणोति प्रमो	8	-	હ
यौ ते मातोन्म	E	દ	8	यः कृत्याकृनमूत	ક	२८	દ્
यौ ते श्वानौ यम	१८	ર	१२	यः कृष्णुकेश्यसुर	7500	६	y
यो भरद्वाजमवधो	8	35	ų	यः परस्याः परा	Ę	३४	3
यौ मेघातिथी	8	२६	દ	यः पहवः पाठवे	ų	२२	ঽ
यौ व्याघाववस्त्वौ	६	१४०	१	यः पर्वतान् व्यद	२०	१२८	१४
यौ श्याचाश्वमवधो	8	3,5	ક	यः पौरुषेयेण	۷	२	१५
यं कन्द्सी अवत	ક	२	રૂ	यः पृथिवीं बृहस्त	१५.	१०	8
यं कन्दसी संयती	२०	રૂપ્ડ	E	यः पृथिवीं व्यथ	२०	३४	२
यं ग्राममाविशत	8	३६	E	यः प्रथमः कर्म	ક	ર૪	ફ
यं ते मन्थं यमो	े १८	8:	8ર	यः प्रथमः प्रवत	६	२=	3
यं त्वमग्ने समदह	१⊏	3	ि६	यः प्राणतो निमिष	૪	ે વ	ેર
यं त्वा पृषती	१३	۶	२१	यः प्राणदः प्राण	છ	34	¥
यं त्वा वेद पूर्व	3.8	. ३६	3	यः प्रागोन द्यावा	१३	ই	ક
यं त्वा होतारं	રૂ	२१	ų	यः शतौदनां	१०	3	ક
यं देवा अंशुमा .	. 9	<u>ت</u> و	ેં ફ	यः शम्बरं पर्यत	२०	રૂપ્ર	१२
यं देवाः पित्रो	१०	ુ દ્	३२	यः शम्बरं पर्वतेषु	२०	રૂક	8.8
यं देवाः समर	દ્	१३२	१	यः शश्वता महोनो	२०	ે રૂપ્ડ	80
यं द्विप्मो यच	१६	ફ	ક	यः श्रमात् तपसा	१०		३६
यं निद्धुर्वनस्यतौ	3	ų	3	यः सपत्नां ये।	8	38	8
यं परिहस्तमिब	६	= 2	3	यः सप्तरिमर्नुप	२०	રૂક	१३
यं बल्वजं न्यस्यथ	१४	ે ર	२२			१२⊏	
यं ब्राह्मणे निद्धे	3	. 4	3.8				
यं मित्रावरुणी	હ	१३२	ų,	_		Ę	- ક
यं में दत्तो भागं	રૃપ્ત	૨	છ ર		२०		रू≡
यं याचाम्यह	y	9		यः सुन्वन्तमवति	२०	-38	શુપુ
	i sayî						

	कां॰ सृ०	म०		কাঁ০	स्॰	Ho
यः सामकामो	૨૦ રેષ્ઠ	39	यः संप्रामीन् नयति	ક્ષ	રક	9
यः सामे अन्तर्यो	3 28	२			•	

T

रत्तां माकिनों १६ ४७ ६ व रत्तांसि लोदित ६ ७ १७ व रत्तांहणं वाजिन ६ ३ १ व रथजितां राथजिते ६ १३० १ व रथे प्रतिस्तृष्णमस्य ६ ३ ६ ३	हज्ञश्चमा वेनश्च हद्र एनमिष्वासो	१६	3	
रत्तां माकिनों १६ ४७ ६ व रत्तां सि लो दित ६ ७ १७ व रत्तो हणं वाजिन ६ ३ १ व रथ जितां राथ जिते ६ १३० १ व रथे अत्तेष्त्रुष मस्य ६ ३ ६ ३	हद्र एनमिष्वासी		₹	2
रचोहणं वाजिन द ३ १ र रथजितां राथजिते ६ १३० १ र रथे अचे ज्वष्यमस्य ६ ३८ ३	<u> </u>	800	ધ્ય	१ १
रथजितां राथजिते ६ १३० १ र रथे अचे ज्वष्मस्य ६ ३८ ३	हद जलाशभेषज	₹ .	29	8
रथजितां राथजिते ६ १३० १ र रथे अञ्चेष्ट्रवमस्य ६ ३८ ३	हदस्य मूत्रमस्य	E	88	3
रथे ब्रद्धेष्ट्रविषय ६ ३ इ	<u>कद्रस्यैलवकारे</u>	28	ર	३०
20 0 90 ਸਹਾਲੀਵਿਕਸ਼ ਵਾਲ	हद्रो वो प्रीवा	É	32	२
446 4-441-41	रुन्द्रि दर्भ	38	28	3
रियं मे पोषं सवि ४ २५ ५	रुहो रुरोह	१३	१	8
	रूपंरूपं वयावयः	38	?	3
रश्मिभिर्नभ ३ ४ ६	रेवतीरनाधृषः	ફ	२१	3
राकामहं सुहवा ७ ४⊏ १	रेवतीर्नः सधमाद	२०	१२२	2
राजन्ये दुन्दुभाव ६ ३८ ४	रैभ्यासीदनुदेयी	१४	. 8	9
राजसूयं वाजपेय ११ ७ ७	रोचसे दिवि रोच	१३	3	30
राक्षो बरुणस्य १० ५ ४४	रोहएयसि रोहएय	ક	१२	१
राज्ञो विश्वजनी २०१२७ ७	रोहिते द्यावापृथि	१३	१	39
रात्रिमातंबपसे नः १६ ४= २	रोहितेभ्यः स्वाहा	3,9	२३	२३
रात्रिंरात्रिमत १६ ५५ ३	रोहितो दिवमार	१३	₹	સ્પૂ
रात्रिरात्रिमरिष्य १६ ५० ३	रोहितो दिवामाठ	१३	१	२६
रात्रिभिरस्मा १= १ १०	रोहितो घावापृ-			
रात्री माता नभः पृ १ १	थिवी शहंहत्	13		9
राद्धिः प्राप्तिः समा ११ ७ २२	रोहिता धावापु-			
राया वयं सुमनस १४ २ ३६	थिवी जजान	१३	₹.	**
रारन्धि सवनेषु २० २३ ४	गोहिता यज्ञस्य ज	१३	8	13
रिश्यपदींष १ १	रोहिता यशं व्यद	१३	१	18
रिश्यस्येव परीशा ५ १४ ३	रे।हितो लेगके।	१३	२	80
रुक्म प्रस्तरणं १४ २ ३०	रोहितः कालो	१३	ર	38
द चिरसि रोचोसि १७ १ २१	रोहेम शरदः शतम		6,3	8
रुजन् परिरुजन् १६ १ २				

ल

	wio	€o	म०		कां	€्	म०
काङ्गलं पवीर	3	१७	3	को मान्यस्य	१ २	C.	84
लोम सोम्ना सं	8	. १२	Cq.	ले। हितेन स्वधिति	8	186	₹
		/	đ	Na.			
वडयस्व रेभ	२०	१२७	8	वर्णेन प्रस्थिता	१०	3	8
वज्रापवसाध्यः	२०	श्रद	3	वरणो वारयाता	Ę	EY	. १
बज्रेण शतपर्वणा	१२	¥	६६	वरणे। वारयाता	20	3	4
वक्रो धावन्ती	१२	Cq.	१=	वराहे। चेद	t	9	₹
बत्सा विराजा	13		33	वरुणस्य भाग स्थ	20	¥	80
घष्ट्रयस्ते खनितारी	¥	Ę	E	यरुणापामधिपतिः	ų	રક	8
बनस्पतिः सह	१२	3		षरणा मावित्यै	38	20	ક
बनस्पतीन् वान	=	=	१४	वक्षा याति वस्व	२०	139	3
वनस्पते षस्जा	¥	2.9	22	वक्णं त आदि	28	१≖	¥
चनस्पते चीडवङ्गो	ફ	१२५	१	वर्च आ घंडि में	3.8	3.9	
चनस्पते स्तीर्णमा	१२	a	33	वर्चसा मां पितरः	₹ =	3	₹0
वनिष्ठा नाव गृह्य	२०	१३१	3	वर्चसा मां समन	१८	ą	१६
वनेन वंशिन्य	२०	98	8	वर्चसा द्यावापृथि	१६	^ นู≂	,
वनाति हि सुम्वन्	20	. દુ		वर्म महामयं मिणः	१०	६	
ययमिन्द्र त्यायवा	भे २०	26	8	वर्म मे द्यावापृथिषी	E	C,	. १
षयमिनद्रा त्वयायवो		A .		वर्म में द्यावपृथिवी	१8	२०	
इवि 😁	२०	२३		वर्ये बन्दे सुमगे	१8		•
षयमु त्वा तदि	२०	. 26	2	वर्ष माज्यं घंसा	१ ३		L,
वयमु स्वामपूर्व	२०	18	8	वष धनुष्वापि	१२		Å,
चयमु त्वामपूर्व्य	२०	६२		ववत्त इन्द्रो अ	२०	.09	
षयमेनिमदा	२०	6.3	্ধ	वशा चरग्तो बहु	१२	8	ર
वया न वृत्तं सुपता		१७	-	बशा दग्धामिम	રં		8
वयं घ त्वा सुताव	20	પુર	१	वशाया दुग्धं पी	१०	•	3
वयं घ त्वा सुताव	२०	4.9	ં કૃષ્ઠે	वशा चौर्वशा पू	१०		3
वयं जयेम त्वया	9	yo		वशा माता राजन्य	१०		
वयं तदस्य संभृतं	9	8.	ą	वशा माता राजन्य	१ः		
वयं ग्रुरेभिरस्तु	२०	90	२०	वशामेवासृत	१	1. 19	,

	Sio	स्∘	म०		wio.	£0	म•	****
वशा यह मत्य	१०	80	२५	वाया यसे हर	्र	२०	2	
षशायाः पुत्रमा	20	१३०	१५	वायोः पूतः पवित्रेग	ે દ્	48	2	
वशां देवा उप	80	१०	३४	वायोः सवितुर्वि	8	२५	₹.	x 1
वषट्कारेण	84	\$8	१८	वारिदं वारयाते	8	•		5
वषट् ते पूषन्नस्म	१	११		षार्ण त्वा यव्या	20	१००	र	
घषड्दुते भ्यो	9	€ 9	•	वार्त्रहत्याय शवसे	२०	3.8	. 8	
वसवस्त्वा द्त्रिणत	१०	3	6	वार्षिकावेनं	14	. 8	3	
घसोरिन्द्रं वसु	२०	७१	- 84	वार्षिकी मासी-	१५	ક	۷.	
वसोर्या धारा	१२	₹	85	वावात च महिषी	२०	१२६	११	
बस्या भूयाय	18		ક	- बाबुधानस्य ते वयं	२०	२७	•	
षाङ्म ग्रासन्त	28	६०	१ .	षावृधानः शवसा	२०	१०७	ų	
वाचमष्टापदीमहं ,	, ২০	કર		वाव्धानः शवसा	ų.	ર	3	'
वाचस्पत भ्रुतवः	13	, ,	1 E	वासन्तावेनं	8.7	8	3	
वाचस्पते पृथिवी	१३		१७	वासन्ती मासी	14	8	3	
षाचस्पते सौमन	83	.	3,5	वि प्राम्याः पशव	3	38	•	
षाजस्य नु प्रसबे	3	२०	4	वि चिद् वृत्रस्य दो	२०	१०७	3	
वाजेषु सासहिर्भ	२०	१६	ક્	विचिन्वतीमाकि	8	3=	् २	
वाजस्य नु प्रसवे वाष्ट्रज्ञ मे तन्वं	9	દ્ધ	8	वि जिद्दीष्य बाह्	હ	२५	8	
वात इव मृताक्षि	१०	8	१७	वि जिहीच्य ताकं	Ę	१२१	8	
वातरहा भव	ફ	દર	१	विजेषकृदिन्द्र	8	38		
वाताजातो अस्त	ે કે	१०	રે	वि ज्योतिषा बृहता	6	्र३	२४	
वातात् ते प्राणमवि		ેર		वि तर्तूर्यन्ते मध्य	२०	ΞŲ	8	
बातं ब्रमः पर्जन्य	११	Ę	*	वितती किरणी ही	२०	१३३	₹	
धानस्पत्या प्रावा	Ę	१०	· ų	वि तिष्ठध्वं मखतो	=	8	\$E	* * * * * * * * * * * * * * * * * * *
बानस्पत्यः संभृत	ų.	२१	- 3	वि तिष्ठन्तां मातुर	18	२	રપ	
षायुरन्तरिचस्या	ų	રક		वि ते भिनिषा	Ş	११	ч	
वायुरन्तरिच्चेणो	28	१६		वि ते मदं मदावति	ક્ષ	" - "	1	
वायुरमित्राणा	११	१०	१६	वि ते मुञ्जामि	9	95	१	
वायुरानगणाः वायुरेनाः समाकर	8				Ę	ध३	3	
वायुमीन्तरिक्षे	१ ६			वि स्वा ततस्रे मिध		૭૨		
वायुं तेश्नतरिन	, ,	१८		वि त्वा ततस्रे मिथु		હ્યુ	* ()	
वायो यत्ते तप	१ ६ २			1 ~ ~ ~ ~ ~	२०	७५		
वाया यत्ते तप			,	1 ~	20	१३६		
	ર				3	3.8		
बाया यत्ते ऽर्चि	२			विदा ते सभे नाम	<u>.</u>	१्३		
वाया यसे शोचि	3	२०	*	विश्व त राज गान		•		i di
						· * · · · ·	••• • • • •	

	कi •	स्०	Ho		4.10	स्०	Ħ•
विद्या ते सर्वाः परि	१ ६	પુદ્	દ	विद्रधस्य बलास	Ę	१२७	2
विद्याते स्वम जनिः	26	• 4	• • • • • • • • • • • • • • • • • • •	विधुं ददार्ण	8	१०	
त्रमभूत्याः	१६	ų	¥	विष्य दर्भ सपका	3.5	२८	20
विद्या ते स्वप्त जनि-	1.4		•	विष्याम्यासां प्र	9	હષ્ઠ	ર
त्रं प्राह्याः	१६	ų	 १	विन इन्द्र मुधो जि	१	3.8	ર
विद्याते स्वप्न जिन-	1.		•	विपश्चितं तर्णि	13.	२	8
त्रं देवजामीनां	8	४६	૨	विभिद्या पुरं शप	२०	88	¥
विद्याते स्वप्न जनि-	.	7,		विभिन्दती शत	8	8.8	4
त्रं देवजामीनां	१६	લ	4	विभ्राजं ज्योति	२०	\$?	9
विद्य ते स्वप्न जनि-	• •			वि मिमीष्व पथ	१३	3	2.9
त्रं निर्ऋत्याः	१६	ų	ક	विमृग्वरी पृथि	१२		₹₹
विधा ते स्वप्न जनि-				विमोकश्च माईप	१६	Ę	8
त्रं नित्भ्याः	१६	ų	£	वि य भौर्णोत्पृधि	₹ ₹	3	२ २
विध ते स्वप्न जिन-	• •			वि रक्षो वि मुधो	*	२१	3
त्रं पराभूत्याः	१६	ų	4	विराजश्च वे स	१५	ę	₹₹
विशा वै ते जायान्य	٠	30	ધ્ય	विराजाषाचा	34	4 88	१०
विद्या शरस्य पितरं				विराद्धानेसमम	१४	•	8
चन्द्रं	१	3	8	विराड् वा इदमग्र	2	१०(१)	*
विद्या शरस्य पितरं		S. 1. 17		विराड् वाग् विराट्	3	१०	રક
पर्जन्यं भूरि	. १	२	8	वि रोहिता अमृश	१३	8	6
विश्वा शरस्य वितरं		with it.		विसपन्तु यातुधा	१	် (9	3
पर्जन्यं शत		3	. 8	विलिप्ती या बृह	१२	8	86
विद्या शरस्य पितरं	2 a g		•	वितिप्तया गृहस्य	१२	8	88
मित्रं शत	*	3	૨	विलोहितो श्रधि	२२	8	8
विद्या शरस्य पितरं				विवस्वान् नो अभयं	१=	3	६१
ब रुणं	8	3	3	विवस्वान् नो अमृ	१ं =	₹	६२
विद्या शरस्य पितरं				विवाहां शातीन्त्स	१२	4	88
स्यँ	2	3	C ₅	विशां च वे स सब	१५	E	3
विद्या हि त्वा	२०	રક	Ę	विशंचिशं मघवा	२०	१७	Ę
वि द्यामेषि रजस्पृ	१३	२	२२	विश्वकर्माणं ते	१8	१८	9
वि द्यामेषि रजस्य	२०	જી	88	विश्वकर्मा मा सप्त	3.8	१७	9
विद्याश्च वा अवि	११	١ .	२३	बिश्वजित् कल्या	દ્	१०७	3
विद्युजिह्ना मरुतो	8	ی	**	विश्वजित् त्रायमा	દ્	१०७	8
विद्युत् पुंश्चली	१५	२	સ્પ	विश्वमन्यामभी	2	३२	8
विद्योतमानः	8	£(A)	اون	विश्वस्भर विश्वेन	3	१६	¥
all the Dept. The Property					1		

	mio.	स्॰	Ho		कां॰	स्॰	HO.
विश्वम्भरा वसुधानी	१२	१	8	विषेण भङ्गुरा	=	£	२३
विश्वक्षपां सुभगाम	ફ	3,0	રૂ	विष गर्वा यातु धान ा	=	3	१६
विश्वहर्षं चतुरहां	₹.	32	ર	विषं प्रयस्यन्ती	१२	G,	38
विश्वब्यचा घृत	१२	3	१६	विद्यारिणमोदनं	8	38	3
विश्वव्य चाश्चमी	3	9	१५	विद्यारिणमे।द्नं	ક	38	,
विश्वस्वं मातरमो	१२	१	१७	बिष्सुयु नक्	¥	२६	•
विश्वानि शको	२०	99	Ę	विष्णुयोनि	٤٩	२५	ų.
विश्वान् देवानिदं	११	Ę	3.8	विष्णोर्नु कं	9	२६	₹
विश्वान्येवास्य	१५	Ę	११	विष्णोः कर्माणि	•	२६	8
विश्वामित्रजमद्	** ? C	3	१६	विष्णोः क्रमे।सि	१०	¥	રપૂ
विश्वाहाते सद्मि	3	१५	Ē	विष्णोः क्रमे।सि	80	y	२ €
विश्वाः पृतना	२०	48	१	विष्णोः क्रमे।सि	१०	ų.	રુ
विश्वे देवा उपरिष्टा			१३	विष्णोः क्रमे।सि	१०	¥	२इ
विश्वे देवा मठत	દ્	89	૨	विष्णोः क्रमोसि	१०	¥.	28
विश्वे देवा वसवी	ş	30	र	विष्णाः क्रमोसि	१०	¥.	₹•
विश्वेषु हि त्वा सव		૭૨	१	विष्णोः क्रमे।सि	१०	¥.	38
विश्वं वायुः स्वर्गो		9	ં	विष्णोः क्रमे।सि	१०	¥.	३२
विषमेतद् देवकृतं	دو	3.9	80	विष्णोः क्रमे। सि	१०	A	38
विषमेवास्यात्रियं	6	१०(६) 8	विष्णोः क्रमोसि	80	ч	₹₩
विषाणा पाशान् वि	·		•	विष्णोः क्रमे।सि	१०	Y.	\$19
विषासहिं ा ।	, &	१२१	. १	विष्यञ्चो ग्रस्म		88	२
ह्व इन्द्रमायुष्मान्				विश्वपद्मवस्तस्माद्	88	₹=	₹.
विषासिंहिं।।।	. 20	9	१	विसल्पस्य	8	E	२०
ह इन्द्रं प्रियो देवा				विद्ता नाम ते	8	१६	२
विषासद्विशाश	१ ৩	2	ર		२०	१२६	
ह्य इन्द्रं भियः पश्				वि इत्यं वैमनस्यं	Ų	२१	*
विषासिंद्वि।	१ १ ७		8	~ ~	२३	२३	20
ह्य इन्द्रं प्रियः प्रजा				वी३दं मध्यमवा	\$ \$	88	•
विषासहिं।।।		8	3	वी३मां मात्रां	र्ड	. ३	
ह्व इन्द्रं प्रियः समा		8	બ	वीमे देवा अकंस	२०	१३५	8
विषासहाँ स्वाहा	१६		1.1	वीमे द्यावापृथिषी	3	38	8
विषितं ते वस्तिब		ą	1.0	वीहि स्वामाइतिँ	ફ		S 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
विषुविश्वा भरा	२०	ક ષ		0 0	२०		
विष्चयेतु क्रन्तती		29			२०	80	१
विष्वृद्दिनद्रो	30	१७		•	8	•	3. 3
		* .		(T			3 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1

मृश्य प्र मृश्य १२ मृश्य दर्भ १६ २० मृश्य दर्भ १६ २० मृश्य त्र वा वयं २० १० मृश्य ते वा वयं २० १२ मृश्य ते वा व्य ११ मृश्य ते वा		वैयस्तः कृष वैश्वदेषी ह्यु १च्य वेश्वदेषी वर्चस वेश्वानरस्य दंष्ट्रा वेश्वानरस्य प्रति वेश्वानराय प्रति वेश्वानराय प्रति वेश्वानरी वर्चस वेश्वानरी स्तृता वेश्वानरी स्तृता वेश्वानरो न आगम वेश्वानरो न आगम वेश्वानरो न क्रतये वेश्वानरो रिप्तम वेश्वानरे एिसम वेश्वानरे एिसम वेश्वानरे एिसम वेश्वानरे एिसम	\$ 7 7 0 H & W & W & W & W & W & W & W & W & W &	8	5. 14. 32 m. 14. 15. 15. 15. 15. 15. 15. 15. 15. 15. 15
वृश्च प्रवृश्च १२ १६ २१ वृश्च दर्भ १६ २१ वृश्च दर्भ १६ २१ वृश्च वर्भ २० १० वृश्च ने तिरमध्य २० १२ वृश्च ने कुद्धः पतय २० १० वृश्च मतीनां १८ वृश्च मतीनां १८ वृश्च मतीनां १८ वृश्च मतीनां २० १० वृश्च मतीनां २० १० वृश्च मृष्य वृश्च २० ७० वृश्च वृश्च २० ७० वृश्च वृश्च १० ७० वृश्च वृश्च १० ७० वृश्च वृश्च १० १० वृश्च वृश्च सहसा ५ २० वृश्च वृश्च वृश्च सहसा ५ २० वृश्च वृश		वैश्वदेवीं वर्चस वैश्वानरस्य दंष्ट्रा वैश्वानरस्य प्रति वैश्वानरस्य प्रति वैश्वानराय प्रति वैश्वानरीं वर्चस वैश्वानरीं स्नृता वेश्वानरों स्नृता वैश्वानरों न कागम वैश्वानरों न कत्ये वेश्वानरों रिष्ट्रम वैश्वानरों रिष्ट्रम वैश्वानरां प्रविता वंशानां तेनह्नानां ज्यवस्वतीक्विंया	50 H	2 5 8 9 6 5 7 7 8 14 14 14 17 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18	日 元 年 元 元 元 元 元 元 の
वृषणं त्वा वयं २० १०० वृषणं तिरमण्ड २० १२० वृषणं तिरमण्ड २० १२० वृषणं मित्र वर्णं ११ वृषणं मित्र वर्णं १० १०० वृषणं मित्र वर्णं मित्र मित्र वर्णं मित्र मित		वैश्वदेवीं वर्चस वैश्वानरस्य दंष्ट्रा वैश्वानरस्य प्रति वैश्वानरस्य प्रति वैश्वानराय प्रति वैश्वानरीं वर्चस वैश्वानरीं स्नृता वेश्वानरों स्नृता वैश्वानरों न कागम वैश्वानरों न कत्ये वेश्वानरों रिष्ट्रम वैश्वानरों रिष्ट्रम वैश्वानरां प्रविता वंशानां तेनह्नानां ज्यवस्वतीक्विंया	OH SO	4 8 9 8 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2	30
मृषणं त्वा वयं २० १०० मृषमो न तिरमध्य २० १२० मृषमो सि स्वर्ण ११ मृषमो सि स्वर्ण ११ मृषम मि तिरमध्य २० १०० मृष्ण मे दो नमसा ५ १० मृष्ण मे दो नमसा ५ १० मृष्ण मुष्णे दुदृहे १० मृष्णे सुष्णे दुदृहे १० मृष्णे सुष्णे दुदृहे १० मृष्णे सुष्णे दुदृहे १० मृष्णे सुष्णे सहसा ५ १० मृष्णे स्वर्णे सहसा ५ २० मृष्णे स्वर्णे सहसा ५ २० मृष्णे स्वर्णे सहसा ५ २० मृष्णे स्वर्णे सहसा ५० १० मे स्वर्णे स्वर्णे स्वर्णे स्वर्णे स्वर्णे स्वर्णे स्वर्णे स्वर्णे सहसा ५० मे स्वर्णे स्वर्		वैश्वानरस्य प्रति वैश्वानरस्यनं वैश्वानराय प्रति वैश्वानरी वर्चस वैश्वानरी स्नृता वैश्वानरो हिव वैश्वानरो न झागम वैश्वानरो न झागम वैश्वानरो रिह्म वैश्वानरो रिहम वैश्वानरः पिवता संशानां ते नहनानां स्थानस्वतीरुष्टिंगा	11 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 0	8 9 8 2 2 3 3 3 3 2 4 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8	EN 121 CA 124 CA
मृषमोसि स्वर्ग ११ मृषाकपायिरेव २०१२ मृषा न कुद्धः पतय २०१२ मृषा न कुद्धः पतय २०१२ मृषा मतीनां १८ मृषा में रवे। नमसा ५ १३ मृषा यूथेव २०७ मृषा यूथेव २०७ मृषा मृषो दुदुहे १० मृषोन्द्रस्य मृषा ६८१ मृषोन्द्रस्य मृष्या १०१ में द्राहं स्त प्रयतः १०१ में द्राहं स्त प्रयतः १०१	\$ 6 9 1 3 1 0 \$ 11 6 0 5 6 5 1 3 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	वैश्वानरस्यैनं वैश्वानराय प्रति वैश्वानरी वर्चस वेश्वानरी स्नृता वेश्वानरे ह्वं वैश्वानरो न झागम वैश्वानरो न ऊतये वेश्वानरो रिह्मसां वैश्वानरो रिश्म वैश्वानरे प्रविता वेश्वानरो रिश्म वेश्वानरो तहनानां विश्वानरे प्रिम	50 80 80 80 80 80 80 80 80 80 80 80 80 80	9 & & & & & & & & & & & & & & & & & & &	25. Ch. 25. 15. 25. 25. 25. 25. 25. 25. 25. 25. 25. 2
वृताकपायिरेव २०१२ वृता न कुद्धः पतय २०१२ वृता न कुद्धः पतय २०१२ वृता मतीनां १८ वृता में रवे। नमसां ५१ वृता यूथेव २०७० वृता वृप्णे दुदुहे १८ वृत्ता वृप्णे दुदुहे १८ वृत्ता वृप्णे दुदुहे १८ वृत्ता वृत्ता १८ वृत्ता वृत्ता १८ वृत्ता वृत्ता १८ वृत्ता वृत्ता वृत्ता १८ वृत्ता वृत्ता वृत्ता १८ वृत्ता वृत्ता वृत्ता १८ वृत्ता वृत्ता वृत्ता वृत्ता वृत्ता वृत्ता १८ वृत्ता वृत्ता वृत्ता वृत्ता १८ वृत्ता व	\$ 9 1 3 1 0 2 E 6 0 2 E 6 9 1 3 1 3 1 5 1 2 5 2 2 2 3 2 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3	वैश्वानराय प्रति वैश्वानरी वर्चस वैश्वानरी स्नृता वैश्वानरो हिव वैश्वानरो न झागम वैश्वानरो न ऊतये वैश्वानरो रिहम वैश्वानरो रिहम वैश्वानरः पिवता वंशानां ते नहनानां ज्यास्वती हिर्चिया	De the try to the try the the the	११६ ६२ ३५ ३५ ३५ ११६ ११६ ११६	2
वृषा न कुद्धः पतय २० १९ वृषा मतीनां १८ १षा में रवे। नमसा ५ १३ वृषायमाणो २ १० वृषायमाणो २० १० वृषा वृष्णे दुदुहे १० वृषा वृष्णे दुदुहे १० वृषासि त्रिष दुए ६ ४० वृषेनद्रस्य वृषा ६ ८० वृषेनद्रस्य वृषा १० वेदाहं सप्त प्रवतः १० वेदाहं स्त प्रवतः १०	3 1 3 1 0 8 E E O S E E E E E E E E E E E E E E E E	वैश्वानरीं वर्चस वैश्वानरीं स्नृतां वैश्वानरों हाव वैश्वानरों न झागम वैश्वानरों न ऊत्ये वैश्वानरों रिक्सिसां वैश्वानरों रिश्म वैश्वानरः पविता वंशानां ते नहनानां ज्यास्वतीरुर्विया	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	\$7 \$7 \$4 \$4 \$4 \$4 \$7 \$4 \$2 \$4 \$4 \$4 \$4 \$4 \$4 \$4 \$4 \$4 \$4 \$4 \$4 \$4	20 12 12 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20
वृषा न कुद्धः पतय २० १९ वृषा मतीनां १८ १षा में रवे। नमसा ५ १३ वृषायमाणो २ १० वृषायमाणो २० १० वृषा वृष्णे दुदुहे १० वृषा वृष्णे दुदुहे १० वृषासि त्रिष दुए ६ ४० वृषेनद्रस्य वृषा ६ ८० वृषेनद्रस्य वृषा १० वेदाहं सप्त प्रवतः १० वेदाहं स्त प्रवतः १०	1 3 4 5 2 2 5 2 7 3 4 3 4 3 4 3 4 3 4 3 4 3 4 3 4 3 4 3	वैश्वानशे स्नृतां वैश्वानरे हिंव वैश्वानरो न झागम वैश्वानरो न ऊतये वैश्वानरो रिह्म वैश्वानरो रिश्म वैश्वानरः पविता वंशानां ते नहनानां ज्यानस्वतीरुर्विया	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	\$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$	2
वृषा मे रवे। नमसा ५ १ वृषायमाणो २ वृषा यृथेव २० ७ वृषा वृषो दुदुहे १८ वृषा वृषो दुदुहे १८ वृषोस त्रिष दुप् ६ ४ वृषेन्द्रस्य वृषा ६ ८ वृषेव यृथे सहसा ५ २० १० वेत्था हि निर्द्धाती २० ६ वेद बास्तरणं १५ वेद वै रात्रि ते नाम १६ ४ वेदाहं पयस्वन्तं ३ १ वेदाहं सप्त प्रवतः १० १	3 4 6 5 E E O S E	वैश्वानरे हार्व वैश्वानरो न झागम वैश्वानरो न ऊतये वैश्वानरो रिक्तरसां वैश्वानरो रिश्म वैश्वानरा पविता वंशानां ते नहनानां ज्यास्वतीरुविंगा	5. W W W W W 67 60	3 3 3 4 3 4 5 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8	2 2 2 2 2 2 3 W
वृषायमाणो २ वृषा यूथेव २० ७० वृषा वृष्णे दुदुहे १८ वृषासि त्रिष् दुप् ६ ४० वृष्णसि त्रिष् दुप् ६ ४० वृष्णसि त्रिष् दुप् ६ ४० वृष्णसि त्रिष् दुप् ६ ४० वृष्णे क्रांगाः सिम २० १० वेष्णा हि निन्धंती २० ६ वेद क्रास्तरणं १५ वेद तत्ते क्रमत्यं १३ वेद वै रात्रि ते नाम १६ ४० वेदाहं पयस्वन्तं ३ १० वेदाहं सप्त प्रवतः १० १ वेदाहं स्त्र प्रवतः १०	4	वैश्वानरों न आगम वैश्वानरों न ऊतये वैश्वानरों ऽक्तिरसां वैश्वानरों रश्मि वैश्वानरः पविता वंशानां ते नहनानां ज्यास्वतीरुर्विया	Ch. Ch. Ch. Ch. 60. 60.	₹¥ ₹¥ ₹₹ ₹₹	2 2 2 2 2 3
वृषा यूथेव २० ७० वृषा वृष्णे दुदुहे १८ वृषा वृष्णे दुदुहे १८ वृषासि त्रिष् दुप् ६ ४० वृषासि त्रिष् दुप् ६ ४० वृषेन यूथे सहसा ५ २० १० वेरथा हि निर्माती २० ६ वेद वाहं पयस्वन्तं ३ १० वेदाहं सप्त प्रवतः १० १ वेदाहं सप्त प्रवतः १० १ वेदाहं स्त प्रवतः १० १ वेदाहं स्त प्रवतः १०	0	वैश्वानरो न ऊतये वैश्वानरो ऽङ्गिरसां वैश्वानरो रश्मि वैश्वानरः पविता वंशानां ते नहमानां ज्यबस्वतीकर्विया	S	34 34 54 88 88 8	2 2 3 8
वृषा यूथेव २० ७० वृषा वृष्णे दुदुहे १८ वृषा वृष्णे दुदुहे १८ वृषासि त्रिष दुप् ६ ४० वृषे वर्षे वर्षे सहसा ५ २० १० वेदाहं सप्त प्रवतः १० १ वेदाहं स्त प्रवतः १०	१ १	वैश्वानैरो ऽङ्गिरसां वैश्वानरो रश्मि वैश्वानरः पविता वंशानां ते नहनानां ज्यबस्वतीकविंगा	S	34 52 116 3	\$? } &
वृषा वृष्णे दुदुहे १= वृषासि त्रिष् दुप् ६ ४: वृषासि त्रिष् दुप् ६ ४: वृषेनद्रस्य वृषा ६ ८: वृषेनद्रस्य वृषा ६ ८: वृषेनद्रस्य वृषा ५ ८: वृषेनद्रस्य वृषा ५ ८: वृषेनद्रस्य वृषा ५ १: वेद्यो हि निद्धांती २० ६ वेद्यो है एति ते नाम १६ ४: वेद्यो एयस्वन्तं ३ १: वेद्यो सिप्त प्रवतः १० १ वेद्यो स्त्रं	= 3	वैश्वानरो रिशम वैश्वानरः पविता वंशानां ते नहनानां ज्यबस्वतीरुविंगा	C & 43	६२ ११६ ३	\$ \$ \$
मुपेन्द्रस्य वृषा ६ ८ मुपेन यूथे सहसा ५ २० मुपो अग्निः समि २० १० वेत्था हि निर्माती २० ६ वेद आस्तरणं १५ वेद तत्ते अमर्त्यं १३ वेद वै रात्रि ते नाम १६ ४ वेदाहं पयस्वन्तं ३ २ वेदाहं सप्त प्रवतः १० १ वेदाहं स्त प्रवतः १०	= 3	वैश्वानरः पविता वंशानां ते नहनानां ज्यवस्वतीकर्विया	8	399 3	8
मुपेन्द्रस्य वृषा ६ ८ मुपेन यूथे सहसा ५ २० मुपो अग्निः समि २० १० वेत्था हि निर्माती २० ६ वेद आस्तरणं १५ वेद तत्ते अमर्त्यं १३ वेद वै रात्रि ते नाम १६ ४ वेदाहं पयस्वन्तं ३ २ वेदाहं सप्त प्रवतः १० १ वेदाहं स्त प्रवतः १०	0 3 2 2 5 3	वंशानां ते नहनानां व्यवस्वतीरुर्विया	8	. 1	8
घुषो अग्निः समि २० १० वित्था हि निद्धाती २० ६ वेद आस्तरणं १५ वेद तत्ते अमर्त्य १३ वेद वै रात्रि ते नाम १६ ४ वेदाहं पयस्वन्तं ३ रैं। वेदाहं सप्त प्रवतः १० १ वेदाहं सुत्रं १०	0 3 2 2 8 3	ब्यचस्वतीरुर्विया			
वेत्था हि निर्माती २० ६ वेद मास्तरणं १५ वेद तत् ते भ्रमत्यं १३ वेद वे राश्रि ते नाम १६ ध वेदाहं पयस्वन्तं ३ वेद वेदाहं सप्त प्रवतः १० १ वेदाहं स्त्र प्रवतः १०	६ ३	A British Committee of the Committee of	y.	92	u
चेद झास्तरणं १५ चेद तत् ते झमत्यं १३ चेद चै रात्रि ते नाम १६ ४ चेदाहं पयस्वन्तं ३ रै। चेदाहं सप्त प्रचतः १० १ चेदाहं सुत्रं १०		इस्ट्राजिक समित			
बेद तत् ते अमर्त्यं १३ वेद वै रात्रि ते नाम १६ ४ वेदाहं पयस्वन्तं ३ २ वेदाहं सप्त प्रवतः १० १ वेदाहं सूत्रं १०	200	क्य-तारकामातर	२०	२⊏	
चेद् चै रात्रि ते नाम १६ ४ चेदाहं पयस्वन्तं ३ रैं। चेदाहं सप्त प्रवतः १० १ चेदाहं स्त्रं १०	ર હ	व्यन्तरिक्षमतिर	२०	38	२
मेदाहं पयस्थनतं ३ रैं। मेदाहं सप्त प्रयतः १० १ मेदाहं सुत्रं १०	૭ ૪૪	व्यवात् ते ज्योतिर	6	2	२१
चेदाहं सप्त प्रवतः १० १ चेदाहं सूत्रं १०		बयस्य मित्राचरणी	₹	ે રપૃ	8
चेदाहं सप्त प्रवतः १० १ चेदाहं सूत्रं १०	ક ર	ब्याकरोमि हवि	१२	ે ર	३२
	0 3	ब्याकृतय एवा	3	9	8
बेटिये चर्म भवत १०	८ ३=	ब्याच्चे नह्य जनिष्ट	Ę	११०	3
1150 ARR 4140 60 1	ક ર	ब्याद्रो अधि वैयाद्रो	8	4	ક
	१ ५२	व्याघ् दत्वतां	. 8	₹	8
वेदः स्वस्तिद्वघणः ७ २	ت	ब्यानितान्द्रः	२०	હદ્	4
वेनस्तत् पश्यत् २	१ १	व्याप पृष्ठपः	२०	१३१	१७
वैकङ्कतेनधीन ५	٤ . ١	व्यार्त्या पवमानो	3	3,	२
	3	व्रजं कृणुध्वं सहि	१६	46	R
	२ १७	वतेन त्वं व्रतपते	•	७४	8
	२ १=	वात्य श्रासीदीय	१५	8	. १
षैरं विकृत्यमाना, १२					રપુ

श्र

A CHANGE OF THE PROPERTY OF TH			THE RESIDENCE OF THE PARTY OF T	CONTRACTOR OF STREET AND ADDRESS OF THE PROPERTY OF THE PROPER		THE PERSON NAMED OF PERSONS ASSESSED.	
	\$To	स्	Ħ0		কা০	स्॰	म०
शक्ष्मं नत्तत्राखि	8	१२८	8	शतं बीरानजय	2 &	38	ઇ
शकवितः	२०	१३१	१३	शतं सहस्रमयुतं	80		२४
शकमयं धूममारा	3	१०	રપૂ	श्रम्शार्नीषाड	ų	20	88
शकरी स्थ पशको	१६	યુ	9	शन्तिवा सुरभिः	१२	\$	48
शको वासमध्रा	२०	88	३	शप्तारमेतु शपधो यः	२	9	¥
शको वाचमध्यु	२०	88	ą	शफेन इस झोहते	२०	131	9
शग्ध्यू षु शनी	२०	११=	₹ ,	शमग्नयः शमिद्धा	१्ट	8	१२
शक्षेत्रामीवाममति	ક	१०	3	शमग्ने पश्चात् तप शं	१ =	8	88
शचीव रद्र पुर	२०	२१	3	शमीमश्वत्य आह	Ę	28	2
शणरच मा जिक्क	ર	ક	ų	शस्या ह नाम द्धि	\$ 8	88	9
शतकाएडी दु	१8	३२	१	शयो इत इव	२०	१३१	? &
शतघारं वायुमके	१८	ક	રહ	शरदे त्वा हेमन्ताय	4	3	२२
शतमाश्वा हिर	२०	238	ų	शरब्या मुखे पिन	१२	cq	રપ
शतमह दुर्णाम्नी	38	38	દ્	शर्कराः सिकता	28		२१
शतयाजं स यजते	3	8	१=	शर्म यच्छत्वोषधिः	Ę	34	-
शतवारो धनीन	१8	38	. 8	शर्म वर्मेतदाहरा	१४	२	२ ।
शतस्य धमनीनां	१	१७	3	शर्व एनिष्यास	१५	Lq.	ų
शतहस्त समाहार	3	२४	ų	शर्घः कुद्धः पिश्य	१२	در	3 8
शतानीका हेतयो	२०	ते ई	8	शस्याद् विषं निरवो	वं ४	. 8	4
श्वतानीकेच प्रजिगा	२०	42	₹.	शवसा हासि भूतो	१=	2	31
शतापाष्टां निगिरति	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	!=	હ	शाचिगो शाचि	२०	ų	1
शतेन पाशैरिम	8	१६	9	शास्ता चौः शास्ता	18	8	
शतेन मा परि पाहि	8	3.5	=	शान्तानि पूर्व हपा	3.6	3	
शतं कंसाः शतं दो	१०	१०	4	शास्तो श्रामनः	3	२१	
शतंचन प्रहरन्तो	38	४६	3	शारवावेनं मासा	24	8	ą.
शतं च मे सहसं चा		. १५	११	शारदी मासी	8 18	ક	8
शतं जीव शरदो वर्ष	-	2.8	ંક	शास इत्था महा	2	२०	
शतं जीव शरदो वर्ध		કુદ		शिक्षेयमसमे दिस्से	२०	ર્	
शतं ते दर्भ वर्माणि	3.5	३०		शिक्षेय मिनमह्य	२०	ב ₹	1
शतंते युतं हा	E	ેર			3 8	२२	
शतं या भेषजानि	8	ક્ષક	ર	शितिपदी सं चतु	18		
शतं वा भारतीश	₹0			शितिपदी सं पत		West Control of the C	150

शिपित वाजानां शिरोहस्तावयो शिला भूमिरश्मा शिवानग्नीनप्तु शिवा नारीयमस्त शिवा नः शंतमा	२० ११ १२ १६ १४ ७ ३		17 27 EC 17 18 88	शुनं दुवेम मघ गान ग्रुम्भनी चावापृ शुम्भनी चावापृ ग्रुम्भन्तां कोकाः ग्रुम्भन्तां न ऊत	२० १४ १८	११ ११२ २ २	8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8
शिरोहस्तावधो शिला भूमिरश्मा शिवानग्नीनप्सु शिवा नारीयमस्त शिवा नः शंतमा	१२ १६ १४ 9	2° 2° 17 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11	स्य कर इस्ता कर	शुम्मनी द्यावापृ शुम्मन्तां कोकाः	१४ १≖	2	84
शिवानग्नीनप्ञु शिवा नारीयमस्त शिवा नः शंतमा	\$ \$ \$ \$ \$ \$	87 R E	१३ १३	शुम्भन्तां लोकाः	१म		1.4
शिवा नारीयमस्त शिवा नः शंतमा	85 9 3	3	१३		_	ક	29
शिवा नः शंतमा	3	2,5		श्रिमन्तमं न ऊत			
	3	1	3	45	२०	२०	
A 3		. 2=	~	शुष्मिन्तमं न ऊत	२०	y o	ક
शिवा भव पुरुषे	२		3	ग्रुष्यतु मयि	Ę	१३६	3
शिवाभिष्टे इद्यं		₹\$	8	ग्रद्रकता राजकता	१०	१	3
शिवास्त पका झ	9	ક્રફ	8	शूर्प पवित्रं	3	६(१)	१६
शिवास्ते सन्त्वोप	2	2	29	श्टकाभ्यां रक्तो	3.8	38	2
शिवे ते स्तां धावा	E	२	१४	श्टनाभ्यां रक्ष	å	ષ્ટ	29
शिवेन मा चचुना	*	33	ક	श्रृङ्ग उत्पद्म	२०	१३०	23
शिवेन मा चचुना	18		१२	श्टकं धमन्त भास	20	128	20
शिवों या गोष्ठों	7	१४	ų	श्रतमजं श्रतया	¥	\$8 -	8
शिवौ ते भस्तां बीहि	=	२	१⊏ं	श्टतं त्वा हव्यमुप	22	ş	२५
शिवां रात्रिमञ्ज	. 18	88	ų	शेरमक शेरम	ą	રષ્ટ	2
शिवः कपोत इपि	8	29	ર	रोबुधक शेवुधे	૨	રક	ે રે
शिशुमारा अज	22	ર	રપૂ	शैशिरावेमं	84	8	१८
शीर्थ कि शीर्षामयं	3	E	. 8	शेशिरी मासी	24	. 8	Į (S
शोर्पण्यती नस्वती	20	. 8	२	शोत्रयामसि	Ę	=8	. 2
शीर्षकोकं तृतीय	188	3.6	80	शंच ने। मयश्च	٠ ۾	49	3
शीर्षामयमुप	Č.	ਖ਼	१०	शंत भाषो धन्व	3.8	२	ર
शुक्तो ऽसि झाजो	ર	28	ų	शंत आयो हैमव .	35	વ	
श्रुको ऽसि भ्राको	2.9	Į.	२०	शं तप मातितपो	₹ ==	ર	38
शुक्तं वहत्ति हर	१३	.	१६	शंते अधिः	ર	20	2
शुवा विद्धा व्योष	3	= 24	8	शं ते मीहारी भवतु	१=	3	80
श्रुची ते चके यात्या	18	2	१२	शंते वातो अन्तरि	ેર :	80	3
शुक्रा न भापस्त	१ २	. ?	30	शंते हिरएयं	18		8.
श्रुद्धाः पूता योषि	६	१२२	ų -	रां न आपो धन्व	2	દ	8
शुद्धाः पृता ये।वि	2 3		१७	शं म इन्द्राग्नी	₹.8	१०	
शुद्धाः पूता ये।वि	११	2	29	शंन इन्द्रो बसु	18	१०	Ę
शुनासीरेह सम	3	20	. 9	शं नो अग्निज्यों	35	१०	8
शुने कोष्ट्रमा	2.2	*	ə	शंनो अज एकपाई	18	22	₹
शुनं वाद्याः शुनं नरः	3	१७	Ę	शं नो श्रदितिभं	2.8	80	8
शुनं सुफाका वि तुर	B.	2.9	Lq.	शं ने। प्रदाश्खान्द्रम	8.5	8	10

- Sai	कां०	स्रु०	स ०		कां०	स्०	Ho
शांनो देवा विश्व	3.8	११	२	श्येनो सि गा यत्र	8	४=	8
शांनो देवी पृक्ष	ર	ર્પ	· १	श्येनो हव्यं नयत्वा	3	ર	ે જે
शं नो देवीरमिष्टय	१	६	१	श्येनः क्रोडो	3	9	. ધ્યુ
शं नो देवः सविता	3.8	१०	१०	श्यैताय च वै	१प	२	२३
शं नो द्याचापृथि	१८	१०	ČĄ.	श्येतस्य च वै	१५	. २	રક
शं नो धाता शमु	१६	१०	3	श्रद्धा पृंश्चली	१५	२	ધ
शं नो भगः शमु	8.8	१०	ર	श्रद्धाया दुहिता	६	१३३	ક
शं नो भवन्त्वप	2	ેર	E	श्रमेण तपसा सृष्टा	१२	ų	8
शं नो भूमिवें प्यमा	१८	3	è	श्रातं मन्य ऊधनि	9	ં હર	₹
श्री नो मित्रः शंवरु	3,8	3	હ	श्रातं हविरो व्विन्द्रं	9	७२	ર
शंनो मित्रः शंवरु		. 8	•	श्राम्यतः पचतो	- ११	8	30
शं नो वातो वातु	9	33		श्रायन्त इव स्य	२०	4=	8
शुं नः सत्यस्य	38	. ११		श्रियं च वा एप	3	६(३)	Ę
शं नः सूर्य उच्च	38	१०	•	श्रुतं च विश्रुतं च	१५	२	२६
शं नः सामो भवतु	28	२०		श्रुतकणीय कवये	38	3	8
शं मे परस्मै	१	१२	ય	श्रुधी नो अग्ने	१८	8	રષ
शं रुदाः शं वसवः			११	श्चेयांसमेन	84	१०	ર
श्याममयोऽस्य	११	5		३ यः केतो वसु	ď	२०	१०
श्यामश्च त्वा मा	700	Ę		श्रेष्ठमसि भेषजानां	ફ	28	2
श्यामा सरूपं	१	રદ	•	श्रोत्रमसि भ्रोत्रं	२	. १७	Ç
श्यावदता कुनिबन		ક્ પ્		श्लदणायां श्लच	२०	१३३	y
श्यावाश्वं कृष्ण	११			श्वन्वतीरप्सर	११	8	१५
श्येनीपती सा	ં રેવ	•		400	ઇ	રૂ૭	. ११
श्येनो नृत्रक्षा	٠.	٦,	5 L				
				9			
बट त्वा प्रच्छाम			2 3	। षष्टिश्च षट् च रे	१६	કહ	

षट् त्वा पृच्छाम	٤	e .3	षष्टिश्च षट्चरे १६	89 ક
षट च मे षष्टिश्च	में ए प	શ્યું દ	षष्ट्यां शरत्स्र १२	३ ३४
षडाहुः शीतान	=	68 3	षष्ठाय स्वाहा १६	२२ २
षड् जाता भूता		ह १६	षोडश्चेंभ्यः स्वाहा १६	२३ १३
वडचेभ्यः स्वादा	१६	२३ ३		

स

	-					-	
and the second of the second o	कांo	स्०	म०		कां०	सू०	म०
स रच्छकं सघा	२०	१२8	१२	स तांटलोकान्त्स	१०	3	. &
स इत् तत् स्यानं इः	र १४	१	३०	स तौ प्र वेद	3	. 8	19
स इद् व्याघो भव	E	· ·	१२	सत्तो होता न	, 20	રરૂ	२
स इषुहस्तैः सनि	38	१३	ક	सत्यजितं शपथ	ક	१७	२
स इँ सत्येभिः	२०	१३	و	सत्यमहं मभीरः	Ų	११	3
स उत्तमां दिश	१५	Ę	૭	सत्याय च तपसे	· १२	3	કદ
स उतिस्छ प्रहि	ક	१२	દ્	सत्यामाशिषं	२०	88	. ૧૧
स उद्तिष्ठत् स उद	री१५	२	२१	सत्ये अन्यः समा	१३	१	y,o
स उद्तिष्ठत् स द्	. १५	२	3	सत्येनावृता	१२	ų	૨
स उदतिष्ठत् स प्र	24	ર	१५	सत्येनोत्तभिता	१४	१	8
स उदतिष्ठत् स प्रा	१५	ર	ş	सत्येनोध्र्वस्तप	१०	Ė	88
स उपद्भत उपह्रतः	3	(६)६	१२	सत्यं चर्तं च	8	ų	२१
स उपह्नतो दिवि	. 8	8(3)	3	सत्यं वृहदृतसुत्रं	१२	१	१
स उपह्नतो देवेषु	3	3(8)	१०	सत्रासाहं वरेण्यं	२०	२१	=
स उपहृतो उन्त	#	(६)६	3	सत्वं न इन्द	२०	४६	3
स उपह्रतो लोकेषु	3	(६)६	११	स त्वं निश्चत्र	२०	8=	ર
स उपहूतः पृथिव्यां	3	(६)६	و	सदान्वात्त्वग्रमसि	ર	१म	دم
स ऊध्वा दिशमनु	१५	ફ	8	सदासि रएवो	१८	ę	२२
स एकबात्या भवत्	१५	१	દ્દ્	स दिशोनु व्यच	१५	- દ્	२ २
स पति सविता	83	ક	१	स देवानामीशां	ų	શે	ų
स एव मृत्युः	१३	8	સ્પૂ	सद्यश्चिषु ते	२०	રૂહ	8
स एव सं भुवना	88	५३	ક	सद्यो जातो व्य	q	१२	११
सखाय आ शिवामहे	१द	8	3.9	स धाता स विधर्ता	१३	ક	3
सस्रावाविव	હ	કર	ેર	सधीचीनान् वः	3	३०	9
संखासावस्मभ्य	१	२६	ર	स धुवां दिशमनु	१५	ેદ્દ	१
स प्राह्यः पाशान्	१६	=	ર	स न इन्द्रः शिवः	२०	9	Ę
स घावते गोमी	२०	१२६	१३	सनातनमेनमाहु	१०	=	ર સરૂ
स घा नो देवः	E	१	3	स ना ता त इन्द्र	२०	39	٠.٠ تو
स घा नो येगा आ	२०	33	8	सनादग्ने मृण्सि	ų	28	११
स चाति सजे	१५	१२	3	सनादग्ने मृण्सि	2. 200	3	रर १८
सचेतसौ दृह्वग्रे	8	२8	2	सम्रुच्छिष्टे असं	११	9	**,
स जङ्गिडस्य महि	१६	३४	y	सनेमि चक्रमजिरं	3	8	्र १८
	, MI		, , , , ,	जस्तात्व । त्यात्वधावाद्याः कृति	W	4	4.10

	कां०	स्०	Ho		कां०	स्०	म०
स नो ददातु तां	Ę	३३	ą	सप्त होमाः समिघो	6	3	१८
स नो नियुद्धिः	२०	३६	११	सप्तार्धगर्मा '	3	१०	१७
स नो भवः परि	११	२	Ξ	सन्तास्यासन् परि	38	Ę	१५
स नो रत्ततु जङ्गि	38	३५	ર	स प्रजापतिः सुवर्ण	१५	2	२
स नो वृषन्नमु चरं	२०	90	१२	स प्रजाभ्यो विप	१३	ષ્ટ	8.8
स नः पितः पारया	२०	४६	ર	स बन्धुश्चासबन्धु	Ę	१५	२
स नः पिता जनिता	ર	१	३	स बन्धुश्चासबन्धु	ફ	५४	3
स नः सिन्धुमिव	ક	33	E	स बुध्न्यादाष्ट्र	8	. १	دو
स पचामि स ददारि	में, ६	१२३	ક	स बृहतीं दिशमनु	१५	ह	१०
ध पत्नद्मयण्मसि	२	१=	ર	सभा च मा समिति	9	१२	१
सपत्नत्त्वयणो		₹8	દ્	सभायाश्च वै	१५	3	3
सपत्नक्षयणं दर्भ	38	30	ક	समग्नया विदु	१२	3	y o
सपरन इनसृषभं	3	ર	. ક	समध्वरायापसौ	3	१६	Ę
सपत्नहा शतका	१ ह	32	१०	स मन्द्स्या	२०	२३	Ę
स परमां दिशमनु	१५	६	१३	समस्मिलोके	१२	3	3
सप्तऋषीनभ्या	१०	ų	38	समस्य मन्यवे	२०	१०७	Q
सप्त द्वरन्ति शिशवे	9	५७	२	समहमेषां राष्ट्रं	3	१८	२
सप्त चनान् वहति	38	પૂર્	ર	स महिमा सहु	१५	و	१
सप्त च में सप्ततिश्व	में ५	१५	9	समाचितुस्वा नु	११	१	३६
छत च याः सप्ततिश	त्र ६	ર્ય	२	स मा जीवीत् तं प्रा	१६	9	१३
सप्त च्छुन्दांसि	E	3	१६	समानलोकी भव	3	y	२८
सप्त जाता न्यर्बुद	११	8	६	समानां मासा	१	34	8
सप्त त्वा हरिता	83	२	२३	समानी प्रपा सह	Ę	३०	Ę
सप्त त्वा हरितो	20	ક્ર૭	90	समानी व आकृतिः	Ę	દ્દેશ	3
सप्तद्शर्चेभ्यः स्वा	हा १६	२३	१४	समाना मन्त्रः	Ę	ેદ્દઇ	ર
सप्त प्राणानष्टी	२	१२	9	समानी बन्धुर्वरुण	ų	११	१०
सप्त प्राणाः सप्ता	१५	१प	२	समास्त्वाग्ने ऋत	२	६	
सप्त मर्यादाः	¥	* 8	६	समाहर जातवेदो	ų	28	१२
सप्तमाष्ट्रमाभ्या	28	२ २	३	सम्राडस्यसुराणां	₹ €	EĜ	3
सप्त मेघान् पशवः		₹	१६		१२	२	१=
सप्त युद्धन्ति					ø	७३	3
सप्त युक्षन्ति	१३				૭	ও३	8
सप्तर्चेभ्यः स्वाहा			ક		१३	१	२=
सप्तर्षीन् वा	११	દ્	११		११	8	8 -
सप्त स्यों इरितो	\$3	२	=	समिद्धो अय	ų	१२	
					100		

CONTRACTOR	CONCURRENCE CONTRACTOR	Maria de la companio	NAMES OF TAXABLE PARTY.	Series recommendation between the comment of the co			STORES AND ADDRESS OF THE PARTY.
	कां०	स्० '	म०		कां०	सू॰	Ho
समिन्द्र गर्द्भं	२०	७४	y	स यत् सर्चानन्तर्दे	ñs	१४	२३
समिन्द्र नो मनसा	9	03	२	स यदुदीचीं	214	१४	9
समिन्द्र राया	२०	२१	ų	स यद्द्वां दिशमनु	१प	१४	₹.9
समिन्धते श्रमत्ये	१्द	8	8१	स यद् दिवाणां	્રેલ્.	१४	3
समिग्धते संकसु	१२	- 2	३१	स यद् देवाननुष्यच	ęų.	१४	88
समिमांमात्रां	2=	ર	88	स यद् ध्रुवां दिशम	१५	१४	8
समीचयन्तु	ક	84	ર	स यन्मनुष्या३न	१५	१४	. १५
समीक्षयस्व	ક	र्य	ą	स यज्ञस्तस्य यज्ञः	१३	ક	80
समीं रेभासे। अ	२०	นูย	२	स यज्ञः प्रथमे।	१३	१	ye
समुत्पतन्तु प्रदिशो	ક	ર્પૂ	१	सरस्वति या सारथं	१=	१	४३
समुद्र ईशे स्रव	६	૮૬	૨	सरस्वति या सरधं	१=	ક	४७
समुद्राजाता	8	20	ų	सरस्वति वतेषु ते	9	Ę	2
समुद्रो नदीभि	3.5	8.8	9	सरस्वतीं देवयन्तो	१=	१	88
समुद्रं वः प्रहिणो	१०	¥	२३	सरस्वती देवयन्तो	१्≔	8	84
स मृत्याः पड्वीशा	१६	=	३२	सरस्वतीं वितरो	१=	ş	४२
समृद्धिरोज आ	११	9	१८	सरस्वतीं पितरी	१≔	8	४६
समेत विश्वे वचसा	9	२१	१	सरस्वतीम चुमति	4	ø	8
समोहे वा य आशत	२०	૭૧	२	स राजसि पुरुदुतं	२०	६१	Ę
समं ज्योतिः सूर्ये	ક	१८	8	स राजसि पुरुष्टुतं	२०	६२	१०
सम्यञ्जं तन्तुं प्रदि	१३	ર	२०	स रुद्रो वसुवनि	१३	્રેષ્ઠ	२६
सम्राक्ष्येधि	१४	१	88	सहपा नाम ते माता	٤	રૈક	3
स य एवं विदुष	११	. 3	પુષ્ઠ	सरुपी ही विरूपी	y	२३	8
स य एवं विदुषा	१५	१२	ે 8	सर्पानुसर्प	2	२४	ક
स य पवं विद्वानुद्	3	६(४)	8	सर्वज्यानिः कर्णौ	१२	ų	२२
स य एवं विद्वान	3	६(२)	છ	सर्वदा वा एष युक्तम	3 1	६(२)	१०
स य पवं विद्वान्तीर	8	દ (૪)	হ	सर्वागयस्यां क्रूरा	१२	4	१४
स य एवं विद्वान्त्स	*	६(४)	ર	सर्वा्ग्य्स्यां घो	१२	- 4	१३
स य पवं विद्वानमधू	3 P	६(४)	ų	सर्वानने सहमा	१२	2	86
स य एवं विद्वानमां स	3 1	६(४)	g	सर्वान् कामान् पूरय सर्वान् कामान् यम	રૂ १२	રહ જ	ર રૂક
स य श्रोदनस्य	११.		२३	सर्वात् देवानिदं	११		२०
स यत् पश्चतनु	१५	१४	११	सर्वान् द्यानद् सर्वान्त्समागा	१ <i>६</i>	* **	38
स यत् पितृननु	१५	१४	१३	सर्वा दिशः	१३	ર	४१
स यत् प्रजा अनु	१५		28	सर्वाटलाकान्त्स	११	१०	१२
स यत् प्रतीचीं दि		१४	Ľ,	सर्वास्याङ्गा पर्वा	१२	'n	કર
स यत् प्राची दिश	१५	१४	١	सर्वास्याङ्गा पर्वा	१२	c ₄	98
	* .	40		• · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	• ~	•	*

	e.io	सु०	म०	and the second seco	कां०	स्०	Ho
सर्वाः समग्रा श्रोप	=	y.	१६	ससानात्याँ उत	.50	११	8
सर्वे ग्रस्मिन् देवा	१३	8	२१	स सुद्दमा स	२०	22	ų
सर्वे गर्भाद्वेपन्त	१०	१०	२३	स सुत्रामा स्ववा	9	દેર	2
सर्वे देवा श्रत्या	११		१४	स सुत्रामा स्ववा	२०	१२५	9
सर्वे देवा श्रत्या	११	१०	१५	स संवत्सरमूई वो	१५	3	₹
सर्वे देवा उपासिच	28	Z	१७	सस्वीस्तद्पसो	ફ	२३	8
सर्वेभ्यो क्रिरोभ्यो	38	२२	१८	स स्वर्गमारोहति	१०	3	4
सर्वेषां च किमीणां	ď	२३	१३	सहमानेयं प्रथमा	સ	२५	२
सर्वो वा एष जग्ध	ε	& (२)	6	सहस्कुण्पा	११	१०	३५
सर्वी वा एषोजग्ध	8	६(२)	8	सइस्र्णीथाः	१्र	२	१्रद
सर्वो वै तत्र जोवति	6	₹.	ર્પ	सहस्रधामन् विशि	ક	१८	8
सर्वे तदु राजा वरुए	शो ४	१६	ų	सहस्रधार एव ते	y	દ	72
सर्व परिकोशं ज	२०	હક	Ŗ	सहस्रधारं शतधा	१८	્ય	३६
स वरुणः सायम	१३	3	₹ 3	सहस्रधारः पवते	२०	१३७	Ę
स वा अग्नेरजायत	१३	ક	३६	सहस्रपृष्ठः शतधारो		8	२०
स वा श्रद्भ्यो जा	१३	8	३७	सहस्रवाहुः पुरुषः	१६	દ	٤
स वा श्रन्तरिक्षा	१३	8	३१	सहस्रश्रहो वृषमो	8	ૡ	8
स वा ग्रहो जायत	१३	ુંશ	२६	सहस्रष्टको वृषमो	१३	8	१२
स वा ऋगभ्यो जा	१३	* 8	३८	सहस्राचमतिप	११	ર	80.
सविता प्रसवाना	¥	२४	१	सहस्राचे ए शतवीर	रेण ३	११	* *
सवितः अष्ठेन	ų.	રપૂ	१२	सहस्राच् ग शतवीर		કેદ	۵
स विशो नु व्यच	१५	3	१ ।	संहस्राची वृत्रहणा	ક	२म्	ર
स विशः सबन्धू	१५	E	२	सहस्रार्धः शतका	3.8	33	8
स विश्वा ग्रति चा	Ę	३६	ર	सहसाह्एयं विय	१० '	=	१८
स वेद पुत्रः पितरं	9	8	२	सहसाह्ययं विय	१३	ર	३८
स वै दिगम्यो जाय	१३	8	રૂક	सहस्राह्णयं विय	१३	રૂ	18
स वै दिवो जायत	१३	8.	, ३३	सहस्वना अभि	१८	३२	Ę
ंस वै भूमेरजायत	१३	8	34	सहस्व मन्यो	ន	38	3
स वै यज्ञादजायत	१३	8	38	स हि दिवः स	8		ક
स वै राज्या अजा	१३	ક	રે૦	स हृद्यं सांमनस्य		30	
स वै वायोरजायत	१३	8	* 33	सहे पिशाचा	8	३६	
स स्तनयति स	१३		કર		ર		10 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
ससन्तु त्या श्ररा	₹ 0	૭૪	ક્ષ	साकंजानां सप्त	8		१६
स सर्वस्मै वि पश्य		ક	१६	साकं सजातेः पय		8	
स सर्वानन्तर्देशा	१५		રહ	सा ते काम दुहित	F	ર	, 4
		* 1					

			THE PERSONNEL PROPERTY AND ADDRESS OF THE PERSONNEL PROPERTY ADDRESS OF		National Control of the Control of t		
	का०	स्०	HO	Manage	₹io	स्०	म॰
साधुपुत्रं हिरग्य	२०	१२६	ų	छुजातं जातवेदसं	8	२३	શ
साध्या एकं ज्ञाल	=	=	१२	सुतपाव्ने सुता इमे	२०	83	
साध्वर्या अतिथि	२०	१६	3	सुतासो मधुमत्तमः	· 20	१३७	
सा नो भूमिरा	१ २	१	80	सुतेसुते न्योकसे	२०	७१	
सा पश्चात् पाहि स	अर्ध ।	८८	ષ્ટ	सुत्रामाणं पृथिवीं	9	દ્	3
सा ब्रह्मज्यं	१२	ų	१५	सुदेवस्त्वा महन	२०	१३६	१२
सा मन्दसाना	१४	ર	Ę	सुदेवो श्रसिवर	२०	8२	8
सामानि यस्य	3	६ (१)	सुनोता सोमपाव्ने	દ્	ર	3
सामासाद उद्नीथो	१५	ं ३		सुपर्णसुवने गिरौ	c,	ક	ર
सायंसायं गृहपति	3.5	44	3	सुपर्णस्त्वा गुरु	8	Ę	3
सावीहिं देव प्रथमा	9	१४	ર	सुपर्णस्त्वान्ववि	२	२७	ર
साहस्रस्त्वेष	3	ક	१	सुपर्णम्त्वान्ववि	ų	18	2
सांतपना इदं हवि	, O	99	१	सुपर्णा वाचमकतो	Ę	88	ą
सिनात्वेनान् निम्नू	3	६	ď	सुपर्णी जातः	8	ેરક	
सिनीवालि पृथुषु	૭	ध६	8	सुप्रपाणा च वेश	२०	१२=	
सिन्धुपत्नीः	દ	રક	३	सुमङ्गली प्रतरणी	१४	२	२६
सिन्धोर्गर्भी सि वि	38	88	ų	सुमङ्गलीरियं	१४	૨	२८
सिलाची नाम का	ų.	eq	=	सुयामंश्चाचुष	१६	G	9
सिंह इवास्तानी	Å.	२०	२	सुरूपकृत्नुमृतये	२०	yo	8
सिंहपतीको विशो	ક	२२	ر ق	सुरूपकृत्वम्त्ये	२०	६=	2
सिंहस्य राज्युष	88	८६	8	सुविज्ञानं चिकतुषे	E	જ	१२
सिंहस्येव स्तनथोः	=	. '9	१५	सुश्रुतिश्च मोप	१६	२	Y.
सिंहे ब्याघ्र उत	Ę	રૂ⊏	१	सुश्रुतौ कर्णी भद्र	१६	ર	્ક
सीताः पर्शवः	११	3	१२	सुष्रत मृडत	१	२६	8
सीते बन्दामहे त्वां	3	१७	۷	सुष्टामा रथ	२०	88	ર
सीरा युञ्जनित क	3	१७	8	सुहवसग्ने कृत्ति	१६	9	ર
सीसायाध्याह	8	१६	ર	सुनृतावन्तः सुभ	9	Ęo	દ્
सीसे मलं साद	१२	3	२०	स्नृता संनतिः	११	و	१३
सीसे मृड्ढ्वं	१२	ેર	8.8	स्यवसाद् भगवती	و	৩३	88
सुकर्माणः सुक	१=	3	२२	स्यवसाद् भगवती	8	१०	₹0
सुकिंगुकं वहतुं	१४	१	६१	स्रिरिस वचींघा	3	११	ક
सुकेषु ते हरिमाणं	. 6	२२	ષ્ઠ	सूर्य पनं दिवः	१२	ų	હર્
सुक्षेत्रिया सुगातुया	8	३३	२	सूर्य चच्या मा	ર	१६	3
छुखं सूर्य रथमंश्र	१३	२	७	सूर्य नावमारुद्धः	१७	8	२६
छगा वो देशाः	٩	23	8	सूर्य मृतं तमसा	ર	१०	E
· 1				very contract of the contract	•	TA	

	कां०	स्०	म०		€i o	स्०	H0
सूर्य यत्ते तपस्तेन	२	२१	Ą	सोदकामत् सा पितृ	E	80(3)	રૂ
सूर्य यत्ते तेजस्तेन .	ર	२०	Ų	सोदकामत् सा पितृ		80(8)	
सूर्य यसेचिंस्तेन	ર	२०	3	सोदकामत् सा मनु	ㄷ	20(3)	
सूर्य यत्ते शोचिस्तेन	ર	२०	ક	सोदकामत् सा मनु	6	₹0,₹)	3
सूर्य यत्ते हरस्तेन	२	२१	२	सोदकामत् सा मन्त्र	E	१०(१)	१२
सूर्यश्चत्त्वा	¥	२४.	3	सोदकामत् सा वन	Z	१०(३)	. 8
स् यंश्चक्षुवातः	. \$?	=	38	लोदकामत्सा सप्त	=	80(8)	१३
सूर्यस्य रश्मीननु	ક	રૂ⊏	Cq.	सोदकामत्सा सभा	E	१०(१)	6
स्यंस्यावृत	80	G,	30	नोदकामत् सा समित	रो =	१०(१)	१०
सूर्यस्याश्वा हरयः	\$ 3	8	२४	सोदकामत् सा सर्पा	6	१०(५)	१३
सुर्याभ्यां स्वाहा	28	२३	२४	सोदकामत् सासुरा	E	६०(8)	१
स्योग वहुतुः	१४	₹.	१३	सोदकामत् साहव	6	80(8)	ક
स्यायै देवेभ्यो	१४	ર્	४६	सोइकामत् सेतरज	===	80(4)	8
सूर्यो दिवादकाम	35	3.8	3	सोनादिष्टां दिश	१५	Ę	१६
स्यों देवीमुषसं	२०	१०७	१५	सोनावृत्तां दिश	१५	६	२०
स्यों द्यां सूर्यः	१३	8	४५	सोब्रवीदासंदी	१५	₹	२
स्यों मा द्यावा	28	१७	ૡ	मोम एकेस्यः	१८	2	१४
सूर्यो मान्हः पात्व	१६	ંશ	ક	सोम श्रोपधी	१६	38	¥
सूर्यों में चत्तुर्वातः	¥	3	9	सोमज्ञष्टं ब्रह्म	२	38	२
स्य चतुषा गच्छ	१्ह	२	9	सोममेनामेके दुहे	१०	१०	३२
स्य ते चांचापृथि	35	१=	ų	सोम राज्ञन्	११	१	२६
स्वा न्यूर्णीति	8	११	3	सोमस्त्वा पात्वो	3.8	२७	२
सेविरुप्रा	E	=	3	सोमस्य जाया	१४	२	3
सेदि रूपतिष्टन्ति	१२	Ų	२४	से।मस्य पर्णः	3	y.	ક
सेषा भीमा	१२	ų	85	सामस्य भाग स्थ	20	ų	3
से। भग्निः सं इ	१३	8	¥	सामस्यांशो युघां	9	ΞŞ	રૂ
से। भ्रस्य वज्रो	२०	३०	3	सोमस्येव जातवेदो	4	38	१३
सो चिन्नु भद्रा सु सोचिन्नु वृष्टियू	१८		२०	सोमाय पितृमते	१८	8	95
सोचिष् वृष्टियू	२०	७३	ų	सामारुदा युवमेता	9	४२	२
सारकमत सा गन्ध	E	80(4)	Eq.	सोमारदा विवृहतं	G	ધર	११
सोदकामत् सा गाई	=	१०(१)	ર	सोमेने प्रा कलशं	3	8	8
सोद कामन् सा ददि	1 =	१०(१)	ે દે	सोमेनादित्या	ક	१	२
सोदकामत् सा देवा	6	१०(३)	५	सोमी द्दद् गंधवी	्रध	२	ષ્ઠ
सादकामत् सा देवा	E	१०(५)	8	सोमो मा रुद्रैदिच	38	१७	3
सोदकमत् सान्तरि	E	१०(२)	१	सोमो मा सीम्ये	38	84	6

961	Tio	स्॰	Ho		कां०	स्०	Ho.
सोमो युनकु	ų	२६	२०	संशानं नः स्वेभिः	9	ЙS	Ą.
सोमो राजाधिपा	१०	१	२२	सं ते मजा मज्ज्ञा	૪	१२	3
सोमो राजा प्रथमो	4	१७	ર	सं ते शीर्षाः कपा	3	E	२२
सोमो राजा मस्ति	3	9	ર	सं ते हिन्म दतादतः	Ę	पूह	₹
सोमो वधूयुरम	१४	१	3	संत्वा नह्यामि	१४	२	90
सोमो मा विश्वैदें	१८	રૂ	२८	संदातं वो बृहस्पतिः		१०३	१
सोमो वीरुधा	ų	રક	9	संदंशानां पलदानां	8	3	¥
सोमं ते रुद्रवन्त	38	१८	3	सं परमान्त्समवमा	Ę	१०३	२
सोमं मन्यते पवि	१४	. १	3	सं पितरावृत्विये	१४	२	३७
सोमं राजानमवसे	3	२०	· 8	सं बर्हिरकं हथिषा	9	23	१
सोरज्यत तनो	8 Y		Ą	संभले मलं साद	१४	્ર	६७
सोरिष्ट न मरिष्यसि	E	ર	રક	सं माग्ने वर्चसा	9	25	. 3
स्रोयंमा स वरुणः	23	ક	ક	सं माग्ने वर्चसा		\$	१५
सोवर्द्धत स महान	१प	٠ १	ય	सं माग्ने वर्चसा	१०	ų.	80
सोषामविन्दत्	२०	१६	3	सं मा सिञ्चन्तु	و	३३	. 8
संकर्षन्ती करूकरं	28	3		संघ्राडस्यसुराणां	Ę	こを	3
संक्सुको विकसुको	१२	२	१४	संयतं न वि प्परद्	१०	ક	石
संकाशयामि	१४	ેં ર	१२	सं राजानो अगु;	१६	40	२
संकन्दनेनानि	3.8	१३	3	संवत्सरस्य वितमां	3		3
संकन्दनः प्रवदो	ų	२०	3	संवत्सरीएां पय	6	3	१७
सं कामतं मा	9	પૂર	. २	संवत्सरीणा मरुतः	9	30	3
सं क्रोशतामेनान्	- feet	E	२१	संवत्सरो रथः	4	5	२३
सं ख्याता स्तोकाः	१२	3.	२८	संवत्सरं शशयाना	ક	१५	१३
सं गच्छस्व पितृ	१=	3	4=	संवननी समुष्पता	६	359	, 3
सं गोभिराङ्गिरसो	२०	१६	્ર	सं वर्चसा पयसा	દ્	पृत्रु	3
सं गोमदिनद्र वाज	२०	७१	१३	सं वसव इति	9	308	8
सं चेध्यस्वाग्ने	ર	Ę	ે ર	सं विशन्तिवह	१८	२	२६
सं चेन्नयाथो	ર	३०	ં ર	सं वो गोष्टेन सुपदा	3	१४	१
सं चोदय चित्रम	२०	७१	११	सं वो मनांति सं	ૠ	. 4	, t
संजग्माना श्रवि	37	१४	3	सं वो मनांसि सं	Ę	ક્ષ્	ę
संजयन् पृतना	y	२०	ઝ	सं वोवन्तु सुदानव	ક	१५	S
सं जानीष्वं सं पृच्य	E	६४	१	सं चः पृच्यन्तां	દ્	૭૪	*
सं जानामहै मनसा	હ	पुर	্	सं वः सृजत्वर्यमा	ર	१४	=
संजीवा स्थ सं जी	8.8	33	३	संशितं में इदं	્ર	१६	8
संश्वपनं वो मनसो	£	૭૪	२	संसमिद् युवसे	Ę	\$ 3	ય
				1			

						Wildrest Control of the Control of t	-
	कां०	स्०	म ०		wio	€o.	श्
संसिचो नाम ते	११	6	१३	खुचा हस्तेन प्राणेन	3	६ (२)	Ę
सं सिंचामि गवां	૨	२६	ક	स्त्रवेव यस्य हरिणी	२०	38	(- 1
संसृष्टं धनमुभयं	છ	38	•	स्वधया परिहिता	१२	وب	ą
सं सं सूत्रन्तु सिन्ध	वः १	१५		स्त्रधाकारेण पितृ	१२	8	32
सं सं स्नवन्तुनद्य १:			8	स्वधाकारेणान्ना	84	18	18
सं सं स्रवन्तु पशवः	3	२६	3	स्वधा पितृभयो अन्त	86	R	98
सं हि वातेन।गत	१०	१०	१४	स्वधा पितृभ्यो दिवि	Ϋ́Ε	. 8	60
सं हि शीर्घाएयग्रमं	१०	ક	38	स्वधा पितृभ्यः पृथि	ξE	8	92
सं हि सूर्येणागत	80	्रश्व	१५	स्वधास्तु मित्रावरुण	1 8	89	2
सं हि सोमेतागत	१०	१०	. १३	स्वप्तु माता स्वप्तु पिर	ग ४	¥	
संहोत्रं स्म पुरा	२०	१२६	१०	स्वम स्वमाभिकर	8	Y	•
₹क्रमेनेमे विष्ट	१०	=	ર	स्वमो वै तन्द्री	8.8	Z	18
स्काभे लोकाः स्कामे	रे १०	9.	28	स्वमं सुप्त्वा	१०	1	Ę
€क∓भो दाधार	१०	9	રૂપ	स्वमेत दच्छायन्ति	१२	S	14
स्तुता मया वरदा	33	9 દ		स्वयमेनमभ्युरे	१५	19	3
स्तुवानमञ्जूषा वह	१	9	१	स्वयमेनमभ्युदे	24	१२	. 2
स्तनयित्तुस्ते वाक्	3	. १	१०	स्वरन्ति त्वा सुते	२०	45	3
स्तनयित्तुस्ते वाक्	3	2	२०	स्वर्नित त्वा सुते	₹0	45	24
स्तुष्व वर्धन् पुरु	Ą	२	g	स्वर्गं लोकमभि	१२	\$	Q.
म्तुष्व वर्मान् पुर	२०	१०७	१०	स्वश्यंद् वेदि	२०	99	¥
₹तुहि श्रुतं गर्त	१=	१	80	स्वश्यन्तो नापेक्षन्त	8	18	
₹तुदीन्द्रं व्यश्वव	२०	88	8	स्वर्विदो रोहित	83	₹.	86
स्तंगो न ज्ञामत्येषि	?=	!	35	स्वस्ति ते सूर्य चर	१३	, 9	•
स्तेयं दुष्कृतं	१ १	2	२०	स्वस्ति तं में सुप्रातः	33	K	3
स्तोत्रं राघानां	२०	84	2	स्वस्तिदा विशां प	8	31	8
स्तोमस्य नो वि	3.5	38	६	स्वस्तिदा विशां प	K	¥	33
स्तोमा आसन् प्र	१४	Q	=	स्वस्ति नो श्रस्तव	3.5	=	•
क्रियः सतीस्तां	3	. 8	24	स्वस्ति मात्र उत पित्रे	. \$	\$8	¥
€ योनाद्योनेरिघ	१४	२	४३	स्वस्त्यश्योषसो	₹€:.		. · · \
स्योना भव श्वशु	\$ A	ર	20	स्वातं मे चावापृथि	•	१०	Į
स्योनास्मै भव	ξ =1	२	3.5	स्वादुष्टे अस्तु संसु			
स्योनं ध्रुवं प्रजाये	१४	१	८८	स्वादुष्किलायं	१⊏	: \$	8c
स्रक्याऽसि प्रति	ર	११	2	स्वादोरित्था	२०	805	*
स्नाक्येन मणिन	=	• ц	=	स्वायसा असयः	80	8	30
घुग्द विं नें चण	8	\$(?)	१७	स्यावृग देवस्यासृतं	(E		82
			4	. %		3	

ह

¥

Ę

E

ફદ

y

\$3

R

¥.

Ş

Ę

G

Ę

₹€ .

¥

gen .					
हतासा अस्य वेशसो	ર	३२	ų.	हिरण्य इत्येके	२०
हतासी अस्य वेशसो	وم	२३	१२	हिरण्यगर्भ पर	80
इ तास्तिरश्चिराज	१०	8	१३	हिरएयगर्भः समव	ષ્ટ
हतो येवायः किमीणां	¥	२३	=	हिरएयपाणिं सवि	3
हतो राजा किमीणा	२	32	8	हिरएययाः पन्थान	ų
हतो राजा किमीणा	ų	२३	88	हिरएययी नौरचर	Ų
इतं तदं समङ्गमा	8,	yo	8	हिरएययी नौरचर	દ્
इन्खेनान् प्रदृह	१ ३	Ą	28	हिरएययी नौरच	१६
हम्बोहि जिह्नाम	१०	ર	S	हिरएयेन पुरुभू	२०
हरिणस्य रघुष्य	3	9	१	हिरएयवर्णाः ग्रुचयः	Ą
हरिक्तिके किमिच्छ	२०	128	ន	हिरएयवर्षा सुभगा	Ů,
हरितेभ्यः स्वाहा	१६	२२	ų	हिरएयवर्णे सुभगे सूर	î y
हरिमाणं ते	3	=	8	हिरएयवर्णे सुमगे शु	4
हरिश्मशावहंरि	20	32	3	हिरगयवणों अज	38
हरिं हि योनिमभि	२०	30	ર	हिरएयश्टङ्ग ऋष	38
हरिः सुपर्णो दिव	3 8	. हप	٤	हिरएयस्रगयं	80
हर्यश्यं सत्पति	20	१ध	ક	हिरगयानामेका	8
हर्यश्वं सत्पति	२०	६२	ક	हुवे सेामं सवितारं	3
इविर्धानमग्निशालं	8	3	9	हृद्यात् ते परि	ર
हस्ताभ्यां दशशा	ક	१३	9	हृद्यात् ते परि	२०
इस्तिवर्चसं प्रथ	3	२२		हृदा पूर्त मनसा	8
इश्ती मृगाणां	3	२२	€.	हेडं पश्रनां न्येति	१२
इस्तेनैव प्राद्यः	¥,	१७	3	हेतिः पद्मिणी	8
हिङ्क रिकती	8	2	E	हेतिः शफानुतिस्व	१२
डिङ्क्रावती वसुप	9	93	Z	हैमनावेनं-मासौ	१५
हिङ्हरवती वसुप	8	. 20	y	हैमनौ मासौ	84
हिमवतः प्र स्नवन्ति	- 8	२४	१	हंसैरिव सिबिभिः	२०
दिमस्य त्वा जरा	8	308	. 3	ह्वयन्तु त्वा प्रतिजनाः	3
हिमेब पर्शा मुविता	२०	१६	१०	इयामि ते मनसा	१=
दिनं इंखं चाधाय	18	1	8.9		

स

	वतं०	स्०	Ho		कां०	सु०	म०
चत्रेनाग्ने स्वेन	ર	Ę	ક	चुद्रेभ्यः स्वाहा	3.8	२२	१६
त्तिप्रं वै तस्य पृब्छ	१२	ų	40	चुद्रेभ्यः स्वाहा	3.8	२३	२१
चित्रं वै तस्य वास्तु	१२	ų	88	जुधामारं तृष्णामार		90	
चित्रं वै तस्यादहनं	१२	eq	४⊏	चुरपविरीत्तमा	१२	હ	
क्षिप्रं वै तस्याहनेन	१२	લ	૪૭	जुर पविर्मृत्य	१२	ų	uy.
द्योरे मा मन्धे	q	28	9	क्षेत्रियात् त्वा	3	१०	5
चुत् कुक्षिरिरा	3-	9	१२		•	•	

इति मन्त्राणां वर्णानुक्रमसूची ॥

इति श्रीमद्राजाधिराजपथितमहागुणमहिम श्रीसयाजीरावगाय-वाड़ाधिष्ठितबड़ोदेपुरीगतश्रवणमासदित्तणापरीत्रायाम् श्रक्सामाथर्ववेदमाष्येषु लब्धदित्तिणेन श्री पण्डित

सेमकरणदास त्रिवेदिना

कृते अथर्ववेद्माप्ये अथर्ववेद्संहियाया मन्त्राणां वर्णानुक्रमस्वी समाप्ता ॥

इयं मेन्त्राणां वर्णानुकमस्ची प्रयागनगरे माघमासे शुक्कपदो वसन्त-पञ्चम्यां तिथौ १६७० तमे (सप्तस्तस्युत्तरैकोनविश्वतिशतके) विक्रमीये संवत्सरे धीर-वीर-चिरप्रतापि-महायशस्ति-

> श्री राजराजेश्वर पञ्चमजार्ज महोद्यस्य सुसाम्राज्ये सुसमाप्तिमगात् ।

मद्भितम्—माघशुक्का १४ संवत् १६७७ तारीख़ २१ फ़र्चरी १६२१ ईस्वी॥

श्रयवंवेदभाष्य सम्मतियां॥

श्रीमती आर्य प्रतिनिधिसभा, पंजाब, गुरुदत्त भवन लाहीर अन्तरंग सभा के प्रस्ताव संख्या ३ तिथि ६-१२-७३ की प्रति।

लां दीवान चन्द प्रतिनिधि श्रार्य समाज बटाला का प्रस्ताव, कि पं क्षेम-करणदास की अधर्ववेद भाष्य के लिये ४०। मासिक की सहायता दी जावे, उपस्थित हुआ। निश्चय हुआ कि २५) मासिक की सहायता एक वर्ष के लिये दी जावे और उसके परिवर्तन में उतने मूल्य की पुस्तकें उनसे स्वीकार की जावें॥

श्रीमती आर्यप्रतिनिधि सभा संयुक्त प्रदेश आगरा स्त्रीर अवध, स्थान बुलन्दशहर, अन्तरंग सभा ता० ४ जून १८१६ ६० के निश्चय संख्या १३ (ख्र) ख्रीर (ब) की लिपि।

(श्र) समाजों में गश्ती चिद्वी भेजी जावे कि वे इस भाष्य के श्राहक वने

ेतथा अन्यों के। बनावें।

(व) सभा सम्प्रति १ वर्ष पर्यन्त १५) मासिक एक क्वर्क के लिये पं॰ द्योमकरण्दास जी का देवे, जिस का बिल उक्त पंडित जी कार्यालय सभा में भेजते रहें। इस धन के बदले में पंडित जी उतने धन की पुस्तक सभा की देंगे॥ लिपि गरती चिट्ठी श्रीमती आर्यमितिनिधि सभा जो पूर्वोक्त निश्चय के अनुसार समाजों को भेजो गयी (संख्या ५८% माप्त २० जूलई १८१६ ई०)

॥ श्रो३म्॥ मान्यवर, नमस्ते!

आप की ज्ञात होगा कि आर्यसमाज के अनुभवी वयाबृद्ध विद्वान श्री पं॰ द्योमकरणदास त्रिवेदी गत कई वर्षी से बड़ी याग्यता पूर्वक अथवंवद का भाष्य कर रहे हैं। आप ने महर्षि द्यानन्द के अनुसार ही इस भाष्य की करने का प्रयत्न किया है। भाष्य काएडों में निकलता है अब तक ६ कांड निकल चुके हैं। श्रार्यसमान के वैदिक साहित्य सम्बन्ध में वस्तुतः यह बड़ा महत्त्वपूर्णकार्य हो रहा है। त्रिवेदी महाशय के भाष्य की जानकारों ने खुव प्रशंसा की है। परन्तु खेद है कि अभी आर्यसमाज में उच केटि के साहित्य को पढ़ने की और लोगों की बहुत कम रुचि है। जिसके कारण त्रिवेदी जी अर्थ हानि उठा रहे हैं। भाष्य के प्राहक बहुत कम हैं। लागत तक वस्त नहीं होती। वेदों का पढ़ना पढ़ाना और सुनना सुनाना आर्यमात्र का प्रधान केर्त्तव्य है। अतएव सविनय् निवेदन है कि वैदिक धर्मी मात्र श्री त्रिवेदी जी की उनके महत्वपूर्ण गुरुतर कार्य में साहस प्रदान करें। स्वयम प्राहक वनें और दूसरों को बनावें। ऐसा करने से भाष्यकार महाशय उसे छापने की अर्थ सम्बन्धिनी चिन्ताश्रों से मुक्त होकर भाष्य को आर अधिक उत्तमता से सम्पादन करने की ओर प्रवृत्त होंगे। आशा है कि वेदों के प्रेमी उक्त प्रार्थना पर ध्यान दे इस भ्रोर अपना कुछ कर्चाव्य सम्भोगे। प्रत्येक आर्य के घर में वेदों के माध्य होने चाहिये। समाजके पुस्तकालयों में तो उनका रखना बहुत ही ज़रूरी है। भाष्य के प्रत्येक कांड का मूल्य त्रिवेदी जी ने बहुत ही थोड़ा रक्खा है।

त्रिवेदी जी से पत्र व्यवहार ५२ लूकरगंज, प्रयाग के पते पर कीजिये भवदीय-जल्दी से भाष्य मंगाइये।

नन्दलाल सिंह, B. Sc., LL. B. इपमन्त्री। चिद्वी संख्या २७० तिथि १०-१२-१६१४। कार्यात्वय श्रीमती स्नार्य-मतिनिधि सभा, संयुक्तमान्त आगरा व स्रवध, बुलन्दशहर।

आपका पत्र संख्या १०१ तथा अथर्ववेद साध्य का तृतीय कांड मिला। इस क्रुपा के लिये अनेक धन्यवाद हैं। वास्तव में आप आर्यसमाज के साहित्य को समृद्धि शाली बनाने में बड़ा कार्य कर रहे हैं, आप की विद्वत्ता और कृपा के लिये आर्य संसार हो नहीं, प्रत्युत प्रत्येक शिखा सूत्र धारी की आभारी होना चाहिये। ईश्वर आप की उत्तरोत्तर उस महत्त्व पूर्ण कार्य के सम्पादन और समाप्त करने के लिये शिक प्रदान करें, ऐसे उपयोगी प्रन्थ प्रकाशन की आप सदैव जारी रक्खें यही प्रार्थना है।

भवदीय-मदन सींहन सेठ

(पम० प० पत्त० पत्त० बी०) मन्त्री सभा।

श्रीमान् पिएडत तुलसीराम स्वामी—प्रधान आर्थ प्रतिनिधि सभा संयुक्तप्रान्त, सामवेद भाष्यकार, सम्पादक वेदप्रकाश, मेरठ—मार्च १६१३ | श्राग्यञ्चवेंद का भाष्य श्री स्वामी द्यानन्द सरस्वती जी ने संस्कृत और भाषा में किया है, सामवेद का श्री पं॰ तुलसीराम स्वामी ने किया है, अथवेंवेद के भाष्य की बड़ी आवश्यकता थी। पं॰ त्येमकरणदास जी प्रयाग निवासी ने इस अभाव की दूर करना आरम्भ कर दिया है। माध्य का कम अच्छा है। यदि इसी प्रकार समस्त भाष्य वन गया, जो हमारी समक्ष में कठिन है, तो चारो वेदों के भाषा भाष्य मिलने लगेंगे, आयों का उपकार होगा।

श्रीयुत महाशय नारायणप्रसाद जी मुख्याधिष्ठाता गुरुकुल वृन्दाः वन मथुरा — उपप्रधान श्रार्य प्रतिनिधि सभा, संयुक्तप्रान्त । श्रार्यमित्र श्रागरा २४ जनवरी १४१३ ।

श्री पं० होमकरणदास त्रिवेदी प्रयाग निवासी, ऋक साम तथा अथर्ववेद सम्बन्धी परीक्षोणीं अथर्ववेद का भाषा भाष्य करते हैं, मैंने सम्पूर्ण [प्रथम] कांड का पाट कियो। त्रिवेदी जी का भाष्य ऋषि दयानन्द जी की शैलों के अनुसार भावपूर्ण संक्षित और स्पष्टतया प्रकट करने वाला है कि मन्त्र के किस शब्द के स्थान में भाषा का कौन सा शब्द आया, फिर नोटों में व्याकरण तथा निरुक्त के ममाण, प्रारम्भ में एक उपयोगी भूमिका दे देने से भाष्य की उपयोगिता और भी बढ़ गई है, निदान भाष्य अत्युक्तम, आर्यसमाज का पक्षपोषक और इस योग्य है कि प्रत्येक आर्यसमाज उसकी एक २ पोथी (कापी) अपने पुस्तकालय में रकते।

त्रिवेदी जी ने इस भाष्य का आरम्भ करके एक वड़ी कमी के पूर्व करने का

उद्योग किया है। ईश्वर जनकी बल तथा वेद प्रेमी आवश्यक सहायता प्रदान करें निर्द्धिता के साथ यह शुभ कार्य पूरा हो...छुपाई और कागृज़ भी अच्छा है।

श्रोयुत महाशय सुन्शीरामजी—जिज्ञासु मुख्याधिष्ठाता गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार—पत्र संख्या ६४ तिथ २७-१०-१६६६।

अथर्ववेदभाष्य आप का दिया व किया हुआ अवकाशानुसार तीसरे हिस्से के सगमग देख सुका हूं आप का परिश्रम सराहनीय है।

तथा—पत्र संख्या ११४ तिथि २२-१२-१६६६। अवलोकन करने से भाष्य उत्तम प्रतीत हुआ।

श्रीयुत पं० शिव शंकर शर्मा काव्यतीर्थ-छान्देग्ये।पनिषद् भाष्यकार देवेदतस्वादि ग्रंथकत्तां वेदाध्यापक कांगड़ी गुरुकुल महाविद्यालय, श्रादि श्रादि, सम्पादक श्रार्थमित्र—= फुरवरी १६१३।

श्चर्यवेद भाष्य। श्री पं० त्रेमकरण दास त्रिवेदी जी का यह परिश्रम प्रशं— सनीय है।शाप बहुत दिनों तक सरकारी नौकरी कर और श्रव वहां से पेन्शन पाके श्चपना सम्पूर्ण समय संस्कृत पढ़ने में लगाने लगे। श्रन्ततः श्चापने वेदों में विशेष परिश्रम कर बड़ौदा राजधानी में वेदों की परीक्षा दी और उन में उत्तीर्ण हो त्रिवेदी बने हैं। श्चाप परिश्रमी और श्चनुभवी वृद्ध पुरुष हैं। श्चाप का-श्चर्यवेवेदीय भाष्य पढ़ने ये। यह है।

श्रीयुत पंडित भीमसेन शर्मा इटावा—उपनिषद् गीतादि भाष्यकर्ता चेद्व्याख्याता कलकत्ता यूनीवर्सिटी, सम्पादक ब्राह्मण सर्वस्व इटावा, फ़रवरी, १६१३।

अथर्ववेदभाष्य—इसे प्रयाग के पण्डित क्षेमकरण्दास त्रिवेदी ने प्रकाशित किया है। इस का कम ऐसा रक्खा गया है कि प्रथम तो प्रत्येक स्कू के प्रारम्भ में अभिप्राय यह है कि भाष्य का ढंग अञ्झा है सोध्यकर्ता के मानसिक विचारों का सुकाव आर्यसामाजिक सिद्धान्तों की तरफ़ है अतप्य भाष्य भी आर्य सामाजिक शैली का हुआ है। तब भी कई अंशों में स्वामी द्यानन्द के भाष्य से अञ्झा है। और यह प्रणाली तो बहुत ठीक है।

श्रीमती पंडिता शिवण्यारी देवी जी, १३० हकीम देवी प्रसाद जी श्रतरसुद्धया, प्रयाग, पत्र तारू २१-१०-१६१५॥ भीयुत परिडत जी नमस्ते,

महेवा के पते से आर का भेजा हुआ पत्र और अथवंवेद भाष्य चौथा कांड मिला, में ने चारों कांड पढ़े. पढ़कर अत्यन्त आनन्द प्राप्त हुआ। आपने हम सभों पर अत्यंत कृपा की है आप को अनेकां धन्यवाद हैं। आशा है कि पांचवां कांड भी शीव तैयार होकर बी० पी० द्वारा मुके मिलेगा। दो पुस्तक हवनमन्त्राः की जिस का मूल्य ।)॥ है कुपाकर भेज दीजिये मेरी एक बहिन की आधश्यकता है।

श्रीयुत परिदन महावीर मसाद द्विवेदी-कानपुर, सम्पादक सर-

स्वती प्रयाग, फावरी १६१३।

अथर्ववेद भाष्य — श्रीयुत क्षेमकरणदास त्रिवेदी जी के वेदार्थक्षान और अम का यह फल है, कि श्राप ने अथर्ववेद का भाष्य लिखना श्रीर कम कम से अकाशित करना श्रारम्भ किया है...बड़ी विधि से श्राप भाष्य की रचना कर रहे हैं। स्वर सहित मूलमन्त्र, पद पाठ, हिन्दी में सान्वय श्रर्थ, भावार्थ, पाठा-न्तर, टिप्पणी श्रादि से श्राप ने श्रपने भाष्य को श्रलंकृत किया है...श्राप की राय है कि "वेदों में सार्वभीम विज्ञान का उपदेश है"। श्रापका भाष्य स्वामी द्यानन्द सरस्वती के वेदमाष्य के ढंग का है।

श्रीयुत पर्णिंडत ग्रोश प्रसाद शर्मा—संपादक भारतसुदशाप्रवर्तक

फतेहगढ़, ता० १२ अप्रैल १८१३ ।

हर्ष की बात है कि जिस वेद भाष्य की बड़ी शावश्यकता थी, उसकी पूर्ति का आरम्भ होगया। वेद भाष्य बड़ी उत्तम शिली से निकलता है। प्रथम मन्त्र पुनः पदार्थयुक्त भाषार्थ, उपरान्त भावार्थ, और नोट में सन्देह निवृत्ति के लिये घात्वर्थ भी व्याकरण व निरुक्त के आधार पर किया गया। है, वैदिक धर्म के प्रेमियों को कम से कम यह समस्र कर भी ब्राहक होना चाहिये कि उनके मान्य प्रन्थ का अनुवाद है और काम पड़े पर उस से कार्य लिया जा सकता है।

षाचू कालिकामसाद जी-सिल्ह मर्चेन्ट कमनगढ़ा, बनारस सिटी पत्र संख्या ५=६ नाठ २७-३-१३।

आप को भेना अथर्वदेशाध्य का बीठ पीठ मिला में आप का भाष्य देखकर बहुत प्रसन्न हुआ, परमेश्वर सहाय करे कि आप इसे इसी प्रकार पूर्ण करें। आप बहुत काम पक साथ न छेड़कर इसी की तरफ समाधि लगाकर पूर्ण करेंगे। मेरा नाम ब्राहकों में लिख लीजिये, जब र शक्क छुपें मेरे पास भेज देना।

श्रीयुत महाशय रावत हरमसाद सिंह जी वर्मा, मु० एकडला पोस्ट

क्तिशुनपुर ज़िला फ़तेहपुरू हसवा, पत्र ६ दिसम्बर १८१३।

वास्तव में आप का किया हुआ "अध्यविद् भाष्य" निष्पक्षता का आश्रय तिया चाहता है। आप ने यह लाहल दिखाकर लाहित्य भएडार की एक बड़ी भारी न्यूनता को पूर्ण कर दिया है। ईश्वर आ। वो वेद भएडार के आवश्य-कीय कार्यों के सम्पादन करने का बल प्रदान कर।

श्रोयुत महाशय पंडित श्रीधर पाठक जी, (सभापति हिन्दी साहित्य सम्मेलन लखनज)—मनेविनाद श्रादि श्रनेक श्रन्थों के कर्ता, सुपरिन्टेन्डेन्ट गवर्नमेंट सेकेटरियट, पी० डब्ल्यू० सी० श्री प्रयागराज, पत्र ता॰ १७-६-१३।

आप का अथर्ववेद भाष्य अवलोकन कर चिन्न अत्यन्त सन्तुष्ट हुआ। आप की यह पारिडत्य-पूर्ण कृति वेदार्थ जिलासुओं को बहुत हितकारिणी होगी। आप का व्याख्याकम परम मनोरम तथा प्रांजल है, और प्रन्थ सर्वथा उपादेय है।

प्रकाश लाहीर १२ खाषाड संवत् १८७३ (२५ जून १८१६— सेखक श्रीयृत पं० श्रीपाद दामोदर सातवलेकर जी)

हम परिडत दोमकरणदास जी का धन्यवाद करने से नहीं रह सकते — स्वामी (दयानन्द) जी ने लिखा है- कि वेद का पहना पहाना आये। का परम धर्म है—इसके अनुकूल श्री पंडित जी अपना समय वेद अध्ययन में लगात हैं—और आर्थी के लिये परम उपयोगी पुरुतक प्रकाशित करने में पुरुषार्थ करते रहते हैं — पंडित जी ने इस समय तक इवन मन्त्री तथा रुद्राध्याय का भाषा में अर्थ प्रसिद्ध किया है – जो कि आर्थो के लिये पठन पाठन में उपयोगी हैं—इस सम्बन्ध में यह अधर्धवेद के पांच कांड छुपवा कर निःसन्देह बडा लाभ पहुंचाया है। आयों की जो शिका प्रणाली थी उसकी दूरे थाज पांच हज़ार वर्ष हो खुके हैं। ऐसे श्रंधेरे के समय में स्वामी जी ने बेद के ऊपर लांगों के भीतर इद विश्वास उत्पन्न करके एक धर्म का दीपक प्रकाशित किया। परन्तु हमें शोक यह है वेंद के पढ़ने में आर्य लोग इतना समय नहीं लगाते जितना वे प्रवन्ध सम्बन्धी भगडों की वार्तों में लगाते हैं। हमारा विश्वास है कि जब तक पं० दोमकरणदास जी जैसे वेदाभ्यासी पुरुषार्थी लोग भागना समय वेदों के खोज में न लगावेंगे तब तक आर्य समाज का कोई गौरव महीं वढ सकता। अथर्ववेद के अर्थ कोजने में वही कठिनता है। इसके उत्पर सायण भाष्य रणलच्य नहीं होता, जो इस खमय तक छुगा हुआ है वह वही अध्री दशा में है, सक्त के सक ऐसे हैं कि जिनके ऊपर अब तक कोई टीका नहीं हुई।..... इस समय जो पांच कांडों का भाष्य पंद्धित जी ने प्रका-शित किया है उसके लिखने का ढंग वहा अच्छा और खुगम है। प्रथम छन्हें। ने सक के तथा मन्त्रों के देवता दिये हैं-पश्चात् छन्द ... विद्वानी का यही काम है कि वह जैसे जैसे साधन उनके पास हो वैसा वैसा सोचकर वेद मन्त्रों का अर्थ प्रकाशित करें। ऐसे सैकडों प्रयक्ष जब होंगे तब सच्चे अर्थ स्रोज करना भ्रागामी विद्वानों को सरल होगा। परन्तु इस समय बड़ी भारी कठि नाई यह है कि प्रकाशित पुस्तकों के लिये पर्याप्त संख्या में प्राष्टक नहीं मिलते हैं और विद्वानों के पास सम्पत्ति का अभाव होने के कारण हानि के दर से पुस्तकों का प्रकाशित करना बन्द होता है। इस तिये सब आयों को परम उचित है कि पंडित क्षेमकणदास जी जैसे विद्वान् पुरुवार्थी के प्रन्थ मोळ सोकर बनको अन्य प्रनथ प्रकाशित करने की आशा देते रहें। त्रिवेदी जी कोई धनाउच पुरुष नहीं हैं, उन्होंने अपनी सारी सम्पत्ति जो कुछ उनके पास है लगा दी है...... त्रिवेदी जी ने जो कुछ किया है वह वैदिक धर्म के प्रेम से प्रवृत्त होकर-इसलिये न केवल सब आर्य पुरुषों का यह कर्तस्य है कि इस भाष्य को मोल लेकर त्रिवेदी जी को उत्साहित करें किन्तु भनाव्य आर्य पुरुष का यह भी कर्त्तव्य है कि उनकी झार्थिक सहायता करें।

The VILY ADHIKARI (Minister of Education), Baroda State

....the leen decided to purchase 20 copies of your book entitled अभूतींद आहे हैं। It has been sanctioned for use of the library and the prize distruction. Please send them ...also add on the address lable to the ourgement Fund.

RAI THAKUR DATTA RETIRED DISTRICT JUDGE, Dera Ismail Khan Letter dated March 25th, 1914.

The Atharva Veda Bhashya:—It is a jigantic task and speaks volumes for your energies and perseverance that you should have undertaken at an advanced age. I wish I had a portion of your will-power.

Letter dated 30th April 1914.

I very much admire your labour of lore and hope...the venture will not fail for want of pecuniary support.

THE MAGISTRATE OF ALLAHAABD.

Letter No. 912 dated 21st May 1915.

Has the honour to request him to be so good as to send a copy each of the 1st and 3rd Kandas of Atharva Veda Bhashya to this office for transmission to the India Office, London.

THE ARYA PATRIKA LAHORE APRIL 18 1914.

THE Atharva Veda Bhashya or commentary on the Atharva Veda

which is being published in parts by Pandit Khem Karan Das Trivedi, does great credit to his energy, perseverance and scholarship. The first part contains the Introduction and the first Kanda or Book. There is a learned disquisition on the origin of the Vedas and the preeminent position in Sanskrit literature..... The arrangement is good. the original Mantra is followed by a literal translation and their bhavarth or purport in Arya Bhasha. The footnotes are copious; they give the derivation and meaning in Sanskrit of the various words quoting the authority of Ashtadhyayi of Panini, Unadikosha of Dayananda, Nirukta of Yaska, Yoga Darshana of Patanjai and other standard ancient works..... The Pandit appears to have laboured very hard and the Book before us does credit to his erudition; scholars may not agree with certain of his renderings, but like a true Arya. who venerates the Vedas, he has made an honest attempt to find in the Vedic verses something which will elevate and ennoble mankind. Cross references to verses where the word has already occurred in this Veda are also given to enable the reader to compare notes. There can be no finality in Vedic interpretation, but honest attempts like these which shall render the task easy to others are commendable. We are glad to call public attention to this scholarly work, and hope that Pandit Khem Karn Das Trivedi will get the encouragement which he so richly deserves Our earnest request is that the revered Pandit will go on with this noble work and try to finish the whole before he is called to eternal rest.....

N.B.—The printing and paper are good, the price is moderate.